वर्ष 72 ▸ अंक 287 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 15 जुलाई, 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

सुंदरता, सत्य की मुस्कान है, जब वह खुद को एक पूर्ण दर्पण में देखती है।
–रवीन्द्रनाथ ठाकुर

फर्जी रिफंड के खेल: मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में इनकम टैक्स का बड़ा एक्शन, 13 ठिकानों पर छापेमारी

देशभर के सीए और एलआईसी एजेंट के 200 ठिकानों पर छापे

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आयकर विभाग ने सोमवार को फर्जी इनकम टैक्स रिफंड के मामलों में देश भर के 200 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें मध्य प्रदेश के 10 और छत्तीसगढ़ के 3 ठिकाने भी शामिल हैं। मध्य प्रदेश में इंदौर, जबलपुर, रीवा, रतलाम और उज्जैन में, जबकि छत्तीसगढ़ में मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और कोरिया में छापेमारी की गई। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 9 स्थानों पर सर्च (छापेमारी) और 4 स्थानों पर सर्वे की कार्रवाई अभी भी जारी है। इन शहरों में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), आयकर सेवा प्रदाताओं (आईटी प्रैक्टिशनर) और एलआईसी एजेंटों के ठिकानों पर गहन छानबीन चल रही है। अब तक इन ठिकानों से डिजिटल डिवाइस, लेन-देन के महत्वपूर्ण दस्तावेज और बैंकों की स्टेटमेंट जब्त की गई हैं। छापे की यह कार्रवाई मंगलवार तक जारी रहेगी, जिसके बाद ही पूरी जानकारी सामने आ सकेगी।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ सीए, आईटी प्रैक्टिशनर और एलआईसी एजेंट करदाताओं से आयकर रिटर्न भरवाने के बाद, टीडीएस के रूप में जमा राशि का फर्जी रिफंड करा रहे थे। रिफंड का खेल फर्जी दस्तावेजों के जरिए किया जा रहा था। बदले में करदाता से रिफंड का 10 से 25 प्रतिशत हिस्सा फीस के रूप में ले रहे थे। पिछले वित्त वर्ष में भी ऐसे लोगों पर आयकर विभाग ने मध्य प्रदेश में कार्रवाई की थी। फिलहाल, हजारों टैक्स पेयर्स के फर्जी क्लेम कर करोड़ों का टैक्स रिफंड केवल मध्य प्रदेश में ही लिया गया है। सीए और कंसल्टेंट रिटर्न में टैक्स पेयर की आय कम बताकर भी आयकर विभाग को कम टैक्स अदा करा रहे थे।

उदाहरण से समझें फर्जी क्लेम का गणित

नियम यह है

टीडीएस की राशि कर्मचारियों के वेतन, ठेके की राशि आदि से काटकर सीधे आयकर विभाग के पास जाती है। यदि किसी टैक्स पेयर की आय आयकर की सालाना सीमा से कम होती है, तो उसे यह राशि नियम के तहत रिफंड की जा सकती है।

ऐसे किया फर्जीवाड़ा

टैक्स पेयर का पूरे साल का टीडीएस क्लेम करने के लिए मकान किराए, इलाज से लेकर बच्चों की स्कूल फीस से जुड़े फर्जी कागजात, बीमा की प्रीमियम की फर्जी रसीदें बनाकर आयकर से छूट का आवेदन बनाकर रिफंड के लिए भेजते थे।

10 से 25 फीसदी कमीशन

विभाग इसे सही मानकर 10 हजार का रिफंड प्रोसेस कर टैक्स पेयर के खाते में भेज देता था। इसके बाद ये टैक्स कंसल्टेंट उनसे तय की गई फीस के नाम पर इस रकम का 10 से 25 प्रतिशत हिस्सा ले लेते थे। ऐसा हजारों मामलों में किया गया है। यह फर्जीवाड़ा पिछले कई सालों से जारी था लेकिन पिछले साल इस पर आयकर विभाग की टेढ़ी नज़र पड़ गई थी।

इधर, अन्य राज्यों में भी छापामारी | पॉलिटिकल डोनेशन और मेडिकल क्लेम के नाम पर हो रहे घोटाले के खिलाफ एक्शन

नई दिल्ली, जेएनएन। देश भर में इनकम टैक्स विभाग ने फर्जीवाड़े के खिलाफ जोरदार कार्रवाई शुरू कर दी है। 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, जहां पॉलिटिकल डोनेशन, ट्यूशन फीस और मेडिकल खर्चों के नाम पर बड़ा घपला सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई उन लोगों के खिलाफ है जो फर्जी बिल बनाकर टैक्स में छूट का गलत फायदा उठा रहे थे। विभाग को शिकायतें मिली थीं कि कई लोग नकली बिलों के जरिए टैक्स बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें पॉलिटिकल डोनेशन के साथ-साथ मेडिकल खर्च और ट्यूशन फीस के नाम पर भी फर्जीवाड़ा शामिल है। यह खेल खास तौर पर बड़े शहरों में चल रहा था, जहां लोग रसूख का इस्तेमाल कर टैक्स चोरी कर रहे थे।

बड़े शहरों में टैक्स चोरी का गोरखधंधा: यह घपला खास तौर पर राजधानी और बड़े शहरों में ज्यादा देखा गया। यहां लोग रसूख और रिश्तों का फायदा उठाकर फर्जी बिलों के जरिए टैक्स बचाने में जुटे थे। इनकम टैक्स विभाग ने इन शिकायतों को गंभीरता से लिया और अब सख्ती से कार्रवाई कर रहा है।

दान की छूट का उठाया गलत फायदा

इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80जीजीसी के तहत पॉलिटिकल पार्टियों या इलेक्टोरल ट्रस्ट को दिए गए दान पर टैक्स में छूट मिलती है। लेकिन कई बिचौलियों ने इस छूट का गलत फायदा उठाया। ये लोग 5 से 10 फीसदी कमीशन लेकर फर्जी बिल बनाते थे, जिनके जरिए टैक्सपेयर्स टैक्स में कटौती का दावा करते थे। यह धांधली सिर्फ पॉलिटिकल डोनेशन तक सीमित नहीं थी। कई लोग ट्यूशन फीस और मेडिकल खर्चों के नाम पर भी नकली बिल बनाकर टैक्स चोरी कर रहे थे। विभाग ने इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करने के लिए देशभर में ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की है।

पीएस का एक्शन: 5 घंटे के लिए सिया ऑफिस पर ताला

विशेष संवाददाता, भोपाल। राजधानी स्थित सिया (स्टेट एनवायरमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान का दफ्तर सोमवार को तकरीबन 5 घंटे सील रहा। जानकारी के मुताबिक पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव (पीएस) डॉ. नवनीत मोहन कोठारी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। आखिरकार विदेश प्रवास पर गए मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद पांच घंटे बाद दफ्तर खोला गया। असल में, कुछ दिनों पहले सिया चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि नियमों के विरुद्ध 237 आवेदनों पर एनवायरमेंट क्लीरेंस दिया गया। चौहान ने उल्लेख किया था कि परमीशन देने का अधिकार डायरेक्टर या प्रमुख सचिव को नहीं है। इसके बाद भी ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आता है। चौहान ने प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन और एप्को के डायरेक्टर उमा आर माहेश्वरी पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने को कहा था।

An ISO 9001:2008 ISO 14001:2004 OHSAS 18001:2007 Certified www.jnctrewa.com
JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE OF TECHNOLOGY
Approved By AICTE New Delhi & Affiliated to RGPV Bhopal, APSU Rewa
B.Tech.
• Computer Science
• Electronics & Communication
• Electrical & Electronics
• Mechanical "Engineering
• Civil Engineering
• Mining Engineering
M.Tech.
• Structure
• Thermal
• Computer Science
• Digital Communication
• High Voltage System
ITI
• Fitter • Electrician
• COPA
DIPLOMA
• Mechanical Engg. • Civil Engg.
• Electrical Engg.
MBA B.Pharma D.Pharma
JNCT REWA
ADMISSION Counselling OPEN 2025-26
Online Registration OPEN by DTE
नोट - काउंसलिंग एवं प्रवेश हेतु संस्था रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में खुला रहेगा।
Add. Near RTO Office Crossing Ratahra Rewa 486001
Mob No. 8109412689, 9111100493, 9109918051

SHREE KRISHNA PHARMACY COLLEGE MANGAWAN, REWA
B. Pharma — 4 Years, PCI Approved Eligibility: 12th Passed (Maths/Biology)
D. Pharma — 2 Years, PCI Approved Eligibility: 12th Passed (Maths/Biology)
M. Pharma — (2 Year PCI Approved Eligibility: B.Pharma)
ADMISSION/ COUNSELLING OPEN For 2025-26
नोटः काउंसलिंग एवं प्रवेश हेतु संस्था रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में खुला रहेगा।
FOR ADMISSION AND QUERY
Call US: 9111100486, 9755102929
City Office: JNCT Campus, Ratahra, Rewa, Visit: www.skpcrewa.com
Campus: Prayagraj Road, Mangawan, Rewa (M.P.)

लॉर्ड्स में जडेजा का पराक्रम भी नहीं आया काम (पेज - 11)

पुल और रपटों में लगाए गए बैरियर

रीवा। जिले में 11 जुलाई को लगातार भारी वर्षा के कारण कई पुल, रपटे और पुलिया जलमग्न हो गए। इनमें किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग नितिन पटेल ने बताया कि रीवा-गड्डी रोड में 15वें किलोमीटर में धोबी नाला में अधिक पानी आने पर आवागमन को रोकने के लिए दोनों ओर बैरियर लगाया गया है। गोविंदगढ़ से टीकर होकर लक्ष्मणपुर जाने वाली सड़क में बिछिया नदी के रपटे पर छिरहटा गांव में भी दोनों ओर ड्राप गेट बनाए गए हैं। जिले की अन्य सड़कों में भी इसी तरह छोटे पुलों और रपटों में जल भराव होने पर बैरियर लगाकर वाहनों को रोकने की व्यवस्था की जा रही है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर (अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599, 9399312433

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

सुबह से प्रारंभ हुआ जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना का दौर देर रात तक चलता रहा

महामृत्युंजय मंदिर किला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जागरण, रीवा। सावन के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सभी शिवालयों में भक्तों की ऐसी भीड़ उमड़ी की पैर रखने की जगह नहीं बची। रीवा के सभी शिव मंदिर भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठे। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं, जो देर रात तक जारी रहीं। पूरे जिले में भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल छा गया। भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, हवन-पूजन के साथ विशाल भंडारे के आयोजन किये गये। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने पवित्र जल, बेलपत्र, धतूरा, भांग और दूध से भगवान शिव का अभिषेक कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों भगवान महामृत्युंजय मंदिर किला, मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर कोठी कंपाउंड, ओंकारेश्वर महादेवालय गांधी नगर उर्रहट में जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों की लंबी लाइन लगी रही। सुबह 4 बजे से ही शिवालयों में भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए लोगों ने पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। कई मंदिरों में भंडारे के भी आयोजन हुए। मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर सहित शहर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया। सावन का महीना तीन दिन पहले ही शुरू हो गया था लेकिन पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ा। सभी शिव भक्तों को सोमवार को बेसब्री से इंतजार था। पहला सोमवार आते ही सुबह से ही भगवान शिव की भक्ति में भक्त डूब गए। किला में भगवान महामृत्युंजय मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। सभी श्रद्धालु हाथों में फूल बेलपत्र, जल, धूप, धतूरा लेकर पहुंचे थे। भक्तों को अपनी बारी का इंतजार करने में ही घंटों प्रतीक्षा करना पड़ा। मंदिर के बाहर ही करीब 1 किमी से भी लंबी लाइन लगी रही। मंदिर में भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यहां लाइन घुमावदार होते हुए गेट तक पहुंच गई थी। भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने बच्चे बूढ़े, महिलाएं और युवतियां भी पहुंची थीं। भगवान भोलेनाथ की पूजन अर्चन करने से सारी मुरादें पूरी होती है। सावन में भगवान शिव की आराधना घर में सुख समृद्धि लेकर आती है। सारी मनोकामना भगवान पूरी करते हैं। लोग भगवान को प्रसन्न करने व्रत आदि भी रखते हैं।

ओंकारेश्वर महादेवालय में लगा रहा भक्तों का तांता

गांधी नगर उर्रहट स्थित ओंकारेश्वर महादेवालय में सोमवार को सुबह से शुरू हुआ जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना का दौर देर रात तक चलता रहा। यहां पर पूरे सावन माह में विशेष पूजा की जाती है। महिलाओं द्वारा प्रतिदिन भक्ति संगीत का कार्यक्रम किया जाता है। सावन माह में कई बार भण्डारे का भी आयोजन किया जाता है। इस शिवालय में सर्वाधिक संख्या महिलाओं एवं बच्चों की होती है। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग के अलावा इस मंदिर की भव्यता भी देखने भक्त आते हैं।

मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर कोठी में हुआ भण्डारा

मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर कोठी कंपाउंड में पूजा अर्चना के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। दोपहर से शुरू हुआ भंडारे का क्रम शाम तक चलता रहा। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया। मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे। मनकामेश्वर मंदिर में भी जलाभिषेक, पूजा-अर्चना और भंडारे की व्यवस्था की गई थी। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा मंदिरों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। स्वयंसेवकों ने भी भक्तों को कतारबद्ध करने और जलपान वितरण में सहयोग किया।

सावन का धार्मिक महत्व और शिव पूजा

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और इसे शिव पूजा तथा व्रत के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के सोमवार को भगवान शिव की सच्चे मन से आराधना करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और भक्तों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। यह महीना भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का भी प्रतीक है और इस दौरान की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। सावन के महीने में कुल चार सोमवार पड़ते हैं। प्रत्येक सोमवार का अपना विशेष धार्मिक महत्व होता है। पहला सोमवार भक्तों के उत्साह और श्रद्धा का प्रतीक था। यह पवित्र महीना रक्षाबंधन के पावन पर्व के साथ समाप्त होगा, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक है। सावन के ये चार सोमवार शिव भक्तों के लिए पूरे माह उत्साह और श्रद्धा का संचार करेंगे।

जिले भर के मंदिरों में उमड़ी भीड़

जिले के अन्य प्रमुख शिव मंदिरों देवतालाब शिव मंदिर, चिरहुलानाथ मंदिर और अन्य छोटे-बड़े शिवालयों में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। इन मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रीवा पहुंचे, जिससे सड़कों पर भी भक्ति का माहौल दिखाई दिया। रीवा जिला और मऊगंज जिला में कई प्रसिद्ध शिव मंदिर हैं। इन मंदिरों में हर साल सावन के प्रत्येक सोमवार के दिन भीड़ लगती है। गुढ़ में कष्टहरनाथ शिवालय में भी भीड़ लगती है। इसके अलावा देवतालाब शिव मंदिर में दूर दूर से दर्शन करने लोग पहुंचते हैं। पड़ोसी राज्य से भी यहां दर्शन के लिए भक्त आते हैं।

सीवरेज लाइन के उपर डली मिट्टी की परत बारिश में बही

कई जगह हो गए जानलेवा गड्ढे, रहवासियों की हो रही फजीहत

जागरण, रीवा। शहरवासियों की सुविधा के लिए प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले, मुख्य मार्ग में सीवरेज लाइन डाली गई है, अभी भी कुछ क्षेत्रों में सीवरेज लाइन डालने का कार्य निर्माणाधीन है। उक्त कार्य ठेके के माध्यम से करवाया जा रहा है, ठेकेदार लाइन डालने के बाद सीवरेज लाइन का ठीक से भराव नहीं करवा रहा। सीवरेज लाइन डालने के बाद उपर मिट्टी की परत बिछाकर छोड़ दी गई है, उसे दबाना भी उचित नहीं समझा, नतीजा शहर में शुक्रवार रात हुई बारिश पूरे शहर में डली सीवरेज लाइन के उपर बिछाई परत बहा ले गई, जिससे बीच सड़क पर जानलेवा गड्ढे हो गए।

आना-जाना हुआ मुश्किल : इन गड्ढों के कारण उक्त क्षेत्र के रहवासियों का आना-जाना मुश्किल हो गया। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, लोगों के चार पहिया सीवरेज लाइन के गड्ढों के कारण घर पर ही अनुपयोगी पड़े हैं, लोग वाहन नहीं निकाल पा रहे, दोपहिया वाहन चालकों की फजीहत हो रही है, बच्चे, महिलाएं जगह-जगह हो रहे गड्ढों से परेशान हैं। शहर के बांस घाट, वार्ड क्रमांक 5, वार्ड क्रमांक 42, पोखरी टोला, नए बस स्टैंड के समीप सहित अन्य क्षेत्रों में यह समस्या देखी जा सकती है।

रात-बिरात आने वाले लोगों के लिए खतरा : इन क्षेत्रों के रहवासियों ने बताया कि मोहल्ले के रहवासियों को तो इन जानलेवा गड्ढों के बारे में जानकारी है, लेकिन रात-बिरात बाहर से आने वाले लोग इस खतरे से अनजान हैं, जो इन गड्ढों की चपेट में आ सकते हैं, हमारे क्षेत्र के बच्चे स्कूल जाते-आते सीवरेज लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। अभी तक तो इन गड्ढों की सुध लेने न तो खनन करने वाला ठेकेदार आया न ही कोई अधिकारी, कर्मचारी।

निगमायुक्त से की गई गांधी कॉम्प्लेक्स में अतिक्रमण की शिकायत

जागरण, रीवा। प्रकाश चौराहे में स्थित गांधी कॉम्प्लेक्स में दुकानदारों द्वारा इस कदर अतिक्रमण किया गया है कि गैलरी में लोगों के निकलने तक की जगह नहीं बची है। दुकानदारों के इस रवैये के कारण जिनकी गांधी कॉम्प्लेक्स में अंदर दुकानें हैं वे परेशान हो रहे हैं और अपनी दुकानें या तो बंद करने की सोच रहे हैं या फिर बेचने के फिराक में हैं। गांधी कॉम्प्लेक्स में ही एक दुकान डॉ. रमन की भी है लेकिन उनके अगल बगल के दुकानदारों ने अपना सामन इस कदर फैलाया हुआ है कि उनकी दुकान ही नहीं दिखती। डॉ. रमन ने अतिक्रमणकारी दुकानदारों की शिकायत निगमायुक्त से की जाकर गांधी कॉम्प्लेक्स की गैलरी को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है। डॉ. रमन ने बताया कि गांधी कॉम्प्लेक्स में उनकी दुकान अग्रवाल सायकिल स्टोर के सामने है। उनके बगल में गोपाल होजरी, चुनमुन एवं आभा आदि दुकानदारों ने गैलरी पर कब्जा कर लिया है। नगर निगम की टीम आकर उनका सामान हटा देती है लेकिन उनके जाते ही वे फिर से गैलरी पर सामान फैला लेते हैं।

उमराह करने के लिए मक्का मदीना जत्था रवाना

रीवा। मदरसा इस्लामिया बिछिया के सदर वाइज खान कादरी ने बताया कि अल्लाह की इबादत करने और अपने गुनाहों की माफी मांगने काबा शरीफ और इस्लाम के आखिरी नबी मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम के रोज़ा-ए-मुबारक, मस्जिद-ए-नबबी वगैरह की जियारत करने के लिये लोग मक्का-मदीना उमराह करने के लिये जाते हैं, उमराह एक नफली इबादत है। इसी कड़ी मे आज बिछिया मोहल्ले से मोहम्मद याकूब खान, अब्दुल वाहिद खान, सरवर खान, समीलुन निशा, फातमा खान, परवीन खान, बसीरन बी व कई अन्य लोग रेल मार्ग से मुम्बई के लिए रवाना हुये, जहां से जेद्दा के लिये फ्लाइट से रवाना होगी। उमराह मे जाने से पहले इन लोगों का इस्तकबाल कादरी वेलवेयर सोसायटी एवं उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी के द्वारा हज़रत दाराशाह कैम्पस बिछिया मे शाल व फूल माला पहनाकर किया गया। इस्तकबाल करने वालों मे मुख्य रूप से जामा मस्जिद के पेशइमाम आलिम आसिम खान, हाजी मो. मुजीब, तहकीकुद्दीन, हाजी शफीक खान, हाजी दिलेर खान, मुजाबर जाबिर खान, मो. शुऐब खान, वाइज खान कादरी, वाशिद खान कादरी, अयूब खान, रियाज खान, जहीरुद्दीन, फरीजुद्दीन, तारिफ खान जॉनी, साबित खान, हामिद खान, शमीम खान, मोहसिन खान, शाहिद खान, जिब्राइल खान, अजहरुद्दीन अज्जू, एजाज खान, मसूद खान लल्ला, महफूज खान, इकबाल खान बबलू, साबिर अशरफी, सईद कादरी, हरीश खान, जमीरूद्दीन, हसीब खान राज, शहबाज खान आदि लोगों ने इस्तकबाल किया।

सुंदर नगर में अनुज्ञा के विरुद्ध बन रहे मकान का अतिक्रमण दल द्वारा तोड़ा गया छज्जा

जागरण, रीवा। नगर निगम में अब अतिक्रमण के विरुद्ध की गई किसी भी शिकायत पर तत्काल कार्यवाही की जाती है। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नियमित रूप से शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। सोमवार को वार्ड क्रमांक 9 सुंदर नगर में वार्ड के रहवासी द्वारा सड़क मार्ग में मकान का छज्जा बढ़ाकर निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसकी शिकायत प्राप्त होते ही अतिक्रमण दल द्वारा तोड़ने की कार्रवाई की गई। कार्यवाही के बाद चेतावनी दी गई कि नगर निगम से प्राप्त अनुज्ञा के अनुसार ही निर्माण कराया जाय अन्यथा वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। वार्ड क्र. 13 में मिश्रा पेट्रोल पंप के सामने वार्ड के रहवासी जवाहर सिंह के द्वारा नाःली के ऊपर जाली लगाकर कब्जा किया जा रहा था जिसे तत्काल हटवाया गया साथ ही पेट्रोल टंकी वाले तिराहा को पूरा खाली कराकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वार्ड 14 में संजय नगर मोड के पास से अतिक्रमण हटाया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 15 गुलाब नगर में रहवासी द्वारा रोड पटरी पर सीमेंट पोल में तार जाली लगाकर कब्जा किया गया था जिसे हटवाया गया। साथ ही वार्ड क्र. 15 कैप्सूल रोड में उत्सव राजविलास गार्डन के पास रोड पटरी पर टपरा बनाकर गाड़ी रखने की गैरेज बनाया गया था, जिसे हटाये जाने के साथ ही पुनरावृत्ति किये जाने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी गई। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण सहायक सुखेन्द्र चतुर्वेदी, ज्ञानेन्द्र द्विवेदी, अच्छेलाल पटेल, अतिक्रमण अमले के साथ मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि स्कूल
Play Nursery to12th
CBSE Based English Medium School
Bio, Maths, Commerce, Arts & Agriculture
ADMISSION OPEN
Session: 2025-26
आधारभूत विषय
• शारीरिक शिक्षा • योग शिक्षा
• संगीत शिक्षा • संस्कृत शिक्षा
• नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा
बोर्डिंग (आवासीय) 5वीं से 12वीं तक
हॉस्टल सुविधा रहने खाने की उत्तम व्यवस्था के साथ
सुविधायें:-
• स्मार्ट क्लास • कम्प्यूटर लैब
• स्पोकन इंग्लिश • प्रोजेक्टर
अरूण मार्ग, नेहरू नगर, रीवा | कलवारी मोड़ कटरा, रीवा | मो. 9977562411

भारतीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
रतहरा, रीवा (म.प्र.)
अंग्रेजी माध्यम : नर्सरी से कक्षा 12वीं तक (CBSE पैर्टन)
हिन्दी माध्यम : कक्षा 6 से कक्षा 12वीं तक (मैथ, बायो, कामर्स)
प्रवेश प्रारंभ सत्र-2025-26
आवश्यकता है शिक्षक वर्ग- 1: अर्थशास्त्र, क्रीड़ा, संगीत, रसायन शास्त्र
प्राचार्य 9826658430

प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ
हुनर से रोजगार तक...
NCVT & DGET से मान्यता प्राप्त
सतपुड़ा I.T.I. रीवा
10वीं के बाद ITI ही सर्वोत्तम
योग्यता 10वीं पास
इलेक्ट्रीशियन
फिटर
मैकेनिक डीजल
ST/SC/OBC के छात्रों को छात्रवृत्ति शासन के नियमानुसार
• ITI पास छात्रों को अग्निपथ योजना में 40 अंक की छूट
• ITI पास छात्रों को 12 वीं की समकक्षता
• सर्वोत्तम परीक्षा परिणाम
• सर्वश्रेष्ठ ट्रेनिंग और प्रैक्टिकल
• 100% जॉब प्लेसमेंट की सुविधा
• औद्योगिक भ्रमण की सुविधा
• कैरियर गाइड और कंप्यूटर क्लासेस
प्रवेश प्रारंभ सत्र- 2025-26
पता- सतपुड़ा आई टी आई, चोरहटा थाने के पास, रीवा (म.प्र.)
मो.:- 8349786513, 6262604134

IES UNIVERSITY BHOPAL
IES COLLEGE OF TECHNOLOGY BHOPAL
101-125 nirf IES INSTITUTE OF PHARMACY
201-300 nirf IES COLLEGE OF TECHNOLOGY
COURSES OFFERED
B.Tech (CSE) Specialization in
• AIML • Cyber Security • Data Science • AI & DS
B.Tech. (CSE, ME, CE, EC, EX), Polytechnic, M.Tech.
D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm & MBA
105+ COURSES OFFERED
• Management • Ayurveda • Agriculture Sciences • Arts
• Hotel Mgmt. • Law • Journalism & Mass Comm. • Physical Edu.
• Nursing • Basic Sciences • Education • UG • PG • Ph.D. (All Major Disciplines)
• Paramedical • Commerce • Computer App.
IES Campus, Ratibad Main Road, Bhopal. Call : 8516064444, 9229251460/22/78

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
पता- नया बस स्टैण्ड के पास, श्रीचन्द्र हार्डवेयर के बगल से, शारदापुरम रोड, रीवा
आयुष्मान एवं मेडिक्लेम द्वारा निःशुल्क इलाज
फोन नं.: 07662-314775, मोबा.- 7771000668

Learning Is Easy When Learning Is Fun
आर.पी. मेमोरियल हा.से. स्कूल
रतहरा, रीवा (म.प्र.)
कक्षा नर्सरी से 12वीं | अंग्रेजी माध्यम
आपके बच्चो के भविष्य निर्माण हेतु विद्यालय द्वारा निम्नवत प्रदत्त सेवाएं
विशेषताएं:
1. कक्षा 4 से सैनिक एवं नवोदय स्कूल की तैयारी 2. सी.सी.टी.वी. कैमरा 3. स्मार्ट कक्षाएं 4. कम्प्यूटर लैब 5. पुस्तकालय 6. विज्ञान लैब 7. मेडिकल व्यवस्था 8. आर्ट एण्ड क्राफ्ट रूम 9. संगीत और नृत्य कक्षाएँ 10. योग कक्षाएँ, 11. बड़ा खेल का मैदान 12. किफायती शुल्क संरचना 13. 25/1 छात्र-शिक्षक अनुपात 14. स्कूल बस सुविधा 15. कई और सुविधा 16. पढ़ाने मे अधुनिक शिक्षा पद्धति 17. सांस्कृतिक कार्यक्रम
ADMISSION OPEN
BECAUSE YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION
REQUIREMENTS
1. Commerce Teacher -01
2. Music teacher -01
3. Sanskrit teacher -01
पता- बाणसागर नहर के पास रतहरा, रीवा
मो.: +91 9179050677, 9826222326

सुप्रसिद्ध कोच बी.एम. शर्मा के निर्देशन में 16 वर्षों से संचालित
दि ब्रेन शेपर्स स्कूल
THE BRAIN SHAPERS SCHOOL
T.B.S. ISO 9001:2015 Certified
Nursery to 12th English Medium
हमारी विशेषतायें- • NCERT Books से पढ़ाई। • CBSE Syllabus की Teaching.
• उच्च गुणवत्ता युक्त अध्यापन। • केवल नियमित रहने वाले विद्यार्थियों का स्कूल।
• स्कूल में ही JEE, NEET तथा PNST (नर्सिंग) की तैयारी। • कमजोर विद्यार्थियों के लिये विशेष कक्षायें।
• योग और अनुशासन पर विशेष ध्यान। • हॉस्टल सुविधा (मदर ग्रेस हॉस्टल, संचालक श्री निर्मल कुमार पटेल)
एडमीशन फीस में पूरी छूट का ऑफर 5 दिन और!
नोटः - प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए 7 दिन में सम्पर्क करें और रजिस्ट्रेशन करायें।
समान बांध, रीवा 07662494243, 9300607071
Website-www.thebrainshapers.com

»» वर्ष 72 »» अंक 287 »» पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 15 जुलाई, 2025
»» श्रावण कृष्ण पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
»» नगर »» मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> हम एक अद्भुत दुनिया में रहते हैं, जो सुंदरता, आकर्षण और रोमांच से भरी हुई है। यदि हम केवल खुली आंखों से उन्हें खोजें तो रोमांचों का कोई अंत नहीं है।
> – जवाहरलाल नेहरू

'वैदिक उद्घोष' थीम पर निकली महाकाल की पहली सवारी

जागरण, उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में सावन के पहले सोमवार पर भगवान महाकाल नई पालकी में प्रजा का हाल जानने निकले। पहली सवारी 'वैदिक उद्घोष' की थीम पर निकाली गई। सवारी शिप्रा नदी पहुंची। यहां महाकाल का पूजन किया गया। रात करीब 7 बजे पालकी मंदिर वापस पहुंची। सवारी में अलग-अलग जिलों से आई भजन मंडलियां नाचते-गाते चलीं। इसके पूर्व तड़के 2.30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के कपाट खोले गए। कपाट रात 10 बजे शयन आरती तक खुले रहे। शाम तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने दर्शनलाभ लिया।

दुबई प्रवास के दूसरे दिन निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है मप्रः सीएम

सोमवार को दुबई में 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-बिजनेस फोरम' का शुभारंभ करते सीएम।

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रदेश में निवेश और व्यापार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इन्हीं संभावनाओं को लेकर दुबई में निवेशकों से वन टू वन चर्चा हुई है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आएं है।

सीएम ने यह बातें सोमवार को दुबई में मीडिया से संवाद के दौरान की। उन्होंने बताया कि एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश एविएशन में जो काम कर रहा है दुबई उसमें सहयोग करने के लिए तैयार है। हमारी सरकार विदेश में कैसे आसानी से व्यापार करें, सरकार किन-किन क्षेत्रों में व्यापार कर सकती है, उस पर गहन विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में खदानें भी हैं, उद्योग भी हैं, फूड पार्क भी हैं। निवेशकों से अलग-अलग सेक्टर को लेकर चर्चा की। वन-टू-वन बैठक में भी निवेशकों से अच्छी और सकारात्मक बात की है। बैठकों के दौरान वेलनेस, हेल्थ, एनर्जी, सर्विस सेक्टर में अच्छे सुझाव मिले। सीएम ने कहा कि दुबई के निवेशकों ने मध्यप्रदेश में गोल्ड एवं डायमंड माइनिंग सहित कई सेक्टर में निवेश करने की रुचि दिखाई। प्रदेश की छवि को ब्रांड इंडिया के अंतर्गत वैश्विक स्तर पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने में भारतीय मिशन की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

नीट यूजी के 75 छात्रों का रिजल्ट जारी

इंदौर, जेएनएन। नीट यूजी के दौरान बिजली गुल होने के मामले में सोमवार को इंदौर हाईकोर्ट ने प्रभावित 75 से ज्यादा स्टूडेंट्स की दोबारा परीक्षा कराने संबंधी याचिकाएं खारिज कर दीं। हाईकोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की रिट अपील मंजूर करते हुए फैसला सुनाया। एनटीए ने शाम को ऑर्डर वेबसाइट पर लोड कर दिया गया। इसके बाद शाम 6 बजे एनटीए ने उन 75 स्टूडेंट्स, जिनके रिजल्ट पर रोक लगी थी, उसे घोषित कर दिया। इसकी सूचना हर छात्र को उनके मेल पर दी गई। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा है कि भविष्य में बिजली गुल होने पर स्थानीय प्रशासन और एनटीए द्वारा वैकल्पिक इंतजाम अनिवार्य रूप से किए जाएं। इस मामले में एनटीए की अपील पर 10 जुलाई को सुनवाई हुई थी, तब कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था।

संक्षिप्त खबरें

एसीजे सचदेवा मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

जागरण, जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त कर दिया गया है। इस सिलसिले में भारत शासन, विधि व न्याय मंत्रालय, न्याय विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके अनुसार भारत के संविधान में दी गई व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रपति ने नियुक्ति आदेश जारी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मप्र हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत के सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हुए मुख्य न्यायाधीश के पद पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बतौर वरिष्ठतम न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को नियुक्त किया गया था। वे 30 मई, 2024 को दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित होकर मप्र हाई कोर्ट आए थे। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत के पदभार संभालने से पूर्व भी यहां कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पद की जिम्मेदारी संभाल चुके थे।

नहीं रहे दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक

जालंधर, जेएनएन। दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का सोमवार शाम को सड़क हादसे में घायल होने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 114 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि फौजा सिंह सोमवार दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे अपने गांव ब्यास पिंड के पास पठानकोट-जालंधर नेशनल हाईवे के किनारे सैर करने निकले थे। सैर करने के दौरान वह सड़क पार कर दूसरी ओर जाने लगे इस दौरान एक तेज रफ्तार कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाला चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। ब्यास पिंड के ही कुछ युवकों ने फौजा सिंह को सड़क किनारे घायल अवस्था में पाया और उन्हें उपचार के लिए जालंधर के श्रीमन अस्पताल ले गए। वहां पर उपचार के दौरान शाम करीब साढ़े छह बजे उनका निधन हो गया।

पति और पत्नी की गुप्त रूप से रिकॉर्ड बातचीत भी वैध साक्ष्य

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि पति-पत्नी के बीच गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोनिक बातचीत को पारिवारिक मामलों में साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। यह फैसला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस निर्णय को खारिज करता है जिसमें पत्नी की बिना जानकारी रिकॉर्ड की गई बातचीत को निजता का उल्लंघन बताते हुए साक्ष्य के रूप में अस्वीकार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि ऐसा कोई भी साक्ष्य जो सत्य को उजागर करने और न्याय सुनिश्चित करने में सहायक हो, उसे खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 का हवाला देते हुए कहा कि यह धारा पति-पत्नी के बीच की संचार को गोपनीय मानती है, लेकिन इसमें अपवाद भी है। जब पति-पत्नी एक-दूसरे के विरुद्ध मुकदमे में हों। कोर्ट ने कहा कि धारा 122 को अनुच्छेद 21 में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार के परिप्रेक्ष्य में पढ़ाना चाहिए।

सोशल मीडिया पोस्ट और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

बंधुत्व से कम होगी नफरत, तोड़ने वाली प्रवृत्तियों पर लगाम जरूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले पोस्ट और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि नागरिकों में आपसी बंधुत्व होगा, तो नफरत और विभाजनकारी प्रवृत्तियाँ स्वतः कम होंगी।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और केवी विश्वनाथन की पीठ कोलकाता निवासी वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। खान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर देशभर में दर्ज एफआईआर को एक जगह समेकित करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि सोशल मीडिया पर नफरत और असहमति को भड़काने वाले कंटेंट देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचाते हैं।

'ऐसी प्रवृत्तियां सीमित की जानी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि राज्य कब तक हस्तक्षेप करेगा? नागरिकों को खुद को नियंत्रित करना चाहिए, नहीं तो राज्य को कदम उठाना पड़ेगा और कोई भी नहीं चाहता कि राज्य ऐसा करे।' न्यायालय ने सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्ट के दुष्प्रभाव पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा, 'एक बार जब कोई कंटेंट इंटरनेट पर चला जाता है, तो वह हमेशा के लिए रहता है। जिम्मेदारी से राय रखना और किसी को अपमानित करना, दोनों में फर्क होता है।'

पीठ ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर कंटेंट पोस्ट करना आसान है, लेकिन उसका प्रभाव गहरा और लंबे समय तक रहता है। इसलिए इससे उत्पन्न होने वाली अवांछित कानूनी कार्रवाइयाँ न्यायपालिका को अनावश्यक रूप से बोझिल कर रही हैं।

स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी

> "यदि नागरिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार चाहते हैं, तो उन्हें उसके साथ आने वाली सीमाओं और जिम्मेदारियों को भी समझना होगा। संविधान का अनुच्छेद 19 राज्य के खिलाफ अधिकार देता है, लेकिन नागरिकों को भी एक-दूसरे के प्रति मर्यादा रखनी होगी।
> ● जस्टिस नागरत्ना

कंटेंट नजरअंदाज करें नागरिक

जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि यदि नागरिक खुद ही इस प्रकार के कंटेंट को नजरअंदाज करना शुरू करें, तो ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा नहीं मिलेगा। इसका समाधान यही है कि लोग इन ट्वीट्स को देखना, शेयर करना बंद करें। लेकिन सवाल यह है कि लोगों की समझ कब जागेगी?

वजाहत खान ने मांगी माफी

याचिकाकर्ता वजाहत खान के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने स्वीकार किया कि पोस्ट आपत्तिजनक थे और खान ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है तथा पोस्ट हटा दिए हैं। उन्होंने कहा कि खान ने वही गलती की, जिसकी शिकायत पहले उन्होंने दूसरों के खिलाफ की थी।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार

कार्टूनिस्ट ने कार्टून हटाने पर दी सहमति

नई दिल्ली। इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय, जिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर आपत्तिजनक कार्टून पोस्ट करने का मामला दर्ज हुआ था, ने सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद अपने पोस्ट हटाने पर सहमति जताई है। सोमवार को हुई संक्षिप्त सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और अरविंद कुमार की पीठ ने मालवीय की हरकत को 'उकसाने वाला और अपरिपक्व' बताया। कोर्ट ने सवाल किया कि क्या वह पोस्ट हटाने को तैयार हैं, जिस पर हेमंत की वकील वृंदा ग्रोवर ने सहमति दी और कहा कि 'मैं बयान देती हूं कि मैं आपत्तिजनक टिप्पणियों का समर्थन नहीं कर रही हूं।' ग्रोवर ने यह भी कहा कि यह मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा है और पुलिस उनके घर आकर दबाव बना रही है। उन्होंने 50 वर्षीय मालवीय के लिए अंतरिम सुरक्षा की मांग की।

नई पहलः तेल-चीनी और कैलोरी का चेतावनी बोर्ड अनिवार्य

कैंटीन में मिलेगी समोसे के साथ कैलोरी की जानकारी

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में मोटापा, डायबिटीज और दिल की बीमारियों की बढ़ती दर को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक नई स्वास्थ्य पहल शुरू की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को सभी केंद्रीय सरकारी विभागों, संस्थानों और स्कूलों की कैंटीनों को निर्देश दिया है कि वे समोसा, जलेबी, लड्डू और वड़ा पाव जैसे लोकप्रिय स्नैक्स में मौजूद तेल, शक्कर और कैलोरी की मात्रा की जानकारी स्पष्ट रूप से बोर्ड पर प्रदर्शित करें। इस निर्देश के तहत कैंटीनों और सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे 'तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड' लगाए जाएंगे, जिन पर यह जानकारी होगी कि किसी स्नैक में कितनी कैलोरी है, कितनी चीनी और तेल का उपयोग किया गया है। उदाहरण के तौर पर, एक गुलाब जामुन में पांच चम्मच तक चीनी हो सकती है। इसका उद्देश्य है—लोगों को जंक फूड के खतरे को समझाकर जागरूक करना, न कि इन पर पूरी तरह पाबंदी लगाना।

भारत में तेजी से बढ़ रहे मोटापे और मधुमेह के मामलों ने स्वास्थ्य नीति निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 2050 तक करीब 45 करोड़ भारतीय मोटापे या अत्यधिक वजन से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए सरकार अब स्कूलों और कार्यालयों में भोजन को लेकर नीतिगत बदलावों की शुरुआत कर रही है।

चेतावनी होगी, बिक्री पर रोक नहीं

सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि इन खाद्य वस्तुओं की बिक्री पर रोक नहीं लगाई जाएगी। सिर्फ चेतावनी देकर लोगों को सही जानकारी देने की कोशिश की जाएगी, ताकि वे सोच-समझकर अपने खानपान का चुनाव कर सकें। यह तरीका सिगरेट की पैकेजिंग पर दी जाने वाली चेतावनियों से प्रेरित है, जो उपभोक्ताओं को जोखिमों के बारे में आगाह करता है।

कहां-कहां लागू होंगे ये बोर्ड

फिलहाल यह निर्देश सभी केंद्रीय मंत्रालयों, एम्स जैसे संस्थानों और सीबीएसई स्कूलों पर लागू होगा। दिल्ली और नागपुर जैसे शहरों में इस योजना पर तेजी से अमल शुरू हो चुका है। इससे पहले मई में सीबीएसई ने भी देश भर के 24,000 से अधिक स्कूलों में 'शुगर बोर्ड्स' लगाने का निर्देश दिया था, जिनमें दैनिक चीनी सेवन की सीमाएं और स्वस्थ विकल्पों की जानकारी दी गई थी।

डूबा पुल, अस्पताल नहीं पहुंच पाई गर्भवती महिला, मौत

जागरण, रीवा। विकास के तमाम दावों के बावजूद रीवा जिले के जवा तहसील के बरहटा गांव में एक गर्भवती महिला की इसलिए मौत हो गई क्योंकि बरसात के कारण रास्ते में पानी भर गया और उसे अस्पातल नहीं पहुंचाया जा सका। इस घटना में एक नहीं अपितु दो मौत हो गई, साथ ही जिम्मेदारों की संवेदना की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि नदी पार करते समय महिला को ले जा रहा वाहन तेज बहाव में फंस गया और करीब 2 घंटे तक वाहन वहां फंसा रहा जिससे महिला की मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक भनिगवां गांव की रहने वाली प्रियारानी कोल पति सोनू कोल अपने मायके में थी। महिला गर्भवती थी अचानक दर्द आने पर परिजन उसे जवा अस्पताल लेकर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में महाना नदी तेज उफान में थी, सभी लोग नदी के एक तरफ ही अटके रहे। इसी दौरान करीब एक-दो घंटे तक प्रियारानी कोल कराहती रही और उसकी मौत हो गई। बताया गया कि इस दौरान गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर को बुलाया गया जिसने महिला को मृत घोषित कर दिया। उसके शव को ससुराल ले जाने के लिए 40 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ा। मृतका 8 से 9 माह की गर्भवती थी। उसके जेठ ने बताया कि बाढ़ के चलते अस्पताल पहुंचने में काफी दिक्कतें आईं और ज्यादा तबीयत खराब होने से प्रियारानी की मौत हो गई। ससुर ने बताया कि ससुराल में रोड न होने के कारण वह मायके चली गई थी, सोचा था कि मायके में सुरक्षित डिलीवरी हो जाएगी। लेकिन इससे पहले नदी में बाढ़ के चलते वह अस्पताल नहीं पहुंच पाई और फिर उसके शव को बड़ी मुश्किल से ससुराल ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कराया गया।

मेडिकल कॉलेज नर्सिंग छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला

डॉ.अशरफ को डीन ने किया निलंबित, आरोप पर नहीं दिया संतोषजनक जवाब

इधर नर्सिंग एसोसिएशन ने खोला मोर्चा, लगातार बढ़ता जा रहा विरोध

जागरण,रीवा। कई दिनों से मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग के डॉ.अशरफ के खिलाफ हो रही कार्यवाही की मांग पर सोमवार को प्रभारी डीन ने आदेश जारी किए हैं। प्रभारी डीन ने डॉ.अशरफ को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनको डीन कार्यालय में अटैच किया गया है। उन पर नर्सिंग छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की थी। बता दें कि इस संबंध में मेडिकल कॉलेज डीन द्वारा नोटिस जारी किया गया था लेकिन डॉ.अशरफ उसका संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जिसके बाद सोमवार को निलंबन की कार्यवाही की गई है। बता दें कि इस मामले ने मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश भर में हड़कंप मचा रखा है। डॉ.अशरफ पर छात्राओं से अभद्रता सहित कई गंभीर आरोप हैं। लगातार इसका विरोध किया जा रहा है।

नर्स एसोसिएशन ने की नारेबाजी : कार्यवाही के पूर्व नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने डीन कार्यालय का घेराव किया, इतना ही नहीं जमकर नारेबाजी भी की गई। सभी नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज पहुंच कर डीन को ही घेर लिया। डीन डॉ सुनील अग्रवाल को ज्ञापन सौंप कर डॉ अशरफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जांच कमेटी में शामिल सदस्यों और पदाधिकारियों के बर्ताव को लेकर भी शिकायत की है। साथ ही एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि न्याय नहीं मिलता है तो वह उग्र आंदोलन करेंगी।

डीन को भी हटाने की मांग : डॉ अशरफ मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी जमकर हंगामा किया था। कॉलेज में करीब 5 घंटे हंगामा चला था। डीन के बर्ताव को लेकर मामला बिगड़ गया था। इसके बाद एबीवीपी के सदस्य डीन को ही हटाने की मांग पर अड़ गए थे। 10 दिन का अल्टीमेटम भी दिया था। अब एबीवीपी के भी अल्टीमेटम खत्म होने के दिन करीब आ रहे हैं। यदि इस दौरान भी कार्रवाई नहीं हुई तो फिर से कॉलेज में बवाल मचना तय है।

छापा | गलत दस्तावेजों से टैक्स छूट दिलाने वालों में रीवा के भी सलाहकार

करोड़ों के लेन-देन की आशंका, आयकर विभाग की टीम ने मारा छापा

घर और चैम्बर में एक साथ पहुंची टीम, जब्त किए गए दस्तावेज

जागरण,रीवा। शहर में जबलपुर इनकम टैक्स की टीम ने एक आईटी कंसल्टेंट के घर और ऑफिस में छापामार कार्रवाई सोमवार को की। इस कार्रवाई से रीवा में हड़कंप मच गया। इस कार्रवाई के तार देश के बड़े अनैतिक लेन देन से जोड़ कर बताया जा रहा है। इनकम टैक्स विभाग ने पिछले दिनों मप्र और छत्तीसगढ़ के चार जिलों में रेड मारी थी। इन कार्रवाइयों के तार रीवा से जुड़े बताए जा रहे हैं। इसी के तहत यह कार्रवाई हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को आईटी डिपार्टमेंट टीम ने रीवा में इनकम टैक्स कंसल्टेंट वेद प्रकाश मिश्रा के विध्य विहार कॉलोनी स्थिति आवास और जिला न्यायालय परिसर स्थित चैम्बर में छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने घर और ऑफिस से इनकम टैक्स से जुड़े हुए कई दस्तावेज जब्त किए हैं। सूत्रों की मानें तो वेद प्रकाश मिश्रा के खाते से बड़े अमाउंट का ट्रांजेक्शन हुआ था। जिसके तार देश के बड़े लेन-देन से जुड़े हैं। छत्तीसगढ़ में रायपुर, मप्र के इंदौर, भोपाल में इनकम टैक्स ने रेड मारी थी। करोड़ों रुपए के लेने देन का खुलासा हुआ था। इसमें एक नाम रीवा का भी जुड़ा था। आईटी कंसल्टेंट वेद प्रकाश मिश्रा का नाम सामने आया था। इसी के तहत यह कार्रवाई होना बताया जा रहा है। लगातार जांच चलने की संभावना जताई जा रही है।

टैक्स बचाकर दिलाते थे लाभ

वहीं कार्यवाही को लेकर यह भी कहा गया कि आयकर देने वाले नियम में डेढ़ लाख की छूट का प्रवधान है, यह प्रावधान उनके लिए है जिनके द्वारा किसी न किसी प्रकार की समाजसेवा या अन्य कार्य किए हैं। बताया गया कि रीवा में बिना किसी दस्तावेज के इस प्रकार की छूट दिलाई गई, इस प्रकार के देश के कई इनकम टैक्स कंसल्टेंट हैं, इसमें रीवा के इनकम टैक्स कंसल्टेंट वेद प्रकाश मिश्रा भी शामिल हैं। लंबे समय से चल रहे इस खेल की जानकारी के बाद यह छापा पड़ा है।

पूरा दिन मचा रहा हड़कंप

बता दें कि आयकर विभाग की अलग-अलग टीमों द्वारा की गई इस कार्यवाही से पूरे दिन हड़कंप मचा रहा। कई इनकम टैक्स कंसल्टेंट शटर गिराकर गायब हो गए। शहर भर में इस कार्यवाही की चर्चा होती रही। हालांकि अभी तक टीम ने स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर किस गड़बड़ी को लेकर कार्यवाही की गई, पूरा दिन कयास मात्र ही लोग लगाते रहे।

टैक्स बचाने वालों पर भी गिर सकती है गाज

बताया गया कि गलत तरीके से डेढ़ लाख रुपए छूट का लाभ लेने वालों पर भी वसूली की कार्यवाही हो सकती है। रीवा में ऐसे लोगों की लिस्ट हजारों में है। यह छूट इनकम टैक्स कंसल्टेंट के लिए वरदान से कम नहीं थी, अधिक से अधिक छूट दिलाकर वह अपने ग्राहक पक्के कर लेते थे, बताया गया कि अन्य कुछ जगहों पर नियम से काम होने पर छूट का लाभ कम मिलता था लेकिन इनकम टैक्स कंसल्टेंट वेद प्रकाश मिश्रा पूरे डेढ़ लाख रुपए की छूट दिलाने का काम कर रहे थे।

सोहागी पहाड़ में हो रहे सड़क हादसे पर सर्वोच्च न्यायालय समिति ने दिए जांच के निर्देश

भाजपा नेता गौरव तिवारी की शिकायत पर मुख्य सचिव के पास पहुंचा पत्र

फाइल फोटो

जागरण, रीवा। सोहागी पहाड़ में लगातार सड़क हादसों और सड़क की गुणवत्ता को लेकर भाजपा नेता गौरव तिवारी की शिकायत के बाद सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति के सचिव ने प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र जारी कर मामले में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाए गए ठोस कदमों की जानकारी देने के निदेश दिए हैं। विदित हो कि सोहगी पहाड़, त्योंथर क्षेत्र (नेशनल हाईवे-30) पर लगातार हो रहे सड़क हादसों और सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर भाजयुमो के पूर्व राष्टीय मंत्री गौरव तिवारी ने संजय बंदोपाध्याय सदस्य सड़क सुरक्षा समिति सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली को विस्तारपूर्वक शिकायत पत्र भेजा था। भाजपा नेता ने पत्र के माध्यम से बीते कुछ वर्षों में हुए हादसों व सड़क निर्माण की घटिया गुणवत्ता, गलत डिजाइन और सड़क सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की जांच कराने की मांग की थी। शिकायत पत्र में 1 फरवरी 2024 को ट्रक के पलटने की घटना और हाल ही में 5 जून 2025 को हुए दर्दनाक हादसे का भी उल्लेख था, जिसमें एक ही परिवार के 7 लोगों सहित 4 मासूम बच्चों की मौत हो गई। मामले की शिकायत सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति के सचिव संजय मित्तल ने 6 जून 2025 को पत्र जारी कर प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन मध्यप्रदेश शासन, भोपाल को इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाए गए ठोस कदमों की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट समिति के चेयरमैन जस्टिस अभय मनोहर सप्रे और सदस्य डॉ. निशी मित्तल ने भी इस पत्र को स्वीकृति दी है। पत्र में साफ कहा गया है कि राज्य सरकार को ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग, ट्रैफिक नियमों के पालन और सड़क की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

आरटीओ दफ़्तर के पास अवैध धरने की तैयारी, दुर्घटना की संभावना

आरटीओ ने समान पुलिस को धरना रोकने लिखा पत्र

रीवा। रतहरा स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के गेट नंबर 1 के पास कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से टेंट लगाकर धरना देने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, ये लोग बिना किसी वैधानिक अनुमति के एजेंट के रूप में कार्य करने का प्रयास कर रहे हैं और अब सरकारी कार्यालय के समीप अनधिकृत रूप से धरना प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। आरटीओ कार्यालय प्रशासन ने इस संबंध में थाना सामान को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि ऐसे तत्वों की उपस्थिति कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और सामान्य कार्य प्रणाली में गंभीर बाधा उत्पन्न करेगी। विशेष रूप से कार्यालय में प्रतिदिन आने-जाने वाले भारी वाहनों की आवाजाही बाधित हो सकती है, जिससे दुर्घटना की आशंका और जनहानि की संभावना बनी रहती है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस प्रकार का कृत्य न केवल कानून के विरुद्ध है, बल्कि इससे आमजन को भी असुविधा होगी और शासकीय कार्य प्रभावित होंगे। अतः इन तत्वों को तत्काल हटाए जाने हेतु पुलिस बल की मांग की गई है। साथ ही, दोषियों पर विधिसम्मत कार्रवाई किए जाने का भी अनुरोध किया गया है।

उप मुख्यमंत्री का संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने जताया आभार

रीवा। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिए जाने जारी हुए शासन के आदेश पर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से मिल आभार व्यक्त किया। पुष्पहार से स्वागत कर आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। उप मुख्यमंत्री ने अन्य मांगें भी जल्द से जल्द पूरी किए जाने का आश्वासन दिया है। इस दौरान जिला अध्यक्ष विकास पांडेय, विजय तिवारी, घनश्याम त्रिपाठी, विमानचंद पांडे, अनुराग श्रीवास्तव, अमित शुक्ला, डॉ.दिनेश त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

अपराधियों व असमाजिक तत्वों पर कसावट के लिए पुलिस करे नियमित गश्त

रीवा जोन की पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त कर की कार्रवाई

जागरण रीवा। रीवा जोन में कानून व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं अपराधों पर नियंत्रण हेतु जोन के जिलों में आईजी के मार्गदर्शन में एक दिवसीय कॉम्बिंग गश्त का विशेष अभियान चलाया गया। रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर जिले की पुलिस ने स्थाई वारंट, गिरफ्तारी वारंट के साथ निगरानी बदमाश व गुण्डा चेकिंग कर कार्रवाई की। आईजी गौरव राजपूत ने समस्त थाना प्रभारियों को अपराधियों व असमाजिक तत्वों पर कसावट लाने के लिए पुलिस को नियमित रूप से गश्त किए जाने व वाहन चेकिंग के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि कॉम्बिंग गश्त के दौरान रीवा जोन के सभी जिलों की पुलिस ने 187 स्थाई वारंट, 479 गिरफ्तारी वारंट के साथ ही 401 निगरानी चेकिंग व 519 गुण्डा बदमाशों पर कार्रवाई की है।

छत के रास्ते घर में घुसे चोर ने पार कर दिया नकदी और मोबाइल

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुष्पराज नगर में बीती रात अज्ञात चोर ने छत के रास्ते एक घर में प्रवेश किया और बड़े ही शातिराना तरीके से नकदी और मोबाइल चुराकर फरार हो गया। घटना की शिकायत पीड़ित सुभाष त्रिपाठी ने सिटी कोतवाली थाना में की है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी की फोटो साफ दिखाई दे रही है। पुलिस ने शिकायत के बाद अज्ञात चोरी की तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक पुष्पराज नगर के एक आवास में घुसे चोर ने मोबाइल सहित पांच हजार रुपए नकद पार कर दिए। बताया गया की दो मंजिला घर में नीचे वृद्ध अकेले रहते थे, जबकि ऊपरी मंजिल में उनके लड़के सहित परिवार के लोग रह रहे थे। बताया गया कि अज्ञात बदमाश ने घर में सो रहे वृद्ध के कमरे में रखा मोबाइल व उनकी तकिया के नीचे रखा 5 हजार रुपए पार कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है वीडियो के आधार पर पुलिस अज्ञात चोर की पहचान का प्रयास कर रही है। पुष्पराज नगर निवासी भारती प्रसाद त्रिपाठी के आवास में एक अज्ञात चोर बीती रात्रि तकरीबन 1 बजे पड़ोसी के छत पर चढ़कर उनके छत पर आ गया और सीढ़ी से नीचे उतरकर कमरे में पहुंचा। जहां सो रहे भारती प्रसाद त्रिपाठी का मोबाइल सहित तकिए के नीचे रखी नकदी पार कर फरार हो गया। बताया गया है कि जिस दौरान अज्ञात चोर ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया उस दौरान नीचे के कमरे में भारती प्रसाद त्रिपाठी सो रहे थे जबकि उनका पूरा परिवार ऊपर कमरे में था। बताया गया कि पूर्व में भी अज्ञात चोरों ने इसी तरह से चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए मोटर पम्प पार कर दिया था, जिसमे एक नकाबपोश बदमाश सीसीटीवी में दिखा था। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोर की पहचान कर उसकी तलाश में लगी हुई है। बताया गया कि मोबाइल फोन पर सुबह कॉल किया गया तो फोन उठा जिस पर बताया गया कि वह बाजार में है और उसके बाद फोन बंद कर दिया गया। फिलहाल अब पुलिस अज्ञात चोर की तलाश सरगर्मी से कर रही है।

सैनिक स्कूल रीवा (मध्यप्रदेश), रक्षा मंत्रलय द्वारा संचालित

-निविदा आमंत्रण सूचना-

सैनिक स्कूल रीवा में सैनिक स्कूल रीवा में टेंट हाउस, खानपान के बर्तन, प्रकाश, ध्वनि और सजावट हेतु सेवा प्रदान करने हेतु पंजीकृत एजेसियों से निविदा आमंत्रित कर रहा है:-

निविदा की विस्तृत जानकारी, निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु जरूरी दस्तावेजों की जानकारी सैनिक स्कूल रीवा की वेबसाइट www.sainikschoolrewa.ac.in देखें।

प्राचार्य
सैनिक स्कूल रीवा (मध्यप्रदेश)

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

क्रमांक/भण्डार/2025/58 रीवा दिनांक- 09-07-25

ई-निविदा (पंचम आमंत्रण)

रूसा प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि से विश्वविद्यालय के लिए उपकरण क्रय हेतु पंजीकृत फर्मो से आइटमवाइज निविदा की शर्तो के अधीन आनलाइन ई-निविदा दिनांक 31-7-25 तक आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा का विस्तृत वितरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.apsurewa.ac.in पर तथा https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर भी देखा जा सकता है।

कुलसचिव

कार्यालय नगर परिषद् बैकुण्ठपुर जिला-रीवा (म.प्र.)

E-mail - cmobaikuntpur@mpurban-gov-in

क्रमांक 738 /न.परि./संपत्ति अन्तरण/2025 बैकुण्ठपुर, दिनांक 14-07-2025

नामान्तरण सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र.नगर पालिका अधिनियम 1961 के चल, अचल संपत्ति अन्तरण नियम अन्तर्गत इस कार्यालय में संपत्ति कर/ समेकित कर पंजी मे दर्ज भवन को अपने नाम अन्तरण करने का आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है। जो निम्न है। यदि किसी के नाम परिवर्तन (अन्तरण) करने पर आपत्ति हो तो प्रमाणित अभिलेख सहित दिनांक 30.07.2025 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्तियों पर कोई कार्यवाही नहीं की जावेगी।

क्र.	वार्ड क्र.	भवन क्र.	वर्तमान भवन स्वामी का नाम	नामान्तरण का प्रकार	भवन अन्तरित व्यक्तियों का नाम एवं पता
1	04	04/01	स्व. भांजा प्रसाद तिवारी पिता रामावतार तिवारी	वारिसाना	योगेन्द्र प्रसाद तिवारी, माया मिश्रा, नागेन्द्र शर्मा, मृगेन्द्र तिवारी सभी के पिता स्व. भांजा प्रसाद तिवारी वार्ड क्र. 04 बैकुण्ठपुर
2	07	07/09	स्व. बाबूलाल गुप्ता पिता रामकुमार गुप्ता	आपसी हिस्सा बाट	कमलेश गुप्ता पिता स्व. बाबूलाल गुप्ता वार्ड क्र. 07 बैकुण्ठपुर
3	07	07/112	रामपाल गुप्ता पिता पन्नालाल गुप्ता	आपसी हिस्सा बांट	नरेशचन्द्र गुप्ता पिता रामपाल गुप्ता वार्ड क्र. 10 बैकुण्ठपुर
4	07	07/16	शकरलाल हलवाई पिता रामप्रसादहलवाई	आपसी हिस्सा बांट	अनीता हलवाई पति शंकरलाल हलवाई, भागवत हलवाई पिता शंकरलाल हलवाई वार्ड क्र. 07
5	08	08/65	मनोरमा गुप्ता पति सुदामा प्रसाद गुप्ता	विक्रय पत्र अनुसार	नीरू गुप्ता पति राजेश कुमार गुप्ता वार्ड क्र. 08 बैकुण्ठपुर
6	08	08/35	नरेशचन्द्र गुप्ता पिता रामपाल गुप्ता	आपसी हिस्सा बांट	रजनेश गुप्ता पिता रामपाल गुप्ता वार्ड क्र. 08 बैकुण्ठपुर
7	08	08/48	मनोज नामदेव पिता वंशगोपाल गुप्ता	रजिस्ट्री	श्रीकान्त गुप्ता पिता स्व. जवाहरलाल गुप्ता वार्ड क्र. 08 बैकुण्ठपुर
8	09	09/76	मो. मन्जूर अहमद पिता मो. खलील	आपसी हिस्सा बांट	मकसूद अहमद पिता मो. खलील वार्ड क्र. 13 बैकुण्ठपुर
9	09	09/144	मो. तौहीद पिता स्व. अली मो.	विक्रय पत्र अनुसार	हिमांशु कुमार गुप्ता पिता रमेशचद गुप्ता वार्ड क्र. 07 बैकुण्ठपुर ,
10	10	10/95	कृष्णप्रताप शर्मा पिता रामसजीवन उपाध्याय	आपसी हिस्सा बांट	रामायण प्रताप शर्मा, कृष्णप्रताप शर्मा दोनों के पिता रामसजीवन उपाध्याय वार्ड क्र.15 बैकुण्ठपुर
11	10	10/31	रामपाल गुप्ता पिता पन्नालाल गुप्ता	आपसी हिस्सा बांट	नरेशचन्द्र गुप्ता पिता रामपाल गुप्ता वार्ड क्र. 10 बैकुण्ठपुर
12	10	10/87	कृष्णचन्द्र गुप्ता पिता रामविशाल गुप्ता	आपसी हिस्सा बांट	मुकेश कुमार गुप्ता पिता कृष्णचन्द्र गुप्ता वार्ड क्र. 10 बैकुण्ठपुर
13	11	11/73	पार्वती गुप्ता पति बृजनन्दन गुप्ता	आपसी हिस्सा बांट	अमृतलाल गुप्ता, प्रेमलाल गुप्ता पिता बृजनन्दन गुप्ता वार्ड क्र. 11 बैकुण्ठपुर
14	13	13/27	अ. अजीज पिता जुम्मन मंसूरी	आपसी हिस्सा बांट	मो. मुस्ताकीम पिता अ. अजीज वार्ड क्र. 13 बैकुण्ठपुर
15	15	15/325	रामाश्रय सोनी पिता बैजनाथ सोनी	विक्रय पत्र अनुसार	राजेश सोनी पिता रामाश्रय सोनी वार्ड क्र. 15 बैकुण्ठपुर
16	15	15/156	ओमदत्त गुप्ता पिता देवदत्त गुप्ता	आपसी हिस्सा बांट	रामनारायण गुप्ता पिता देवदत्त गुप्ता वार्ड क्र. 15 बैकुण्ठपुर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बैकुण्ठपुर
जिला-रीवा म.प्र.

नाम सुधार सूचना

मैं लक्ष्मीनारायण सिंह पिता श्री रामाश्रय सिंह उम्र 58 साल निवासी ग्राम पुर्वा कल्याणपुर थाना पनवार तहसील जवा जिला रीवा म.प्र. का हूं। शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि आधार नं. 324713901632 है मैं उक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरे निवास प्रमाण पत्र डिजिटल एवं कक्षा 12 वीं के अंकसूची में व कक्षा 10वीं के अंकसूची में मेरा नाम लक्ष्मीनारायण सिंह व परिवार समग्र आई डी में मेरा नाम लक्ष्मीनारायण सिंह लिखा है तथा मेरे सेवापुस्तिका में मेरा नाम लक्ष्मीनारायण सिंह लिखा है जो सही व सत्य है जबकि मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम मात्र लक्ष्मीनारायण लिखा है जो मेरे सर्विस रिकार्ड में सुधार करवाने में कठिनाई आ रही है। अत: मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम लक्ष्मीनारायण की जगह लक्ष्मीनारायण सिंह सुधार किया जाए एवं लिखा पढ़ा व जाना जाए।

RN-82702 लक्ष्मीनारायण सिंह

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म.प्र.)

भवन नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विन्ध्य विहार कालोनी रीवा स्थित भवन क्र. एच.आई.जी. जूनियर - 40 श्री अशोक कुमार जैन पिता श्री श्यामलाल जैन के नाम आवंटित है। आवंटी की मृत्यु दिनांक 08.08.2024 को हो गई है, एवं लीज अनुबंध के नामजदगी में श्रीमती रश्मी जैन पति श्री अशोक कुमार जैन का नाम दर्ज है। श्रीमती रश्मी जैन पति स्व. श्री अशोक कुमार जैन द्वारा इस कार्यालय में दिनांक 10.07.2025 को ऑनलाईन आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर भवन क्रमांक एच. आई.जी. जूनियर - 40 विन्ध्य विहार कालोनी रीवा का नामान्तरण अपने नाम किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। अतः उक्त भवन नामान्तरण में यदि मृतक के परिवार के किसी अन्य सदस्य को कोई आपत्ति हो अथवा इसमें किसी प्रकार का स्वामित्व रखता हो तो या मूल आवंटी द्वारा उक्त भवन किसी अन्य व्यक्ति/ संस्था को रहन, दान, विक्रय आदि किया गया हो तो विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर ठोस प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समय व्यतीत हो जाने के बाद कोई आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नही किया जावेगा एवं भवन का नामान्तरण श्रीमती रश्मी जैन पति स्व. श्री अशोक कुमार जैन के नाम पर कर दिया जावेगा।

(दीपेश रत्नाकर)
सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एंव अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म0प्र0)

RN- 82701

कार्यालय पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा

क्रमांक/पु.अ./पु.प्र.शा./रीवा/यूनिट अस्पताल / D-1532 /2025 दिनांक 11/07/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

पीटीएस रीवा में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु आवश्यक दवाईयों के क्रय किये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र0	स्थान	विवरण	अमानत राशि (ईएमडी राशि)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	5	6
01	P.T.S. रीवा	दवाईयों का क्रय	10000/-रूपये	1000/-रूपये

1. निविदाकार निविदा से संबधित निविदा ऑनलाईन MP Tender portel(https://mptenders.gov.in) पोर्टल पर दिनांक 16.07.2025 से 05.08.2025 के 17.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय/भर सकते हैं।
2. निविदा की टेक्निकल बिड दिनांक 06.08.2025 को 12.00 बजे एवं वित्तीय बिड 08.08.2025 के 12.00 बजे प्रशासनिक भवन पीटीएस रीवा में समिति के सदस्यों एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जायेगी
3. निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत की जाने वाली निविदा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।
4. निविदा से संबधित जानकारी के लिये प्रआर0 05 विजय कुमार द्विवेदी के मोबाइल नंबर 7987269834 पर संपर्क किया जा सकता है।

जी- 15623/25

पुलिस अधीक्षक
पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा

कार्यालय पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा

क्रमांक/पु.अ./पु.प्र.शा./रीवा/क्वा.मा./ D-1543 /2025 दिनांक 11/07/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा में प्रशासनिक भवन (वर्ष 2016 में निर्मित) की पुताई कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र0	स्थान	विवरण	अमानत राशि (ईएमडी राशि)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	5	6
01	P.T.S. रीवा	प्रशासनिक भवन की पुताई का कार्य	15000/-रूपये	1000/-रूपये

1. निविदाकार संबधित निविदा ऑनलाईन MP Tender portel(https://mptenders.gov.in) पोर्टल पर दिनांक 21.07.2025 से 10.08.2025 के 17.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय/भर सकते हैं।
2. निविदा की टेक्निकल बिड दिनांक 11.08.2025 को 12.00 बजे एवं वित्तीय बिड 13.08.2025 के 12.00 बजे प्रशासनिक भवन पीटीएस रीवा में समिति के सदस्यों एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जायेगी
3. निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत की जाने वाली निविदा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।
4. निविदा से संबधित जानकारी के लिये निरी0 श्री रामखेलावन वर्मा के मोबाइल नंबर 8349684582 पर संपर्क किया जा सकता है।

जी- 15628/25

पुलिस अधीक्षक
पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
मध्यप्रदेश

लिंक रोड 03, पत्रकार कॉलोनी के सामने, भोपाल म.प्र.
Email:- tendersnhmmp@gmail.com

क्रमांक/एन.एच.एम./स्टोर/2025/ 2665 भोपाल, दिनांक 10/07/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र भोपाल कार्यालय द्वारा ई-निविदा के माध्यम से दरें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकर्ता राशि रूपये 2,000/-(रू. दो हजार मात्र) का ऑनलाईन एम.पी. ई-टेण्डर पर भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते है, विवरण निम्नानुसार है:-

निविदा विवरण

क	निविदा का नाम	निविदा प्रपत्र क्रय/प्राप्त करने की दिनांक	प्रि-बिड दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा करने की प्रारंभ दिनांक	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	निविदा खोले जाने की दिनांक
1	Request for Proposal for Selection of Service Provider to work as Patient Provider Support Agency (PPSA) to provide Tuberculosis related services under National Tuberculosis Elimination Program (NTEP) for Gwalior, Indore, Ujjain and Rewa Divisions of Madhya Pradesh	14.07.2025	21.07.2025	31.07.2025	11.08.2025	12.08.2025

विस्तृत विवरण/जानकारी वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in एवं https://www.nhmmp.gov.in पर उपलब्ध है।

(मिशन संचालक, एनएचएम द्वारा अनुमोदित)

जी- 15574/25

उपसंचालक स्टोर
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
मध्यप्रदेश

M.P. POWER GENERATING COMPANY LIMITED

Office of Addl.Chief Engineer (THC), Sirmour, Distt.- Rewa (M.P.)
E-mail : eehqthc@gmail.com

NOTICE INVITING TENDER (THROUGH E-TENDERING PROCESS ONLY)

M.P. Power Generating Co.Ltd. Invites e-tenders from reputed contractor/firm on percentage rate basis for the works as detailed below.

Tender No.	Name of work	Estimated cost/Tender Cost (in Rs.)	EMD in Rs.	Date & Time for Closing of Online Submission	Date & Time e-opening of Tender
2025_MPPGC_428756_1	Operation of control room of Tons Barrage Bakiya i/c watching and recording of water level of reservoirs and convey it to all official, cleaning and sweeping of gallery i/c removal of gypsum deposit and petrolling of Link Canal between ch. 0.00 to 12.00 KM (Period of work - 24 Months)	23.93 Lakh/ 1,000/-	47900/-	07.08.2025 Up to 15.30 Hrs.	08.08.2025 Up to 15.30 Hrs.

For detailed NIT, eligibility criteria, Other terms & conditions of tender document & for any extension of due date/corrigendum/addendum etc shall be

M.P. Madhyam/121086/2025 // Save electricity // ADDL. CHIEF ENGINEER. (THC)

INDIAN ARMY
www.joinindianarmy.nic.in
66TH SHORT SERVICE COMMISION (TECHNICAL) WOMEN (APRIL 2026)

HIGHLIGHTS

(Information given below is for general awareness only& legally invalid)
(Course Notification published on - www.joinindianarmy.nic.in - is the only official advertisement applicable for that course)

Category	Description	Notification Paragraph No
Type of Entry	Short Service Entry (Technical) (SSCW(T)-66)Women	Para 1
Age	20 and 27 Years as on 01 Apr 2026	Para 2
Open for	Unmarried Female	Para 1
Education Qualification	Engineering Degree in notified stream	Para 3
Acceptable Streams	As listed	Para 3
How to apply	Apply online on www.joinindianarmy.nic.in	Para 11
Application window	16 July 2025 to 14 August 2025	Para 15
Medical Standards/ Examination	as given on www.joinindianarmy.nic.in	Para 5
Selection Process	Application > Shortlisting > SSB > Medical > Merit List > Joining Letter	Para 4
Date for publication of cut-off % of marks for Shortlisting	First week of Sep 2025	-
Likely Duration and dates for SSB	Five day SSB between Oct - Dec 2025 (choice for SSB dates open for two weeks in Sep 2025)	-
Pre Commission Training Academy	Officers Training Academy, Gaya, Bihar	Para 7
Duration of Training	49 weeks from April 2026 to Mar 2027	Para 7(b)
Stipend during Training	Rs 56,100 per month	Para 9
Rank after Training	Lieutenant	Para 9(b)
Salary on Commissioning	CTC approx 17-18 Lac per annum (Excluding Free Medical cover & Travel to Home town once a year)	-
Type of Commission	Short Service Commission	Para 6(a)
Minimum Engagement Period	10 Years	Para 7(g)
Maximum Engagement Period	14 Years	Para 7(g)
Option for Release	First - After 5 Years, Second - After 10 Years and Third - After 14 Years	Para 7(g)
Option for Permanent Commission	After 10 Years	Para 7(g)
Primary Arms / Service for Commission	Corps of Engineers, Corps of Signals and Electronics and Mechanical Engineers. Candidates may get commissioned in other Arms/service as well	-
Release Benefits	Depending on service on release	-

cbc 10601/11/0022/2526

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवें।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के सुदृढ़ीकरण से विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को मिलेगी गति: उप मुख्यमंत्री

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा कर दिए निर्देश

जागरण, रीवा

इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा कर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज विंध्य क्षेत्र का एक प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थान है, जिसकी सुदृढ़ता न केवल क्षेत्रीय तकनीकी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगी। उन्होंने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के तकनीकी सशक्तिकरण से आने वाले समय में विंध्य अंचल उच्च शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह संस्थान स्थानीय युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने के साथ-साथ प्रदेश की तकनीकी क्षमताओं को भी विस्तार देगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा श्री विवेक पोरवाल एवं रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आरपी तिवारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षण गुणवत्ता के लिए योग्य शिक्षकों की भर्ती अहम है। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान पाठ्यक्रम के विधिवत संचालन के लिए स्वीकृत पदों की पूर्ति के साथ नवीन पाठ्यक्रम के लिए विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार उत्कृष्ट शिक्षण संकाय होता है। सभी विभागों में योग्य, अनुभवी एवं नवाचारोन्मुख फैकल्टी की शीघ्र भर्ती की जाए ताकि छात्रों को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा मिल सके। इसके लिए रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को विभाग आवश्यक सहयोग प्रदान करे। समय की मांग अनुसार नवीन कोर्स का संचालन करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित योजनाओं को शीघ्र अनुमोदन की प्रक्रिया में लाया जाए।

प्राचार्य ने प्रस्तुत की योजना

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कॉलेज की 5 वर्षीय एवं 20 वर्षीय सुदृढ़ीकरण योजना प्रस्तुत की। उन्होंने 88.30 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, अधोसंरचना विकास और अन्य सुविधाओं के विस्तार का रोडमैप प्रस्तुत किया। प्रस्तावित योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसए रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिकल व्हीकल टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन एवं फायर टेक एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग जैसे समसामयिक विषयों में 5 नवीन यूजी प्रोग्राम तथा साइबर सिक्योरिटीए कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, डिजिटल कम्युनिकेशन, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन डिजाइन, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, एडवांस प्रोडक्शन सिस्टम सहित 9 पीजी प्रोग्राम प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव शामिल हैं। साथ ही 17.53 करोड़ रुपये की लागत से सेंट्रल लाइब्रेरीए 12.33 करोड़ रुपए लागत से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और 1.45 करोड़ रुपए लागत से इन्क्यूबेशन सेंटर के निर्माण कार्य विकास योजना में शामिल है।

सीएलसी का अतिरिक्त चरण 16 से, 24 घंटे के अंदर लेना होगा प्रवेश

31 जुलाई तक छात्र सीधा महाविद्यालय में ले सकते हैं प्रवेश

जागरण, रीवा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार यूजी-पीजी में प्रवेश का सीएलसी चरण पूरा हो गया है। अब उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सीएलसी का अतिरिक्त चरण प्रवेश के लिए आयोजित किया जाएगा। जिसके तहत अब सीधे महाविद्यालय में पहुंचकर छात्र प्रवेश ले सकेंगे। जारी आदेश अनुसार अतिरिक्त सीएलसी चरण 16 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जायेगा, जिसमें 16 जुलाई 2025 से प्रतिदिन प्रवेश पोर्टल पर महाविद्यालय वार रिक्त सीटों का प्रदर्शन महाविद्यालय करेंगे। रिक्त सीटों पर विद्यार्थी सीधे महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। 16 जुलाई 2025 से प्रतिदिन विद्यार्थी शाम तीन बजे तक पंजीयन विकल्प चयन कर सकेगा तत्पश्चात हेल्प सेंटर द्वारा चार बजे तक प्राप्त आवेदनों का सत्यापन किया जायेगा। शाम पांच बजे मेरिट जारी की जाएगी। मेरिट जारी होने के 24 घंटे में प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। प्रवेश शुल्क जमा न किये जाने की स्थिति में प्रवेश मान्य नहीं होगा। निर्धारित अवधि में प्रवेश शुल्क जमा न करने पर पुनः रीच्वॉइस करना होगी। यह प्रक्रिया 31 जुलाई 2025 तक की जाएगी।

गोड़हर में चल रहा है शतचण्डी महायज्ञ, 17 को भंडारा

चतुर्थ दिवस कृष्मांडा माता की पूजा

रीवा। गोड़हर में सुमित द्विवेदी, संचालक सुमित कॉस्ट्रक्शन कंपनी के निज निवास गोड़हर में शतचण्डी महायज्ञ का आयोजन शुरू है। शनिवार को यज्ञ मंडप से कलश यात्रा निकाली गई जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन व कलश स्थापना हुई। चतुर्थ दिवस कृष्मांडा माता की पूजा पाठ की गयी। संत स्वामी गोकर्ण प्रसाद शास्त्री महाराज एवं साथ में सात सदस्यीय आचार्य हनुमान शरण महाराज हैदराबाद, राधा कृष्ण द्विवेदी, महाराज, राधा स्वामी महाराज, संतोष गौतम महाराज एवं विजय द्विवेदी महाराज की उपस्थिति में 17 जुलाई तक रोज जाप व पूजा पाठ किया जा रहा है। स्वामी जी ने बताया कि हिंदू धर्म में पूजा-पाठ, उपवास और धार्मिक अनुष्ठान का विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि धार्मिक अनुष्ठान करते समय देवी-देवताओं की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में चल रही कई तरह की बाधाएं खत्म हो जाती हैं। हिंदू धर्म में अलग-अलग प्रयोजनों के लिए विशेष पूजा-पाठ की जाती है। मां दुर्गा को शक्ति की देवी कहा जाता है। मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए जिस यज्ञ का आयोजन किया जाता है उसे शतचंडी यज्ञ कहा जाता है। आयोजकों ने बताया कि 17 जुलाई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। माता रानी के दरबार में बृजेश पाण्डेय, संतोष द्विवेदी, सावित्री द्विवेदी, सुशील द्विवेदी, रूबी द्विवेदी, प्रदीप द्विवेदी, पुष्पा द्विवेदी, सुमित द्विवेदी, सुजीत द्विवेदी, पंकज तिवारी, मनोकामना तिवारी, अंशिका, वंशिका, एकता, अनिका अधिक एवं समस्त द्विवेदी परिवार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

ताइक्कांडो प्रतियोगिता: रीवा के खिलाड़ियों ने जीते 21 पदक

रीवा। विंध्य ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव राजू वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता विजय नगर इंदौर में आयोजित की गई। जिसमें कोच के रूप में पवन किशोर एवं सुनील कोरी की कड़ी मेहनत और लगन से खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं । मुख्य रूप से 14 वर्ष बालक/बालिका स्वर्ण पदक निखिल तिवारी,आरव सिंह परिहार, शांभवी शुक्ला, नव्या नट, समेंद्र सिंह चंदेल, रिया पटेल, मन्नत पटेल। कांस्य पदक रिद्धिमा साकेत को। 17 वर्ष बालक/बालिका (स्वर्ण पदक) महक कुशवाहा अश्विन नामदेव रजत पदक में, अफीन हुस्ना , नृपेंद्र सिंह, ओमप्रकाश मिश्रा, ओम सिंह सेंगर कांस्य पदक, अनन्या नामदेव 19 वर्ष सिमरन पटेल स्वर्ण पदक, आंचल साहू रजत पदक, प्रियंका पटेल स्वर्ण पदक। बालक वर्ग में कृष्णा शास्त्री स्वर्ण पदक और सागर पाल ने रजत पदक अपने नाम किया। इस अवसर पर विंध्य ताइक्कांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की मेहनत से मिली है और मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। विंध्य ताइक्कांडो एसोसिएशन के सहसचिव राजमणि तिवारी ने खिलाड़ियों को बधाई देत हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही जिले के ताइक्कांडो खिलाड़ियों सहित जिल भर के खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि शुभकामनाएं दीं हैं।

7 नवंबर को रीवा में होगा अभा. साहित्य परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन

रीवा। 17वां राष्ट्रीय अधिवेशन 7,8 एवं 9 नवंबर को रीवा के कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित होने जा रहा है। राष्ट्रीय अधिवेशन के संयोजक चंद्रकान्त तिवारी (प्रांत महामंत्री महाकौशल) ने बताया कि इस अधिवेशन में 1000 प्रतिनिधियों का तीन दिवसीय सम्मेलन होना है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बलवंत भाई जॉनी संरक्षक, डॉ. सुशील त्रिवेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रीधर पराड़कर राष्ट्रीय संगठन मंत्री, मनोज जी राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, डॉ पवन पुत्र बादल राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, डॉ साधना बलवटे राष्ट्रीय मंत्री एवं डॉ दिनेश प्रताप सिंह राष्ट्रीय मंत्री उपस्थित रहे। तीन स्तरों की हुई बैठकों एवं समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का परिचय कराने के साथ बैठकों का संचालन शिवानंद तिवारी जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने किया।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के 17वें राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए विभिन्न समितियां बनाई गईं। इन समितियां के अलावा एक प्रबंध समिति का निर्माण भी किया गया जिसमें डॉ.राहुल मिश्र प्रांत उपाध्यक्ष महाकौशल (अधीक्षक एसजीएमएच रीवा) केके गर्ग, इंजी समीर शुक्ला, प्रो.आर.एन. तिवारी, डॉ. डीके जैन और सुशील अग्निहोत्री को दायित्व दिया गया। इसके अलावा मार्गदर्शन समिति में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.चंद्रिका प्रसाद चंद्र, डॉ. सत्यजीत पाण्डेय (प्रांत उपाध्यक्ष), डॉ.प्रभाकर चतुर्वेदी एवं डॉ विवेक द्विवेदी का नाम तय किया गया। बैठक में सभी समितियां के प्रमुख एवं उप प्रमुख उपस्थित हुए जिनमें प्रमुख रूप से प्रो.राकेश सोनी (प्रांत अध्यक्ष महाकौशल), जयराम शुक्ल वरिष्ठ पत्रकार, डॉ रामानुज पाठक(जिलाध्यक्ष सतना), प्रो. रामभूषण मिश्र, डॉ. अनुराग मिश्र (जिला मंत्री) योगेश त्रिपाठी नाटककार, डॉ. राजकुमार शर्मा (संभागीय अध्यक्ष) अन्य सदस्य मौजूद रहे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ 7, 8एवं 9 नवंबर को आयोजित होने वाले अखिल भारतीय साहित्य परिषद की राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए बनाई गई केंद्रीय समिति व विभिन्न समितियों के साथ बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

खराब कम्प्युटर और बिजली की आंख मिचौरी से डीएलएड मूल्यांकन में व्यवधान

स्कूलों में एक ओर शिक्षकीय कार्य दूसरी ओर मूल्यांकन कार्य भी प्रभावित

जागरण, रीवा। खराब कंप्यूटर एवं बिजली आपूर्ति में बाधा से डी एल एड मूल्यांकन में बाधा उत्पन्न हो रही है। मूल्यांकनकर्ता शिक्षक विद्यालय छोड़कर मूल्यांकन करने आते है लेकिन उन्हें बंद और खराब पड़े कम्प्यूटर दिए जाते हैं। बताया जा रहा है कि 40 में आधे कम्प्यूटर खराब हैं। किसी तरह खाली होने पर शिक्षकों को कम्प्यूटर मिलता भी है तो बिजली की आंख मिचौली से शिक्षक परेशान हो जाते हैं। सोमवार को शिक्षक साढ़े दस बजे मूल्यांकन केंद्र मार्तंड 2 पहुंच गए लेकिन बिजली की आंख मिचौली से पूरे दिन मूल्यांकन प्रभावित रहा। शिक्षक कम्प्यूटर ऑन कर मूल्यांकन शुरू कर कॉपी सबमिट करने की कोशिश करते तभी फिर बिजली गुल हो जाती। आधे कम्प्यूटर वैसे भी बंद पड़े हैं, बार बार बिजली गुल होने से सही कम्प्यूटर भी रिस्टार्ट करने पर काफी समय बाद चालू हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि डी एल एड मूल्यांकन की डिजिटल व्यवस्था शिक्षक एवं विद्यार्थियों दोनों के लिए मुसीबत बन गई है। एक ओर जहां बार बार बिजली गुल होने से कम्प्यूटर बंद हों जाने से शिक्षक परेशान दिखे तो वहीं भीषण गर्मी से लोग त्रस्त थे।

सपाक्स (स्पीक) अधिकारी कर्मचारी संगठन ने सौंपा ज्ञापन

रीवा। सपाक्स (स्पीक) कर्मचारी संगठन रीवा द्वारा कलेक्टर रीवा के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मप्र शासन के नाम ज्ञापन पदोन्नति में आरक्षण को लेकर जबलपुर उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में ही पदोन्नति किए जाने हेतु ज्ञापन देकर विरोध व्यक्त किया गया। ज्ञापन सौंपने में सपाक्स (स्पीक) अधिकारी कर्मचारी संगठन रीवा के अध्यक्ष इं देवेंद्र सिंह, आशीष द्विवेदी, इं. ओंकार मिश्रा, इं. संजय पांडे, इं. पी के सिंह, इं. रविन्द्र श्रीवास्तव, श्याम नारायण शर्मा, अकबर खां, इं. संजय सिंह, डॉ तोषण सिंह, एड.संजय सिंह, संतोष मिश्रा, इं. ज्ञानेन्द्र दिवेदी, सी एल मिश्रा, लालता यादव, राजेन्द्र सिंह परिहार सहित काफी संख्या में अधिकारी कर्मचारी संगठन के सदस्य शामिल रहे।

परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 जुलाई तक

रीवा। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा, नर्सिंग एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल में चयन के लिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आगामी 30 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ने बताया कि आवेदन पत्र स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक से कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति अथवा जनजातीय का सदस्य होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तय की गयी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखता हो। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने पर प्रशिणार्थी को 500 रुपये सुरक्षानिधि जमा करके अनुबंध के अनुसार प्रशिक्षण में प्रवेश दिया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र शा. ज्ञानोदय विद्यालय अनुसूचित जाति कल्याण विभाग परिसर से प्राप्त की जा सकती है।

Kalyan Singh Super Speciality Cancer Institute
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-(226002)
Website: https://cancerinstitute.edu.in, Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through GeM Bidding/Bidding from Manufacturer/Direct Importers/Authorized distributors/Dealers/Accredited Agents for the supply and installation of **Batteries for Electric Engineering Section of the Institute.**
The vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bid system i.e. Technical and Financial Bid as per terms and conditions of bid document.
For detailed information like Name of item, Date of Submission and opening of bid etc. you may please visit the Gem portal. The offer will be accepted On-line only on GeM portal with terms and conditions as mentioned against each bid.
The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof. In case any legal dispute; the legal jurisdiction shall be court of law at Lucknow (UP), India.
Advt No:- KSSSCI/Tender-08/2025-26 Director

प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याख्याताओं के आवेदन 25 तक

प्रतिकालखंड मिलेगा 800 रुपए का मानदेय

जागरण, रीवा। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र रीवा में प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याखाताओं से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र में अनुसूचित जाति तथा जनजाति के अभ्यर्थियों को राज्य सिविल सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी तथा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए योग्य एवं अनुभवी व्याख्याताओं से आगामी 25 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित अर्हता रखने वाले इच्छुक आवेदक अपने आवेदन पत्र शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति के साथ कार्यालयीन समय में कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र केन्द्र के ईमेल पीईटीसीआईडब्ल्यू एट द रेट जीमेल डॉट कॉम अथवा रजिस्टर्ड डाक से भी भेजा जा सकता है। प्राचार्य ने बताया कि आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में अध्यापन किए जाने विषय एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षा का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। आवेदक संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की हो अथवा किसी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहाँ से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय का सदस्य रहा हो। अतिथि व्याख्याताओं के चयन के लिए गठित समिति द्वारा व्याख्याताओं का पैनल तैयार किया जाएगा। अतिथि व्याख्याताओं को समय-समय पर आयोजित होने प्रशिक्षण में उन्हें व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाएगा तथा शासन द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में प्रतिकालखण्ड के लिए 800 रुपए मानदेय निर्धारित है। एक कालखण्ड कम से कम 90 मिनट का होगा। प्राप्त आवेदन पत्रों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन राज्य शासन के निर्देशानुसार केन्द्र में गठित समिति द्वारा किया जाएगा जिसका निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

नाग पंचमी व चौरसिया दिवस 29 जुलाई को

रीवा। रीवा मार्केट में चौरसिया समाज की आयोजित बैठक में नाग पंचमी एवं चौरसिया दिवस 29 जुलाई को मनाये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता छोटेलाल बनारसी, रामाश्रय चौरसिया ,नीलम चौरसिया ने की। इस अवसर पर भागवत चौरसिया, इंजीनियर अजय भैया, श्याम सुंदर, रामदास, आशू, समय लाल चौरसिया, लाल जी चौरसिया एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु चौरसिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग ▪ जबलपुर मंडल ▪ ई-बोली
No. JBP/C/NFR/E-Tender/25, Date: 11.07.2025
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई-बोली आमंत्रित करता है।
Category: NFR
Tender Notice No.: MSS-JBP-JBP-THDPK-67-25-1. **Assets Details:** जबलपुर स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 12.30. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-PPI-THDPK-69-25-1. **Assets Details:** पिपरिया स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 12.40. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-MML-THDPK-73-25-1. **Assets Details:** मदनमहल स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 12.50. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-KMZ-THDPK-71-25-1. **Assets Details:** कटनी मुरवाडा स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 13.00. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-SGO-THDPK-66-25-1. **Assets Details:** सागर स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 13.10. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-KTE-THDPK-70-25-1. **Assets Details:** कटनी स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 13.20. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-STA-THDPK-72-25-1. **Assets Details:** सतना स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 13.30. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-MYR-THDPK-68-25-1. **Assets Details:** मैहर स्टेशन पर यात्रा हेल्पडेस्क/यात्री सूचना और प्रचार कियोस्क। **Tender End:** 16.07.25, 13.40. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-SGO-MedStn-21-25-1. **Assets Details:** सागर स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधा सेवाओं का प्रावधान हेतु यात्री हेल्पडेस्क। **Tender End:** 15.07.25, 12.30. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-JBP-MedStn-65-25-1. **Assets Details:** जबलपुर स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का प्रावधान हेतु यात्री हेल्पडेस्क। **Tender End:** 15.07.25, 12.40. **Tender Notice No.:** PnU-JBP-MYR-WRL-22-25-1. **Assets Details:** नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ROMT) मॉडल के अंतर्गत मैहर के वर्तमान वातानूकुलित प्रतीक्षालय के विकास के लिए निविदा। **Tender End:** 23.07.25, 12.30. **Tender Notice No.:** PnU-JBP-KTE-WRL-29-25-1. **Assets Details:** नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ROMT) मॉडल के अंतर्गत कटनी के वर्तमान वातानूकुलित प्रतीक्षालय के विकास के लिए निविदा। **Tender End:** 23.07.25, 12.40. **Tender Notice No.:** PnU-JBP-SRID-WRL-30-25-1. **Assets Details:** नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ROMT) मॉडल के अंतर्गत श्रीधाम के वर्तमान वातानूकुलित प्रतीक्षालय के विकास के लिए निविदा। **Tender End:** 23.07.25, 12.50. **Tender Notice No.:** PnU-JBP-KTES-WRL-28-25-1. **Assets Details:** नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ROMT) मॉडल के अंतर्गत कटनी साउथ के वर्तमान वातानूकुलित प्रतीक्षालय के विकास के लिए निविदा। **Tender End:** 23.07.25, 13.00. **Tender Notice No.:** PnU-JBP-SGO-WRL-21-25-1. **Assets Details:** नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ROMT) मॉडल के अंतर्गत सागर के वर्तमान वातानूकुलित प्रतीक्षालय के विकास के लिए निविदा। **Tender End:** 23.07.25, 13.10. **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-DMO-OH-130-24-1. **Assets Details:** जबलपुर मंडल के दोमोह, पथरिया, खुरई, मकरोनिया और बीना मालखेड़ी स्टेशनों के परिचालित क्षेत्र में होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन। **Tender End:** 23.07.25, 13.30. **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-STA-OH-128-24-1. **Assets Details:** जबलपुर मंडल के सतना, मैहर, जैतवार, उंचेरा और रीवा स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन। **Tender End:** 23.07.25, 13.40. **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-BRGW-OH-127-24-1. **Assets Details:** जबलपुर मंडल के ब्योहारी, सरायग्राम, मरवासग्राम और बरगवा स्टेशनों के परिसंचार क्षेत्र में होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन। **Tender End:** 23.07.25, 13.50. **Tender Notice No.:** MSS-JBP-JBP-STGen-74-25-2. **Assets Details:** जबलपुर स्टेशन, प्लेटफार्म संख्या 6 के बाहर खाली पडे 89.375 वर्ग मीटर क्षेत्र में छोटे समारोहों के लिए एक संयुक्त लॉन और कंटेनर रेस्तरां की स्थापना। **Tender End:** 23.07.25, 12.30.
संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर E-Tender Leasing मॉडयूल देखें। लॉट-वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। ई-बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।
सहायक वाणिज्य प्रबंधक, पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

भारतीय थल सेना
JOIN INDIAN ARMY AS AN OFFICER
www.joinindianarmy.nic.in

अधिकारी प्रविष्टियाँ

1. निम्नलिखित कोर्सों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-
(क) 66वाँ अल्पसेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स (पुरूष) अप्रैल 2026 के लिए।
(ख) 66वाँ अल्पसेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स (महिला) अप्रैल 2026 के लिए।
2. ऑनलाइन आवेदन निम्नलिखित अवधि तक खुले रहेंगे:-
(क) अल्पकालिक सेवा कमीशन(तकनीकी) कोर्स - पुरूष - 16 जुलाई से 14 अगस्त 2025
(ख) अल्पकालिक सेवा कमीशन(तकनीकी) कोर्स - महिला - 16 जुलाई से 14 अगस्त 2025

OFFICER ENTRIES

1. Applications are invited for the following courses:-
(a) 66th Short Service Commission (Tech) Men Course Apr 2026.
(b) 66th Short Service Commission (Tech) Women Course Apr 2026.
2. Online applications will open as under:-
(a) SSC (Tech) Course - Men - 16 Jul to 14 Aug 2025
(b) SSCW (Tech) Course - Women - 16 Jul to 14 Aug 2025

नोट :-
1. सेना में भर्ती पूर्णतया पारदर्शी और मुफ्त है। दलालों से सावधान रहें।
2. विस्तृत नोटिफिकेशन और जानकारी के लिए, कृपया www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
Note :-
1. Recruitment in the Army is totally transparent and free. Beware of touts.
2. For detailed Notification, please visit www.joinindianarmy.nic.in.
CBC 10601/11/0025 /2526

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

सरकारी छंटनी बनी बदले की कार्रवाई

अमेरिका के सरकारी विभाग इस समय अपने दौर की सबसे बड़ी छंटनी से गुजर रहे हैं। एक ही दिन में ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने स्टेट डिपार्टमेंट के 1300 से ज्यादा कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। यहां से अभी तक 3000 से अधिक कर्मियों को बर्खास्त किया जा चुका है। इसी तरह जस्टिस डिपार्टमेंट में लगातार छंटनी चल रही है। बीते दिनों करीब 20 लोगों को निकाला गया। इनमें वकील, सुरक्षा अधिकारी और सपोर्ट स्टाफ के लोग थे।

2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार न करने वाले डॉनल्ड ट्रंप के समर्थकों ने जनवरी 2021 में यूएस कैपिटल हिल पर हमला किया था। इस हिंसा से पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई थी, लेकिन ट्रंप इसे राजनीतिक विरोध कहते रहे। सत्ता में लौटते ही उन्होंने उस हिंसा में शामिल 1500 से ज्यादा लोगों को माफी दे दी। इसके उलट, उन अधिकारियों को सजा दी जा रही है जिन्होंने इस मामले की जांच या पैरवी की थी। ट्रंप के निशाने पर वे सभी हैं, जिन्होंने उनके खिलाफ किसी भी फेडरल मुकदमे में कोई भूमिका निभाई थी।

डॉनल्ड ट्रंप असहमति की गुंजाइश को खत्म कर रहे हैं, चाहे वह राजनीतिक हो या संस्थागत। यही वजह है कि डेमोक्रेटिक शासित राज्यों से उनका टकराव भी गहराता जा रहा है।

हाल ही में जस्टिस डिपार्टमेंट ने मिनेसोटा की भर्ती प्रक्रिया पर जांच बैठाई है। इस राज्य पर ट्रंप प्रशासन की यह तीसरी कार्रवाई है।

यह महज संयोग नहीं है कि मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज पिछले साल डेमोक्रेट्स की तरफ से उप-राष्ट्रपति पद के टिकट के दावेदार थे और ट्रंप के आलोचक रहे हैं।

> ट्रंप प्रशासन सिस्टम में सुधार करना चाहता है, लेकिन स्टेट और जस्टिस डिपार्टमेंट में जिस तरह लोगों को टारगेट किया जा रहा है, वह सीधे-सीधे इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बना देता है।

हार्वर्ड जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी पर लगाई गई बंदिशें हों या खुद का खड़ा किया 'डोज' ट्रंप हर जगह पूर्ण नियंत्रण चाह रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए सही नहीं।

इससे खुद अमेरिका की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। मानवाधिकार, शरणार्थी नीति और विदेश मामलों से जुड़े विभागों में लगातार कटौती हो रही है। इससे अमेरिका की विदेश नीति को लेकर असमंजस की स्थिति है।

ट्रंप की कार्रवाई सिस्टम में सुधार लाने वाले नहीं, उसमें डर भरने वाली है। वह सत्ता का केंद्रीकरण कर रहे हैं। उनके कदम इस भरोसे को तोड़ रहे हैं कि प्रशासन निष्पक्षता के साथ और बिना डरे अपना काम कर सकता है।

यह कदम ट्रम्प प्रशासन की नाटकीय पुनर्गठन योजना के अनुरूप उठाया गया है। आलोचकों का कहना है कि इससे अमेरिका के वैश्विक नेतृत्व और विदेशों में खतरों का मुकाबला करने के प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा। हालांकि डोनाल्ड ट्रम्प, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उनके रिपब्लिकन सहयोगियों ने विभाग को अधिक चुस्त, अधिक चुस्त और अधिक कुशल बनाने के लिए इस कदम की सराहना की है।

भारत के बिना अधूरी है सार्क का पुनर्जनन करने की चर्चा

अंतरराष्ट्रीय संगठन

डॉ पवन चौरसिया

ऑपरेशन सिंदूर के बाद इतना तो साफ़ हो चुका है कि भारत के खिलाफ़ खड़े रहने में पाकिस्तान के साथ चीन हर मोर्चे पर एक दूसरे का सहयोग करने के लिए तत्पर है। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट से पता चला है कि पाकिस्तान और चीन अब एक ऐसे प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य एक नया क्षेत्रीय संगठन बनाना है। गौरतलब है कि ये नया संगठन 1985 में स्थापित दक्षिण एशियाई देशों के संगठन 'सार्क' को समाप्त करके खुद उसकी जगह ले सकता है। हाल ही में चीन के कुनमिंग नगर में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी। ऐसा माना जा रहा है कि ये बैठक इसी संगठन को एक ढांचागत व्यवस्था प्रदान करने के लिए रखी गई थी। ऐसे में सवाल उठता है क्या सार्क के विकल्प में चीन और पाकिस्तान द्वारा कोई नया क्षेत्रीय संगठन खड़ा किया जा सकता है ? यदि ऐसा होता है तो कौन से देश इस नई संगठन से जुड़ सकते हैं या जुड़ेंगे? उसमे भारत की क्या भूमिका या चुनौतियां होंगी? द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से क्षेत्रीय संगठनों की सफलता का रिकॉर्ड मिश्रित रहा है। जहां एक ओर यूरोपीय संघ (ईयू) को क्षेत्रीय संगठनों के लिए एक मानक के रूप में देखा जाता है, वहीं दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी सार्क अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद भी प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर सका है। सार्क की स्थापना दक्षिण एशियाई देशों के बीच सद्भावना के आधार पर की गई थी, ताकि विश्व के सबसे घनी आबादी वाले, लेकिन सबसे कम एकीकृत क्षेत्रों में से एक में शांति, आर्थिक विकास और समृद्धि सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, सार्क का यह उत्साह कभी कार्यरूप में परिणत नहीं हो सका, मुख्यतः क्योंकि इस संगठन का एक सदस्य देश पाकिस्तान कभी भी ऐसा होने नहीं देना चाहता है।

अतीत में भारत ने सार्क को एक ऐसे संगठन के रूप में विकसित करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं जो व्यापार, विकास और सभी सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे सके, लेकिन भारत का यह प्रयास ज्यादा दूर तक नहीं जा सका। 2014 में मोदी सरकार ने सार्क उपग्रह का प्रस्ताव रखा, जिसे 2017 में दक्षिण एशिया उपग्रह के रूप में लॉन्च किया गया, जो सार्क देशों (पाकिस्तान को छोड़कर, जिसने इसमें हिस्सा नहीं लिया) को संचार और मौसम संबंधी सेवाएं प्रदान करता है। 2021 में भारत ने बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव जैसे सार्क देशों को अनुदान और वाणिज्यिक सौदों के माध्यम से कोविड-19 टीके प्रदान किए। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि भारत सार्क को एक मजबूत क्षेत्रीय संगठन बनाने की कोशिश करता रहा है, जो सदस्य देशों के लिए लाभकारी हो।

> भारत के खिलाफ़ खड़े रहने में पाकिस्तान के साथ चीन हर मोर्चे पर एक दूसरे का सहयोग करने के लिए तत्पर है। क्या सार्क के विकल्प में चीन और पाकिस्तान द्वारा कोई नया क्षेत्रीय संगठन खड़ा किया जा सकता है ? यदि ऐसा होता है तो कौन से देश इस नई संगठन से जुड़ सकते हैं या जुड़ेंगे? उसमे भारत की क्या भूमिका या चुनौतियां होंगी?

पाकिस्तान और चीन की चाल : लंबे समय से, सार्क के विकल्प के रूप में एक संगठन विकसित करने की कोशिशें की जा रही हैं। हाल ही में चीन और पाकिस्तान ने सार्क के विकल्प की चर्चा को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। ऐसे में यदि कोई नया क्षेत्रीय संगठन अस्तित्व में आ भी जाता है तो इस नए संगठन के योजनाकारों को ही यह तय करना होगा कि वे किन देशों को इसमें शामिल करना चाहते हैं। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि भारत के पड़ोसी देश जैसे श्रीलंका, भूटान और नेपाल, भारत को पूरी तरह से नाराज़ नहीं करना चाहेंगे। वे उस क्षेत्रीय संगठन में शामिल नहीं होना चाहेंगे जिसमें भारत मौजूद नहीं हो या होना नहीं चाहता। भले ही कुछ देशों के भारत के साथ मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन वे दिल्ली द्वारा स्पष्ट रूप से भारत-विरोधी के रूप में देखे जाने से बचना चाहेंगे।

एक बात तो स्पष्ट है कि दक्षिण एशिया के बारे में कोई भी चर्चा, चाहे वह सार्क को पुनर्जनन करने की हो या एक नया संगठन बनाने की, भारत के बिना अधूरी रहेगी। इसके कई ठोस कारण भी हैं। भारत न केवल विश्व की चौथी सबसे बड़ी, बल्कि इस क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। क्षेत्रफल के लिहाज़ से भी यह क्षेत्र का सबसे बड़ा देश है जो एक मजबूत लोकतंत्र होने के साथ-साथ, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी स्थायी सेना और हिंद महासागर में मजबूत उपस्थिति वाली नीली जल नौसेना रखता है। यह भी एक तथ्य है कि सार्क के अधिकांश देश एक-दूसरे के साथ सीमाएं साझा नहीं करते, केवल भारत ही लगभग सभी देशों (पाक-अधिकृत कश्मीर के माध्यम से अफगानिस्तान सहित) के साथ भूमि सीमाएं साझा करता है। इसके अलावा भारत सार्क के संयुक्त जीडीपी का लगभग 80 फीसदी हिस्सा रखता है। भारत सार्क के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में केंद्रीय है, इसमें बांग्लादेश का लगभग 90 फीसदी क्षेत्रीय व्यापार, नेपाल का 80 फीसदी और श्रीलंका व भूटान का महत्वपूर्ण हिस्सा भारत के साथ होता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सार्क के भीतर व्यापार केवल 5 फीसदी है, जो अन्य क्षेत्रीय संगठन, जैसे आसियान के 25 फीसदी की तुलना में बहुत कम है। भारत की आबादी सार्क की कुल 1.9 अरब आबादी में से लगभग 1.4 अरब है, जो करीब 75 फीसदी है। नेपाल और भूटान जैसे भू-आबद्ध देशों के लिए भारत अत्यंत आवश्यक है, जो वैश्विक व्यापार के लिए भारतीय बंदरगाहों (जैसे कोलकाता, विशाखापत्तनम) पर निर्भर हैं। जी-20 और क्वाड जैसे मंचों में भारत का वैश्विक प्रभाव इतना बड़ा है कि सार्क के सदस्य इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।

भारत के बिना दक्षिण एशिया अकल्पनीय : भारत ने अपने व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) रणनीति के माध्यम से पड़ोसी देशों में आपदाओं के लिए प्राथमिक उत्तरदाता के रूप में खुद को स्थापित किया है। 2015 के नेपाल भूकंप के दौरान भारत ने ऑपरेशन मैत्री शुरू किया। इसमें भारतीय वायु सेना और सेना कुछ ही घंटों में राहत, चिकित्सा सहायता और बचाव कार्यों के लिए जुट गई। भारत ने 2014 के जल संकट के दौरान मालदीव को तुरंत पानी की आपूर्ति करके और 2017 की बाढ़ के दौरान श्रीलंका को नौसैनिक जहाजों के माध्यम से आपूर्ति भेजकर वक्त पर सहायता प्रदान की। ये तथ्य इस बात को सिद्ध करते हैं कि भारत के बिना दक्षिण एशिया, दक्षिण एशिया ही नहीं है!

चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित नए क्षेत्रीय संगठन की अवधारणा केवल एक भू-राजनीतिक कदम है, जिसके माध्यम से चीन न केवल भारत पर दबाव डालना चाहता है, बल्कि भारत के निकट अपनी उपस्थिति को संस्थागत करना चाहता है और उस क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को नकारना चाहता है जिसे भारत का पिछवाड़ा माना जाता है। यह वही मंशा है जो चीन अपनी स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के माध्यम से पूरी करने की कोशिश कर रहा है। मालदीव इसका एक उदाहरण है। राष्ट्रपति मुइज्जु इंडिया आउट अभियान के साथ सत्ता में आए थ। ऐसी अटकलें थीं कि दोनों देशों के बीच संबंधों को अपूरणीय क्षति होगी। लेकिन न केवल मुइज्जु ने भारत का दौरा किया, बल्कि उन्होंने भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी में बदलने पर सहमति व्यक्त की। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत के पड़ोसी देश इस तथाकथित नए संगठन में शामिल होने के निमंत्रण का उपयोग भारत के खिलाफ उससे सौदेबाजी के रूप में एक हथियार के रूप में कर सकते हैं, ताकि वे भारत के साथ बेहतर सौदा कर सकें। इसके बाद भी वे भारत की संवेदनशीलता को काफी हद तक ध्यान में रखेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों में ज्ञान परंपरा की झलक

विधि व्यवस्था

डॉ रश्मि सिंह राणा

सर्वोच्च न्यायालय भारतीयों के लिए न्याय का प्रथम तथा अंतिम सहारा है। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णयों से ना सिर्फ लोकतंत्र की सच्ची नींव रखी अपितु एक संस्था के रूप में अपनी साख को भी संजोये रखा। सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीयों के मूलभूत अधिकारों को और संविधान के आधारभूत ढांचे को सुरक्षित बनाये रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न अवसरों पर अपने निर्णयों की दक्षता के माध्यम से भारतीय नागरिकों की अपेक्षाओं और इच्छाओं को सिद्ध किया। कई बार ऐसा भी हुआ कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों पर सवाल उठे, जैसे कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अत्यधिक लंबे, भाषा की दृष्टि से जटिल और क्लिष्ट होते हैं तथा भारतीय सर्वोच्च न्यायालय अपने निर्णयों में विदेशी न्यायिक दृष्टांतों (नजीरों) पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं, किंतु यह सत्य नहीं। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के संदर्भ में बनस्थली विद्यापीठ में किए गए एक शोध में इस मिथक के विरुद्ध निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए।

85 फीसद से भी अधिक निर्णय संक्षिप्त : इस शोध में दी गई तालिका से यह स्पष्ट होता है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सन 2016 से 2020 के बीच लगभग 5502 निर्णय दिये जिसमें मात्र 1245 विदेशी नजीरों जबकि 24160 भारतीय नजीरों को उद्धृत किया गया। न्यायालय के 85त्न से भी अधिक निर्णय 30 पृष्ठों से भी कम हैं जो इस मिथक के विपरीत है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अत्यधिक लंबे, जटिल और क्लिष्ट होते हैं। इस अध्ययन में यह भी पाया गया था कि भारतीय जनता कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका, तीनों संस्थाओं में से सबसे अधिक आस्था न्यायपालिका में रखती है। इसका मुख्य कारण यह है कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों में भारतीय पारंपरिक ज्ञान परंपरा की झलक मिलती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पंकज मित्तल ने यह कहा है कि विधि विश्वविद्यालय में वेदों, महाभारत, रामायण तथा पुराण में निहित विधि-दर्शन को पाठ्यक्रम में लागू किया जाए है।

> कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका, तीनों संस्थाओं में से भारतीय जनता सबसे अधिक आस्था न्यायपालिका में रखती है। इसका मुख्य कारण यह है कि सर्वोच्च न्यायपालिका के निर्णय निष्पक्ष होते हैं। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों में भारतीय पारंपरिक ज्ञान परंपरा की झलक मिलती है।

सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले : भारतीय सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय जैसे 'बच्चन सिंह विरुद्ध राज्य' जिसे विरले से विरलेतम (रेयर ऑफ द रेयरेस्ट) मामला कहा जाता है, में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया था कि मृत्युदंड सिर्फ विरले से विरलेतम मामले में ही दी जा सकती है। इस निर्णय का प्रमुख आधार राजेंद्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य की नजीर थी, जिसमें न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर ने कहा भारत, गौतम बुद्ध, महावीर और गांधी की भूमि है, भारतीय संस्कृति में जीवन सृष्टि द्वारा दत्त और प्रदत्त माना जाता है, इसका हरण विरलतम परिस्थितियों में ही संभव है। इसी प्रकार मेनका गांधी बनाम भारत संघ का मामला है जिसे हम व्यक्ति की गरिमा का मामला भी कहते हैं। इस मामले यह भी स्थापित किया गया कि 'विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के मूल अधिकार में विदेश भ्रमण का अधिकार भी शामिल है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में उद्धृत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही विचारों के आदान-प्रदान हेतु विदेश भ्रमण तथा विदेशियों के आगमन की एक लंबी परंपरा है। हितोपदेश और नीति शास्त्र को उद्धृत करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा भारतीय संस्कृति कूपमंडूक बने रहने की प्रथा का समर्थन नहीं करती है। यह मानव के प्रगतिशील होने की दिशा में बाधक है। इसी प्रकार 'निजता के अधिकार' को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय केएस पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ में न्यायाधीशों ने निजता के अधिकार को परिभाषित करते हुए रामायण, महाभारत, गृहसूत्र तथा कौटिल्य के अर्थशास्त्र को उद्धृत करते हुए इसे मूलाधिकार के रूप में स्वीकृत किया। कलिंदी दामोदर गार्डे बनाम मनोहर लक्ष्मण कुलकर्णी एवं अन्य के मामले मे जब एक दिलचस्प प्रश्न सर्वोच्च न्यायालय आया कि क्या किसी व्यक्ति को गोद लिये जाने से पूर्व जन्मे उसके पुत्र को उसकी सम्पत्ति में उत्तराधिकारी होने का अधिकार है या नहीं? या दत्तक लिये जाने के पश्चात जन्मे बच्चे को ही सम्पत्ति उसकी सम्पत्ति में उत्तराधिकारी होने का अधिकार होगा? इस प्रश्न को सुलझाने के लिये भी सर्वोच्च न्यायालय ने हिन्दू शास्त्रों से इस तर्क को उद्धृत किया, किसी भी प्रकार से पिता को पिता होने से निरुद्ध नहीं किया जा सकता हैं।' और स्थापित किया दत्तक से पूर्व तथा पश्चात जन्मे हर बच्चे समान रूप उत्तराधिकारी होने का अधिकार है। अतः यह कहना अनुचित न होगा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गये इन ही तर्कों एवं मूल्यों से ही जनमानस के हृदय में अपना स्थान बनाया है। भारतीय पारंपरिक ज्ञान के सिद्धान्त आज भी प्रासंगिक है। अतः भारतीय विधिक दर्शन का विधिक शिक्षा में शामिल किया जाना सुसंगत है।

प्रसंगवश

सहेजने योग्य हैं अंतरिक्ष मिशन के अनुभव

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर शुभांशु शुक्ला की उपस्थिति और उसकी चर्चा सुखद है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पूरी टीम सहित (14 जुलाई) को धरती के लिए चल पड़े। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए यह एक कभी न भुलाई जाने वाली उपलब्धि है। हालांकि, एक्सिओम-4 मिशन महज 14 दिनों के लिए प्रस्तावित था, लेकिन तकनीकी वजहों से इसे दो-तीन दिन लंबा खिंचना पड़ा है। मगर ऐसी देरी अंतरिक्ष केंद्र के यात्रियों के लिए नई नहीं है। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स तो इसका ताजा उदाहरण हैं, जो करीब नौ महीने के बाद धरती पर लौट सकीं, जबकि उनकी यात्रा सिर्फ एक हफ्ते के लिए तय की गई थी। एक्सिओम-4 मिशन अपने प्रयोगों के लिए खास तौर से जाना जाएगा। पूरे अभियान के दौरान जैव चिकित्सा विज्ञान, एडवांस मेटिरियल, तंत्रिका विज्ञान, कृषि और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े 60 से अधिक प्रयोग किए गए हैं। यही वजह है कि प्रयोगों की संख्या के लिहाज से इसका नाम उन निजी अभियानों में शीर्ष पर पहुंच गया है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए अब तक चलाए गए हैं। इन प्रयोगों से अंतरिक्ष अन्वेषण को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, पृथ्वी पर इंसानी जीवन को भी फायदा मिलेगा, क्योंकि मधुमेह प्रबंधन, कैंसर के नए उपचार और मानव स्वास्थ्य की निगरानी जैसे क्षेत्रों में नई राह खुलने के कयास लगाए जा रहे हैं। इनमें भी जिन प्रयोगों को शुभांशु ने अंजाम दिए हैं, उनको खास माना जा रहा है। जैसे, 5 जुलाई को उन्होंने अपने सहयोगी यात्रियों के साथ सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में हड्डियों की प्रतिक्रिया का अध्ययन किया है। यह एक ऐसा प्रयोग है, जिससे पृथ्वी पर ऑस्टियोपोरोसिस के बेहतर इलाज की संभावना बन सकती है। ध्यान रहे, ऑस्टियोपोरोसिस ऐसी बीमारी है, जिसमें इंसानों की हड्डियां इस हद तक कमजोर हो जाती हैं कि उनके आसानी से टूट जाने का खतरा बढ़ जाता है। माना जाता है कि दुनिया भर में तकरीबन 20 करोड़ लोग इस गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, जिनमें भारतीयों की संख्या छह करोड़ से अधिक है। इसी तरह, अपनी उड़ान के 10वें दिन शुभांशु ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर विकिरण से होने वाले खतरों से संबंधित एक प्रयोग में हिस्सा लिया। यह लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों में अंतरिक्ष यात्रियों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने सूक्ष्म शैवाल को लेकर भी अध्ययन किए हैं। इससे पृथ्वी की कक्षा से बाहर 'डीप स्पेस' मिशनों के लिए भोजन, ऑक्सीजन और जैव ईंधन प्रदान करने में मदद मिल सकती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी उबरने की इन शैवालों की क्षमता उनको पृथ्वी से परे जीवन को बनाए रखने के लिए एक आशाजनक संसाधन बनाती है। अंतरिक्ष में दीर्घकालिक कृषि को संभव बनाने के साथ ही, ऐसे प्रयोगों से पौधों की आनुवंशिक संरचनाओं को भी समझने में मदद मिलेगी। जाहिर है, अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया इन प्रयोगों के आधार पर आगे बढ़ना चाहेगी और इस मिशन के अनुभवों को सहेजना चाहेगी। भारत के लिहाज से भी यह मानव अंतरिक्ष अभियान की एक ठोस शुरुआत है। लिहाजा, उम्मीद यही है कि इसरो 2027 के शुरुआती महीनों में अपने गगनयान अभियान को पूरा कर लेगा। बीते कुछ वर्षों में जिस तरह से इस संस्थान ने अपने खाते में उपलब्धियां बटोरी हैं, उसे देखते हुए यह उम्मीद गलत नहीं है।

> अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर शुभांशु शुक्ला की उपस्थिति और वहां किए गए उनके अनुसंधानों की चर्चा सुखद है। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए यह एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी अनुगूंज कभी खत्म नहीं होगी।

।।गीता।।

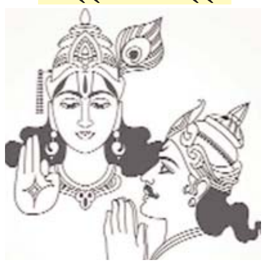

श्लोक

निमित्तानि च पश्यामि विपरीतानि केशव।
न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे॥

भावार्थ

हे केशव! मैं लक्षणों को भी विपरीत ही देख रहा हूँ तथा युद्ध में स्वजन-समुदाय को मारकर कल्याण भी नहीं देखता।

जीवन दर्शन

महादेव की सीखों को अपनाएं, खुशियों से भरा रहेगा जीवन

धार्मिक मान्यता के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सच्चे मन से भगवान महादेव की पूजा और व्रत करता है, तो उसे जीवन में सफलता की प्राप्ति होती है। हिंदू धर्म में महादेव को देवों के देवता माना जाता है। यह विश्वास है कि सभी देवी-देवताओं में सबसे सरल भक्तों की भक्ति महादेव के प्रति होती है। महादेव उन देवताओं में सबसे पहले हैं जो वरदान देने में अग्रणी हैं, क्योंकि भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए केवल सच्चे मन की आवश्यकता होती है। वे एक लोटे जल से भी संतुष्ट हो जाते हैं। यदि आप अपने जीवन में अपार खुशियों की कामना करते हैं, तो भगवान शिव की कुछ महत्वपूर्ण बातों को अवश्य अपनाएं।

महिलाओं का सम्मान : शास्त्रों में यह उल्लेखित है कि भगवान शिव ने कभी भी नर और नारी में भेदभाव नहीं किया। शंकर भगवान के अर्धनारीश्वर अवतार में हम देखते हैं कि महादेव का आधा शरीर स्त्री का

और आधा शरीर पुरुष का है। यह अवतार महिला और पुरुष दोनों की समानता का संदेश देता है। समाज, परिवार तथा मानस जीवन में जितना महत्व पुरुष का है उतना ही महत्व स्त्री का भी है। एक-दूसरे के बिना इनका जीवन अधूरा है, यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

मदद का भाव : शास्त्रों के अनुसार, भोलेनाथ हमेशा सेवा भाव और जन कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं। इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण है जब भगवान शिव ने समुद्र मंथन के दौरान सभी देवी-देवताओं को बचाने के लिए स्वयं विष का पान किया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि जितना हम दूसरों की मदद करेंगे, उतना ही हमें सम्मान और प्रेम प्राप्त होगा।

समानता की भावना : महादेव ने कभी भी अपने भक्तों और अन्य देवी-देवताओं के बीच भेदभाव नहीं किया। भगवान के इस दृष्टिकोण से हमें भी सभी लोगों के प्रति समान भाव रखने की प्रेरणा लेनी चाहिए और सभी को एक समान दृष्टि से देखना चाहिए।

शांति से कार्य करें : भगवान शिव की छवि में चंद्रमा उनके मस्तक पर विराजमान है, जो शांति और शीतलता का प्रतीक है। इस दृष्टिकोण से, हमें यह सीख मिलती है कि जीवन की किसी भी परिस्थिति में हमें शांति बनाए रखनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

नशा मुक्ति के लिए पुलिस का अभियान आज से

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस मंगलवार से जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी चलाएगी। यह विशेष अभियान आज, 15 से 30 जुलाई 2025 तक चलाया जाएगा। इस अभियान का संचालन पुलिस मुख्यालय की नारकोटिक्स विंग करेगी। एडीजी नारकोटिक्स केपी वेंकटेश्वर राव ने बताया कि अभियान का मकसद किशोरों और युवाओं को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और उन्हें इस लत से दूर रखना है। इस अभियान के दौरान नशे की गिरफ्त में आए लोगों को भी परामर्श, सहयोग और पुनर्वास में मदद की जाएगी। इस अभियान में सभी शासकीय विभागों के अलावा एनजीओ, धर्माचार्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और ग्राम एवं नगर सुरक्षा समितियों की भी मदद ली जाएगी। स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों के अलावा डिजिटल कंटेंट के जरिए भी जन-जागृति फैलाई जाएगी।

डॉ. शशिकला को एमसीयू रजिस्ट्रार का प्रभार मिला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्राकरिता एंव संचार विवि (एमसीयू) ने डॉ. अविनाश वाजपेयी से कुलसचिव का प्रभार लेकर नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की एचओडी डॉ. शशिकला को दिया है। वे अपने विभाग के साथ कुलसचिव के दायित्व को निभाएंगी। सोमवार को डॉ शशिकला पीएचडी वायवा ले रही थीं। इसी दौरान उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार लेना है। उन्हें वायवा छोड़कर कुलसचिव का प्रभार ग्रहण करना पड़ा। डॉ वाजपेयी को मीडिया प्रबंधन के एचओडी के साथ छात्र कल्याण डीन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं मनीष महेश्वरी कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग के एचओडी के साथ अकादमिक विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

सब इंस्पेक्टर, आरक्षक को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने रतलाम में प्रतिबंध आतंकी संगठन अलसुफा के फरार आतंकी फिरोज उर्फ सब्जी को पकड़ने वाले सब इंस्पेक्टर सत्येन्द्र रघुवंशी और कार्यवाहक प्रधान आरक्षक राहुल जाट को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन देने का फैसला लिया है। इन दोनों ने जयपुर में ब्लास्ट की साजिश रचने वाले फरार आतंकी फिरोज को पकड़ने में कामयाबी हासिल की थी। फिरोज पर एनआईए ने पांच लाख का इनाम भी रखा था। फिरोज को रतलाम में उसके रिश्तेदारों के घर से ही गहरी छानबीन के बाद रघुवंशी और जाट ने मिलकर पकड़ा था, जहां वह छिपकर रह रहा था। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने रतलाम जिले में पदस्थ दोनों पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए सोमवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि दोनों पुलिसकर्मियों ने अद्वितीय साहस दिखाते हुए आतंकी को गिरफ्तार किया है इसलिए उन्हें आउट ऑफ टर्म प्रमोशन दिया जा रहा है।

जल संरक्षण पर संगोष्ठी तथा पौधरोपण संपन्न

जागरण, भोपाल। विरासत बचाओ मंच एवं कैनोइंग क्याकिंग एसो. के संयुक्त तत्वावधान में छोटे तालाब में पौधरोपण एवं जल संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विरासत बचाओ मंच के पदाधिकारियों ने छोटे तालाब के किनारे पौधे रोपे। इसके बाद जल संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न पदाधिकारियों ने विचार रखे। सर्वप्रथम विनोद सोनकिया (एसडीएम) ने संबोधन में जल संरक्षण की उपयोगिता के बारे में बताया कि मीठे पानी के प्राकृतिक संसाधनों की स्थाई व्यवस्था की जानी चाहिए तथा जल संकट का समाधान जल संरक्षण से ही होगा तथा वर्तमान में सरकार एवं केंद्र सरकार विभिन्न माध्यमों से जल संरक्षण के लिए पुरस्कार दे रही है।

चैंबर में नहीं बैठें पदाधिकारी: खंडेलवाल

प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों की पहली बैठक में खंडेलवाल ने साफ की अपनी कार्यप्रणाली

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पदाधिकारियों से कहा है कि पार्टी मुख्यालय में बने चैंबर में ज्यादा समय न गंवाए, बल्कि मैदान में जाकर लोगों को सरकार की नीतियों और पार्टी की विचारधारा के बारे में बताएं। पदाधिकारियों को भाई-भतीजावाद से दूर रहना होगा। वो अपने परिवार में इकलौते हैं, जो राजनीति में हैं, ऐसे में उनके परिवार का हवाला देने वाले व्यक्तियों को बिल्कुल महत्व नहीं दें। खंडेलवाल सोमवार को पहली बार प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जिलाध्यक्षों से कहा कि वो हर हाल में जिले की टीम 25 जुलाई तक गठित कर लें और फिर सरकार और संगठन को मजबूत बनाने में जुट जाए। उन्होंने मोर्चा प्रकोष्ठ सहित दूसरे प्रदेश पदाधिकारियों से कहा कि पार्टी दफ्तर में बनाए गए उनके चेम्बर कार्यकर्ताओं से संवाद के केन्द्र है। इसके लिए वहां कार्यालय मंत्री बैठे और दूसरे पदाधिकारी अपने-अपने तय कार्यक्रमों को लेकर जनता के बीच जाएं और उन्हें बताए कि सरकार किस तरह से उनके विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कई ऐसे पदाधिकारियों को मैं देखता हूं जो सातों दिन दफ्तर में ही रहते हैंञ इसलिए लोगों को पार्टी की विचारधारा से अवगत कराएं और उन्हें पार्टी से जोड़ा जाए। हम सब एक विचार के लिए कार्य करते हैं। हमारे लिए संगठन सर्वोपरि है। हमें संवाद, समन्वय व संपर्क से पार्टी को उंचाईयों पर ले जाना है।

दस हजार स्क्वायर फीट में बनाएं कार्यालय

खंडेलवाल ने जिलाध्यक्षों से कहा कि जहां पर पार्टी के दफ्तर नहीं हैं, वहां जल्द कार्यालय बनाने की दिशा में पहल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ जिलों द्वारा एक से दो एकड़ जमीन कार्यालय बनाने के लिए मांगी जा रही है,जबकि इतनी जरुरत नहीं है। हमें ज्यादा से ज्यादा दस हजार स्क्वायर फीट पर भवन बनाना है। हमें संगठन द्वारा दिए गए कार्यक्रमों को समय सीमा में सुनिश्चित करना है। जिला कोर कमेटी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, बूथ अध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र संयोजकों की अलग-अलग बैठकें महीने में एक बार अवश्य हो यह सुनिश्चित करें।

जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण

इस मौके पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा भाजपा संगठन में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता पूरी तैयारी के साथ हर समय अलर्ट रहें और समन्वय बनाकर संगठन के कार्यों को सुनिश्चित करें। हम सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की पंच निष्ठा, वैचारिक अधिष्ठानों के आधार पर कार्य करते हुए समाज को पार्टी से जोड़ने के लिए कार्य करना है। प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के कारण पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पार्टी को बड़ी सफलता हासिल हुई। हमारा यह सिलसिला आने वाले सालों में रुकना नहीं चाहिए।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बेचे टिकट: लक्ष्मण सिंह

कांग्रेस के बराबर की पार्टी बनाने के दिए संकेत

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि आज की कांग्रेस में न प्रदेश स्तर और न ही राष्ट्रीय स्तर पर कोई नेतृत्व दिख रहा है। ऐसे में वह खत्म हो चुकी कांग्रेस की बराबरी में एक की नई कांग्रेस खड़ी करूंगा। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट बेचे गए थे, जिसके प्रमाण जल्द ही उनके द्वारा दिए जाएंगे।

सिंह ने राजगढ़ में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस में बाहर से आने वाले पर्यवेक्षक बिना जमीनी समझ के निर्णय थोप देते हैं। पार्टी में टिकिट बिक्री, नेतृत्व विहीनता की स्थिति है। उन्होंने साफ किया कि वे जल्द ही कांग्रेस की विचारधारा पर आधारित लेकिन एक नई पार्टी की नींव रखेंगे, जो मौजूदा कांग्रेस के समानांतर खड़ी होगी। मैं ऐसी कांग्रेस बनाऊंगा, जिसमें एक-एक कार्यकर्ता को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में बाहर से आने वाले पर्यवेक्षक बिना जमीनी समझ के निर्णय थोप देते हैं, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है। सिंह ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में पार्टी ने कई सीटें बेच दीं। राजगढ़ सहित कई क्षेत्रों में रुपये लेकर टिकिट दिए गए. ऐसे माहौल में कौन ईमानदारी से काम करेगा। उनके द्वारा जल्द ही इन टिकिट बिक्री के प्रमाण जल्द ही सामने लाएंगे। दिग्विजय सिंह को लेकर सवाल पर कहा कि कौन कहता है राजगढ़ उनका है? न गुना हमारा है, न ग्वालियर सिंधिया का। हर क्षेत्र का पहला अधिकार वहां की जनता का है। हरदा लाठी चार्ज को लेकर सिंह ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा, यह लाठीचार्ज अंग्रेजी हुकूमत की संस्कृति है। लोकतंत्र में संवाद पहले आना चाहिए, डंडा बाद में आना चाहिए।

कल से 8 घंटे पहले बनेगा चार्ट एक दिन पहले लगेगा कोटा

भोपाल मंडल में आज रात से लागू होगी व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेल मंडल में मंगलवार की रात से रिजर्वेशन टिकट के चार्ट बनने की व्यवस्था बदलने जा रही है। अब चार्ट चार घंटे नहीं बल्कि आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार यात्री सुविधा और पारदर्शिता को प्राथमिकता देते हुए रेलवे बोर्ड द्वारा आरक्षण चार्ट तैयार करने की प्रक्रिया में बड़े बदलाव लागू किए गए हैं। भोपाल मंडल में यह नई व्यवस्था 15 व 16 जुलाई की मध्य रात्रि से लागू होगी, जिसके तहत ट्रेनों का प्रथम आरक्षण चार्ट अब उनके प्रस्थान समय से 08 घंटे पूर्व तैयार किया जाएगा। तदनुसार इमरजेंसी कोटे के आवेदन एक दिन पूर्व स्वीकार किये जायेंगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि पूर्व में यह चार्टिंग प्रक्रिया ट्रेन प्रस्थान से 4 घंटे पूर्व तैयार की जाती थी जो कि अब 08 घंटे पूर्व तैयार किया जाएगा। जिससे प्रतीक्षा सूची और आरएसी यात्रियों को अपनी बर्थ की स्थिति 8 घंटे पहले मालूम चल सकेगी।

ट्रेनों की चार्टिंग की नई समय-सारणी इस प्रकार

- जिन ट्रेनों का प्रस्थान सुबह 5 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच है, उनका पहला चार्ट पूर्ववर्ती दिन रात 9 बजे तक तैयार किया जाएगा।
- जिन ट्रेनों का प्रस्थान दोपहर 2 से रात 11:59 बजे के बीच या मध्यरात्रि से सुबह 5 बजे के बीच है, उनका पहला चार्ट अब 08 घंटे पूर्व तैयार किया जाएगा।
- दूसरे आरक्षण चार्ट तैयार करने के संबंध में मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं होगा।
- यह नई व्यवस्था रिमोट लोकेशन (दूरस्थ स्टेशनों) पर चार्टिंग प्रक्रिया के लिए भी अनिवार्य रूप से लागू होगी।

" इस निर्णय का उद्देश्य यात्रा की योजना में सुधार लाना है ताकि यात्री टिकट कन्फर्मेशन की स्थिति समय रहते जान सकें। यह नवाचार यात्रियों की संतुष्टि में वृद्धि करेगा।

■ **सौरभ कटारिया**, सीनियर डीसीएम भोपाल रेल मंडल

धार का मित्रा पार्क निवेशकों के लिए तैयार: सीएम

दुबई में यात्रा के दूसरे दिन कई विशिष्टजनों से मिले मुख्यमंत्री , दिया मध्यप्रदेश में निवेश का न्यौता

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुबई में प्रमुख कपड़ा व्यापारियों से मुलाकात की और उन्हें मध्यप्रदेश में निवेश करने का न्यौता दिया। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश के धार स्थित पीएम मित्रा पार्क अत्याधुनिक क्लस्टर बैश्विक निवेशकों के लिए पूरी तरह से तैयार है। सीएम की निवेशकों से यह चर्चा टेक्सटाइल मर्चेट्स ग्रुप के मुख्यालय का भ्रमण के बाद हुई। उन्होंने कहा कि धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर यूएई के निवेशकों के लिए तैयार हैं, जहां अधोसंरचना के साथ मध्यप्रदेश सरकार की उद्योग मित्र पॉलिसी उनका स्वागत करने के लिये तैयार है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और कृषि-तकनीक में यूएई के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई, जिससे भारत और खाड़ी देशों के बीच कृषि आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त किया जा सके।

विदेश राज्यमंत्री को दिया न्यौता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूएई के विदेश व्यापार राच्य मंत्री डॉ. जेयूदी को सौर ऊर्जा, स्मार्ट ऑटोमेशन, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में यूएई की विशेषज्ञता को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि एमपी में तेजी से विकसित हो रही नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं यूएई के निवेशकों के लिए निवेश का आकर्षक अवसर हैं। डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिये राच्य की नवीन औद्योगिक नीति 2025 में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इस मौके पर टेक्सटाइल मर्चेट्स ग्रुप चेयरमैन नासिर अखून, वाइस चेयरमैन विनोद नागदा, और अन्य भारतीय मूल के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत द्विपक्षीय व्यापार को गति देने पर सहमति जताई।

साझेदारियों के लिए तैयार मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश 12 यू 2 (इंडिया, इजराइल, यूएई, यूएसए) के फोकस क्षेत्रों-क्लीन टेक, फूड लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक नवाचार में निवेश हेतु तैयार है। उन्होंने पायलट प्रोजेक्ट्स के लिए टेक्समास जैसी संस्थाओं को आमंत्रित किया। राच्य सरकार नई पीढ़ी के टेक्सटाइल उद्यमियों को प्रशिक्षण, लाइसेंसिंग मार्गदर्शन और पूंजीगत समर्थन देने के लिए एक विशेष स्टार्टअप पॉलिसी लागू कर रही है।

निवेश और सहयोग को लेकर व्यापक चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई प्रवास के दूसरे दिन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधियों के साथ निवेश और सहयोग को लेकर व्यापक चर्चा की। जीआईटीओ प्रतिनिधियों को आगामी निवेश फोरम के आयोजन का आमंत्रण दिया। दुबई स्थित कौशल विकास संस्थान मध्यप्रदेश के ग्लोबल स्किल पार्क के साथ मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करे, जिससे उद्योगों को कुशल मानव संसाधन मिल सके।

चेयरमैन से मिले सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई यात्रा के दौरान एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के चेयरमैन शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम के साथ बैठक की। बैठक मध्यप्रदेश और यूएई के बीच उड्डयन संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुई। बैठक में मुख्य रूप से इंदौर और भोपाल शहरों से दुबई के लिए सीधी विमान सेवाएं शुरू करने पर चर्चा हुई। मध्य भारत में एक क्षेत्रीय कार्गो हब स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। प्रदेश में इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा देने और एमिरेट्स एविएशन अकादमी के कैंपस की स्थापना की संभावना पर भी गंभीर चर्चा की हुई।

समितियों की सिफारिशें कागजों तक न रहें सीमित: तोमर

सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों ने समितियों को मजबूत बनाने को लेकर किया मंथन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र विधानसभा परिसर के सभागार में सोमवार को सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों ने विधानसभा समितियों की भूमिका, उनके कार्यान्वयन को लेकर मंथन किया। उन्होंने कहा कि समितियों को पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए अब केवल बातें ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि अब उन पर अमल होना चाहिए। इस अहम बैठक की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विधानसभा समितियां लोकतंत्र की रीढ़ होती हैं। इन समितियों की सिफारिशें केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनके ठोस क्रियान्वयन के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने विधायी प्रणाली में पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। संसद या विधानसभा के सत्रों में जितनी सूक्ष्म निगरानी की आवश्यकता होती है, वह सत्र में संभव नहीं हो पाती है। समितियों के गठन की प्रणाली को प्रारंभ किया गया है। लोकसभा में भी विभिन्न समितियां गठित होती हैं, जिनमें बजट पर भी विचार-विमर्श होता है। बजट का अध्ययन करके उस पर सुझाव देती हैं। ठीक इसी प्रकार से विधानसभाओं में भी समितियों की प्रणाली है और वे ठीक प्रकार से कार्य भी कर रही हैं। मध्यप्रदेश में 4 वित्तीय समितियां हैं, जिनका निर्वाचन होता है। इसके अलावा अनुसूचित जाति एवं जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लिए भी दो समितियां हैं, जिनका निर्वाचन संपन्न होता है। शेष लगभग 16 समितियां ऐसी हैं, जिनमें पक्ष-विपक्ष की सहमति से अध्यक्ष द्वारा नाम निर्देशित किए जाते हैं।

विधायिका के कार्यपालिका पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं समितियां

तोमर ने कहा कि समितियां विधायी, वित्तीय और प्रशासकीय क्षेत्र में विधायिका के कार्यपालिका पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग एवं विकसित भारत की दिशा में अग्रसर हमारे कदमों को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक है कि समितियों की भूमिका का विस्तार, उनकी दक्षता एवं उपयोगिता बढाने पर विचार हो। उन्होंने बताया कि विगत दिवस जब हिमाचल प्रदेश में विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारियों की बैठक हुई थी, तो वहां पर समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए यह समिति गठित हुई थी। उन्होंने समितियों को और अधिक स्वायत्तता देने एवं उनके द्वारा की गई अनुशंसाओं की समय पर अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए भी सदस्यों से विचार करने एवं सुझाव देने का आग्रह किया। बैठक में शामिल विधानसभा अध्यक्षों ने सुझाव रखें। इस मौके पर संबंधित राज्यों की विधानसभा के प्रमुख सचिव एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। मध्यप्रदेश विधान सभा के प्रमुख सचिव ए.पी. सिंह ने समिति की बैठक की रूपरेखा रखी और सचिव अरविन्द शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल इस अवसर पर विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों के साथ सहभोज में शामिल हुए।

22 से शुरू हो रहा दस्तक अभियान

कुपोषित व एनीमिया से जूझ रहे बच्चों की होगी खोज

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। शहर सहित पूरे मप्र में अब स्वास्थ्यकर्मी घर घर जाकर कुपोषित और एनीमिया से जूझ रहे बच्चों की खोजबीन करेंगे। इसके लिए 22 जुलाई से दस्तक अभियान की शुरूआत होने जा रही है। इससे पहले सोमवार को दस्तक अभियान, डिस्ट्रिक्ट टीबी फोरम, मीजल्स रुबेला की टास्क फोर्स की बैठक जिला पंचायत भोपाल मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ रितेश रावत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, सब डिविजनल मेडिकल ऑफिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। दस्तक अभियान के प्रथम चरण का आयोजन 22 जुलाई से किया जा रहा है। जिनमें निमोनिया व गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान व रेफरल एवं प्रबंधन, डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर द्वारा एनीमिया की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, दस्त रोग की पहचान एवं ओआरएस एवं जिंक के उपयोग के संबंध में जागरूकता, विटामिन ए की खुराक का सेवन जैसी सेवाएं प्रमुख हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इला तिवारी ने निर्देश दिए कि दस्तक अभियान में पाए गए गंभीर कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केदों में भर्ती करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम पर होगा फोकस

दस्तक अभियान की जानकारी देते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ रितेश रावत ने बताया कि बाल एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम, 5 वर्ष तक के बच्चों को स्वस्थ और पोषण की सेवाएं देने के उद्देश्य से साल 2018 से दस्तक अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा 5 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी।

भोपाल में 3 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत भोपाल में लगभग तीन लाख बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं से लाभान्वित किया जाएगा। बच्चों में दस्त के प्रकरणों को कम करने एवं इसके प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर की स्थापना की गई है, जिसमें परिजनों को ओआरएस का घोल बनाने की विधि एवं उसके सेवन के तरीके बताए जाएंगे।

सुविधा | ▸ प्रदेश की 80 प्रतिशत आभा आईडी एम्स में बनीं ▸ मरीजों का डिजिटल डाटा हो रहा इकट्ठा

एम्स ने बनाया ऐप, 3 लाख मरीजों ने उठाया फायदा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ने डिजिटल क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। संस्थान ने अपना स्वास्थ्य ऐप बनाकर मरीजों की कई मुश्किलों को आसान कर दिया है। पिछले 3 साल में इस ऐप के जरिए 3.3 लाख मरीजों ने ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक किए हैं। वहीं, केवल पिछले साल ही 10.5 लाख मरीजों ने ओपीडी में इलाज के लिए एम्स भोपाल का रुख किया था। ऐसे में इस ऐप के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सोमवार को संस्थान ने इसकी 3 सालों की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य ऐप अब एक जरूरी उपकरण बनता जा रहा है। प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार एम्स भोपाल द्वारा विकसित स्वास्थ्य ऐप के जरिए न सिर्फ मरीजों को अपने स्मार्टफोन पर इलाज से जुड़ी सारी जानकारी मिल रही है, बल्कि हजारों मरीज बिना लाइन में लगे इलाज की सुविधा भी प्राप्त कर रहे हैं।

डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड से सुविधा

अब तक 8,61,782 डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड इस ऐप से लिंक किए जा चुके हैं। इससे मरीजों को अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट, डॉक्टर की पर्ची और ट्रीटमेंट हिस्ट्री ऐप में ही मिल जाती है। कहीं भी और कभी भी रिकॉर्ड देखे जा सकते हैं।

1.7 लाख लोगों की बनाई आभा आईडी

प्रबंधन ने दावा किया है कि एम्स भोपाल में अब तक 1,70,944 लोगों की आभा आईडी (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) बनाई जा चुकी है। जो मध्यप्रदेश की कुल आईडी का 80 प्रतिशत से भी ज्यादा है। यही नहीं, 5,45,858 आईडी को सेंट्रल हेल्थ रजिस्ट्री से जोड़ा गया है। लोग अब डिजिटल हेल्थ आइडेंटिटी को तेजी से अपना रहे हैं। अस्पताल में पंजीकरण के लिए 15,42,657 बार स्कैन एंड शेयर सुविधा का इस्तेमाल किया गया है। इसका नतीजा ये रहा कि दोबारा आने वाले मरीजों की लाइनें काफी हद तक कम हो गईं। क्यूआर कोड स्कैन कर कुछ ही सेकेंड में मरीज की जानकारी सामने आ जाती है, जिससे समय की बचत होती है।

स्वास्थ्य ऐप पर उपलब्ध सुविधाएं

- बिना लाइन में लगे अपॉइंटमेंट बुकिंग
- लैब रिपोर्ट मोबाइल पर डॉक्टर की उपलब्धता, ओपीडी शेड्यूल, कक्ष संख्या व फीस की जानकारी
- डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन और भुगतान हिस्ट्री
- अस्पताल परिसर में क्यूआर कोड से तत्काल पंजीकरण
- आभा आईडी निर्माण और लिंक की सुविधा

" हम केवल तकनीक नहीं अपना रहे, बल्कि स्वास्थ्य सेवा की पूरी प्रणाली को नई दिशा दे रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर मरीज को पारदर्शी, सुलभ और जवाबदेह सेवा मिले।

● **डॉ. अजय सिंह,** निदेशक एम्स भोपाल

एएसआई की बेटी से दहेज में मांगे 5 लाख और कार

जागरण, भोपाल। राजधानी भोपाल में एएसआई की 26 वर्षीय बेटी को दहेज में 5 लाख रुपए नकद और कार की मांग को लेकर प्रताड़ित किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न का मामला दर्ज किया है। महिला थाना प्रभारी अंजना दुबे ने बताया कि पीड़िता अनुराधा बकोरिया पत्नी प्रशांत बकोरिया की शादी वर्ष 2022 में प्रशांत बकोरिया से हुई थी, जो कि एक मेडिकल स्टोर संचालक है। विवाह के कुछ ही समय बाद से प्रशांत, उसकी मां रेखा और पिता कैलाशचंद्र बकोरिया द्वारा दहेज में 5 लाख रुपए और एक कार की मांग की जाने लगी। जब मायके पक्ष से यह डिमांड पूरी नहीं की गई, तो पीड़िता के साथ मारपीट और मानसिक प्रताड़ना शुरू हो गई।

गर्भवती प्रेमिका से गैंगरेप कर घाटी से नीचे फेंका

जागरण, दमोह। प्रदेश के दमोह जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। एक शादीशुदा प्रेमी ने अपनी 7 माह की गर्भवती प्रेमिका से रेप किया और बाद में उसका अपने ममेरे भाई से भी रेप कराया। वारदात के बाद आरोपियों ने गर्भवती युवती को जबेरा के जंगल में घाटी से नीचे फेंक दिया। मामला जबेरा थाना क्षेत्र के सिंग्रामपुर चौकी के तेलन मार्ग का है। यहां पर लड़की घायल हालत में मिली। कटनी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी बांदकपुर से लौट रहे पौंडी सरपंच मनोज राय ने दी। दरअसल सरपंच को लड़की ने रास्ते में मदद के लिए रोका था। इसके बाद मनोज ने अपने परिचित सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन को सूचना दी। इसी दौरान बांदकपुर से निजी वाहन से लौट रहे स्थानीय निवासी साहब पटेल ने अपनी गाड़ी से लड़की को जबेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पीड़िता ने बयान में बताया कि वह कटनी की रहने वाली है। दो लोग उसे एक सुनसान घर में ले गए और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात की। इसके बाद आरोपियों ने मारपीट कर तेलन मार्ग की घाटी से नीचे फेंक दिया।

संक्षिप्त समाचार

ईडी के सामने पेश हुए रावर्ट वाड्रा, पूछताछ हुई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और फेमस बिजनेस मैन रॉबर्ट वाड्रा की सोमवार को ईडी के सामने पेश हुए। यह पेशी संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हुई, जहां अधिकारियों ने उनसे विस्तृत पूछताछ की। ये घोटाला एक पेट्रो-केमिकल प्रोजेक्ट से जुड़ा है। ये प्रोजेक्ट साल 2008 में एक स्पेशल इकोनॉमिक जोन में बनना था। इस प्रोजेक्ट का एक हिस्सा बनाने का काम एक सरकारी कंपनी ने सैमसंग इंजीनियरिंग को सौंपा। सैमसंग ने इसके लिए संजय भंडारी की दुबई बेस्ड कंपनी सैंटेक इंटरनेशनल एफजेडसी को हायर किया। दिसंबर 2008 में सैमसंग को कॉन्ट्रैक्ट मिला। जून 2009 में सैमसंग ने संजय भंडारी की कंपनी को 49,90,000 अमेरिकी डॉलर दिए। उसी महीने संजय भंडारी ने लंदन के ब्रायनस्टन स्क्वायर में एक महंगी प्रॉपर्टी खरीदी। इस प्रॉपर्टी को वोर्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड किया गया, जिसके अकाउंट में सैंटेक ने करीब 1.9 मिलियन पाउंड स्टर्लिंग ट्रांसफर किए।

छांगुर बाबा, सहयोगियों से 8.85 लाख की होगी वसूली

बलरामपुर। धर्मांतरण का गिरोह चलाने और विदेशी फंडिंग से बेशुमार संपत्ति बनाने के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। जिले के उतरौला कस्बे से सटे मध्यपुर गांव में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर बनवाए गए भवन की ध्वस्तीकरण के दौरान 8 लाख 85 हजार रुपए भी खर्च आया है। यह पैसा जलालुद्दीन एवं उसके सहयोगियों से वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन ने छांगुर बाबा को कोठी पर 8 लाख 85 हजार रुपए वसूली की नोटिस जारी किया है। बता दें कि छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों ने मध्यपुर गांव स्थित गाटा संख्या 370 एवं 337 में अवैध कब्जा कर भवन का निर्माण किया गया था, जिसको हटाने के लिए प्रशासन द्वारा नोटिस जारी कर एक सप्ताह में अवैध कब्जा मुक्त करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया।

पाक क्रिकेट बोर्ड में करोड़ों का भ्रष्टाचार उजागर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट में एक ऑडिट रिपोर्ट के बाद भूचाल आ गया है। ऑडिटर जनरल ऑफ पाकिस्तान की नई ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बड़ा फाइनेंशियल मिसमैनेजमेंट हुआ है। 2023 के दौरान करोड़ों रुपयों की हेराफेरी बोर्ड के भीतर हुई है। अनियमितताओं में अनधिकृत नियुक्तियां और जरूरत से ज्यादा भुगतान शामिल हैं। पुलिस के भोजन, कोच और मैच अधिकारियों को अनुचित धनराशि मिली है। टिकट अनुबंधों में उचित बोली नहीं लगाई गई। इस ऑडिट रिपोर्ट के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी जांच के घेरे में हैं। 2023 में पीसीबी के चेयरमैन जका अशरफ भी थे। ऐसे में दोनों पर शक की सुई है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मुख्य तौर पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान भोजन उपलब्ध कराने के लिए पुलिस को दिए गए 63.39 मिलियन पाकिस्तानी रुपए का गबन शामिल है। रिपोर्ट में कराची हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तीन अंडर-16 कोचों की अनधिकृत नियुक्ति का भी उल्लेख है। इसमें 5.4 मिलियन रुपए का वेतन भुगतान किया गया है।

मुख्तार गैंग का शार्पशूटर शाहरुख एनकाउंटर में ढेर

मुजफ्फरनगर। उप्र एसटीएफ ने जिस शाहरुख पठान का एनकांउटर किया है, वह मुख्तार गैंग से जुड़ा था। मुख्तार अंसारी के दो बड़े सहयोगी थे। पूर्वांचल का काम मुन्ना बजरंगी देखता था, जबकि पश्चिमी यूपी का काम संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा का था। मुख्तार की जेल में मौत हो गई, जबकि जीवा लखनऊ कोर्ट में मारा गया और बजरंगी बागपत जेल में मारा गया। जीवा का ही करीबी शाहरुख पठान सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मुख्तार-जीवा गैंग का शार्प शूटर शाहरुख बिजनौर का रहने वाला था। मुठभेड़ सोमवार सुबह छपार थाना क्षेत्र के रोहाना मार्ग पर हुई। मौके से एक कार, पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए हैं।

गुफा में मिली रूसी महिला 'मोही' बनी पुलिस के लिए अबूझ पहेली

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले की रामतीर्थ पहाड़ियों की गोकर्ण गुफा में रह रही रशियन महिला की दो बच्चियां, पुलिस जांच में जुटी

बेंगलुरु, जेएनएन। उत्तर कन्नड़ जिले के कुमता तालुक में रामतीर्थ पहाड़ियों की गोकर्ण गुफा में मिली रूसी महिला नीना कुटिना उर्फ मोही की खबर ने पूरे देश को हैरान कर दिया है। पुलिस अब कई सवालों के जवाब तलाशने में जुटी है। 40 वर्षीय नीना महिला बिजनेस वीजा पर 2016 में भारत आई थी। 2017 में उसका वीजा खत्म हो गया, लेकिन वह लौटकर अपने देश नहीं गई। एग्जिट परमिट मिलने पर कुछ समय के लिए नेपाल जरूर गई, लेकिन हिंदू धर्म और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं से प्रभावित होने की वजह से गोवा होते हुए गोकर्ण तक पहुंच गई। नीना और उसकी दो बेटियों को रूस भेजने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नीना भारत नहीं छोड़ना चाहती। कर्नाटक पुलिस के कई अनसुलझे सवाल हैं। मसलन उसने अपना लॉकडाउन कहां काटा? उसकी दो बच्चियां कहां पैदा हुईं? उनका पिता कौन है? अगर बच्चियों का जन्म भारत में हुआ है, तो फिर कौन से हॉस्पिटल में हुआ है? पुलिस का कहना है कि मोही किसी हॉस्पिटल में भर्ती नहीं हुई। क्या उसने कोविड की वैक्सीन ली है? ये कुछ ऐसे सवाल है, जिनका जवाब मोही ने अभी तक नहीं दिया है। पुलिस का कहना है कि कुटिना अभी कुछ बताने की स्थिति में नहीं है, उसकी काउंसलिंग की जा रही है। एक और हैरान करने वाली बात यह है कि गुफा के अंदर खाने-पीने के सामान का भंडार पुलिस को मिला है। कुटिना लकड़ियों से खाना बनाती थी। सुबह की शुरुआत योग से करती थी। मंत्रों का उच्चारण, ड्राइंग, गीत-भजन दिनचर्या का हिस्सा थे।

सर्चिंग के दौरान गुफा से रुसी महिला को बच्चों सहित बाहर निकालते पुलिस जवान, इनसेट में मां के साथ बच्चियां।

..तो दोनों बेटियों को नहीं मिलेगी भारत की नागरिकता

कुटिना के बच्चे भारत में ही जन्मे हैं, लेकिन उन्हें भारत की नागरिकता नहीं मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि कानून ने मुताबिक, 4 दिसंबर 2024 के बाद से भारत में जन्मे किसी भी बच्चे को नागरिकता मिलेगी, लेकिन कुटिना का मामला थोड़ा अलग है। उसका वीजा 2017 में ही खत्म हो गया था, जब उसकी बेटियों का यहां जन्म हुआ, तो वह अवैध रूप से भारत में रह रही थी, इसलिए उन्हें यहां की नागरिकता नहीं मिलेगी।

जंगल के बीचोंबीच हैं गुफा

गुफा जंगल के बीचों-बीच बनी है। नीना कुटिना दो हफ्ते पहले यहां रहने आई थी। हाल ही में इसी इलाके में लैंडस्लाइड की घटना हुई थी। पुलिस रूटीन पेट्रोलिंग कर रही थी, तभी गुफा के बाहर कपड़े लटके नजर आए। जब पुलिस वहां पहुंची, तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गई। रशियन महिला अपने बच्चों के साथ रह रही थी। पुलिस ने किसी तरह से कुटिना को मनाया, जंगल के जीव-जंतुओं, सांपों का डर दिखाया। इस पर नीना ने कहा कि वह सांप से नहीं डरती। सांप उसे परेशान नहीं करते। वह झरने के नीचे नहाने जाती है, लकड़ियों से खाना बनाती है। सांप वहीं पर बिना कोई क्षति पहुंचाए घूमते रहते हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नेताओं में अनुशासन लाने दी अनोखी सलाह

ऐसे लोग चाहिए, जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं लगाएं

नागपुर, जेएनएन। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्व. प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में गडकरी ने कहा, अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती।

समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है। गडकरी ने बताया कि कार्यक्रम में 'कुशल संगठक' के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयां लड़ीं। उन्होंने कहा, कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में गलत सरकारी फैसलों के खिलाफ कई अदालती मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया। इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनियाभर में संघर्ष का माहौल है। गडकरी ने कहा, ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं, जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है।

राज के खिलाफ डीजीपी से शिकायत

हाईकोर्ट के तीन वकीलों ने की एनएसए लगाने की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) चीफ राज ठाकरे ने मराठी भाषा विवाद के बीच समर्थकों से कहा था कि गैर मराठियों को पीटते वक्त वीडियो ना बनाएं। अब इस बयान पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के तीन वरिष्ठ वकीलों ने डीजीपी को पत्र लिखकर मनसे चीफ के खिलाफ शिकायत देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वकीलों ने कहा, उनके भड़काऊ भाषणों, विवादित बयानों की उच्च स्तरीय जांच हो, उन पर एनएसए लगाएं। मराठी राज्य की भाषा है, इसलिए सभी भारतीयों का यह कर्तव्य बनता है कि उस भाषा का सम्मान करें, लेकिन बीते कुछ दिनों में मनसे के कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों से मारपीट और अपमानजनक व्यवहार किए हैं।

संविधान का हो रहा उल्लंघन

शिकायत में कहा गया है कि 5 जुलाई को मुंबई के वर्ली में आयोजित कार्यक्रम में राज ठाकरे ने रहा था कि जो भी हमसे गलत भाषा में बात करेगा,उसे एक मिनट में चुप करा देंगे। वकीलों का कहना है कि राज ठाकरे के ये बयान राज्य में कानून-व्यवस्था के लिए खतरनाक है और यह संविधान के कई अनुच्छेदों का उल्लंघन है।

अब आईफोन बताएगा राधिका की हत्या का राज

नई दिल्ली, जेएनएन। गुरुग्राम में टेनिस प्लेयर राधिका यादव की हत्या की गुत्थी अभी तक सुलझ नहीं पायी है। पिता दीपक यादव बेटी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार है। दीपक के मुताबिक बेटी की हत्या उसने ही की। पिता के मुताबिक टेनिस एकेडमी बंद न करने पर उसने राधिका को मार डाला, लेकिन राधिका के दोस्तों के बयान इस मामले में बड़े ट्विस्ट का इशारा कर रहे हैं। हत्या का राज अब राधिका का आईफोन ही खोल सकता है। गुरुग्राम पुलिस ने राधिका के फोन को डिपार्टमेंट ऑफ इन्फर्मेशन टेक्नॉलजी ऐंड कम्युनिकेशन हरियाणा को भेज दिया है। फोन अनलॉक करके उसका डेटा रिट्रीव किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, राधिका आइफोन का इस्तेमाल करती थी और उसका पासवर्ड घरवालों को भी नहीं पता है।

देश के दूसरे सबसे लंबे केबल ब्रिज का उद्घाटन

शिवमोगा (कर्नाटक)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कर्नाटक में सिंगदूर ब्रिज का उद्घाटन किया है। यह देश का दूसरा सबसे लंबा केबल आधारित ब्रिज है। सिंगदूर ब्रिज के इस उद्घाटन समारोह में कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने हिस्सा लिया। हालांकि, कर्नाटक कैबिनेट का कोई भी मंत्री कार्यक्रम में नहीं पहुंचा। सागर तालुक में शरवती बैकवाटर पर बना सिंगदूर ब्रिज अंबारागोडलु और कलासावल्ली को आपस में जोड़ता है। यह पुल राज्य का सबसे लंबा और देश का दूसरा सबसे लंबा पुल है, जिसकी लंबाई 2.44 किमी है। यह 472 करोड़ से तैयार हुआ है। सिंगदूर चौदेश्वरी मंदिर के लिए मशहूर है। ऐसे में सिंगदूर ब्रिज बनने के बाद आसपास के गांवों से सागर जाना आसान हो गया है। अब श्रद्धालु आसानी से इस मंदिर के दर्शन कर सकेंगे।

कर्नाटक सीएम ने बोला हमला: कार्यक्रम में सीएम सिद्दरमैया समेत मंत्रिमंडल का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। हाल ही में कर्नाटक के सीएम सिद्दरमैया ने नितिन गडकरी से उद्घाटन समारोह की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। वहीं, अब सिद्दरमैया ने दावा किया है कि इस समारोह में उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। हालांकि, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने साफ किया है कि 11 जुलाई को ही कर्नाटक के सीएम को ब्रिज उद्घाटन समारोह में आने का निमंत्रण भेजा गया था। मार्च 2019 में इस परियोजना को मंजूरी दी थी।

मैंगो डिप्लोमेसी: बांग्लादेश ने पीएम मोदी को भेजे 1000 किलो आम

यूनुस ने बरकरार रखी 2021 में शुरू की गई पहल, ममता को भी हरिभंगा गिफ्ट किए

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो. मुहम्मद यूनुस ने 'हरिभंगा' किस्म के 1,000 किलोग्राम आम भारत भेजे हैं। इन्हें पीएम मोदी भारत के राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को उपहार में दिए जाएंगे। भारत के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश के तहत बांग्लादेश की इस पहल को 'मैंगो डिप्लोमेसी' कहा जा रहा है। इसके तहत अंतरिम सरकार ने न सिर्फ केंद्र सरकार बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी हरिभंगा आम भेजे हैं। ये 300 किलोग्राम आम 60 डिब्बों में पैक करके गुरुवार शाम करीब 5¬15 बजे अखौरा लैंड पोर्ट के जरिए भेजे गए।

बांग्लादेश का प्रीमियम आम है हरिभंगा

बांग्लादेश में 'हरिभंगा' प्रीमियम आम माना जाता है। इनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है। भारत में इसे काफी पसंद किया जाता है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये आम सद्भावना के प्रतीक के तौर पर भेजे गए हैं और सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं। बांग्लादेश से भारत में आम भेजने की यह परंपरा नई नहीं है। पहले की सरकारें भी भारत को आम भेजती रही हैं। इस बार यह कदम खास इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। उनके हटने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में थोड़ी दूरी आ गई थी, क्योंकि हसीना भारत की करीबी मानी जाती थीं।

यमन में केरल की नर्स की फांसी टलने की आखिरी उम्मीद खत्म?

नई दिल्ली, जेएनएन। यमन की जेल में फांसी की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया के बचने की उम्मीद मंद पड़ती दिख रही है। निमिषा को 16 जुलाई को फांसी दी जानी है और इधर भारत में केरल से दिल्ली तक उनके लिए आखिरी कोशिश चल रही है। बुधवार को इस मामले में उम्मीद की किरण धुंधली पड़ गई। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि निमिषा प्रिया की फांसी को रोकने के लिए सरकार और कुछ नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है... लेकिन हम क्या कर सकते हैं, इसकी एक सीमा है। सरकार ने कहा, निमिषा को बचाने का एकमात्र तरीका यह है कि परिवार (यमनी व्यक्ति जिसकी मौत हुई) 'ब्लड मनी' यानी वित्तीय मुआवजा को स्वीकार करने के लिए सहमत हो। अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट से कहा, यह बहुत जटिल मुद्दा है और ब्लड मनी का मामला निजी मामला है। भारत सरकार बहुत कुछ नहीं कर सकती। हमने जो भी संभव था, वह कोशिश की। मामले के बारे में ज्यादा सार्वजनिक हुए बिना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन सरकार क्या कर सकती है, इसकी एक सीमा होती है। जज ने पूछा, सरकार परिवार द्वारा जमा किए गए ब्लड मनी पर यमन से बातचीत करने का प्रयास कर सकती है, इस पर केंद्र ने जवाब दिया है कि यह उनके हाथ में ज्यादा कुछ नहीं है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, रियाद का दूतावास इस मामले को संभालता है। हम बस चाहते हैं कि सरकार से कोई जाए और ब्लड मनी स्वीकार करने के लिए परिवार से बात करे। हम अधिक राशि भी देने को तैयार हैं।

बैरिकेड्स तोड़कर कब्रिस्तान पहुंचे सीएम अब्दुला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और अन्य नेताओं ने श्रीनगर के पुराने शहर में स्थित नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान में १३ जुलाई के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। घरों में बंद रहने के एक दिन बाद सीएम उमर और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अन्य नेता सोमवार को सुरक्षा बैरिकेड्स को तोड़कर कब्रिस्तान में श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।

मॉडल सैन रेचल ने की आत्महत्या

चेन्नई। लोकप्रिय मॉडल और सोशल मीडिया हस्ती सैन रेचल ने पुडुचेरी में आत्महत्या कर ली। 26 वर्षीय मॉडल ने हाल ही में शादी की थी और मनोरंजन उद्योग में रंगभेद के खिलाफ साहसिक रुख के लिए जानी जाती थीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सैन रेचल ने कथित तौर पर पिता के घर जाने के दौरान बड़ी संख्या में गोलियां खा लीं। हालांकि, उन्हें पहले सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में निजी अस्पताल। अंततः उन्हें जिपमर में भर्ती कराया गया, जहां मृत्यु हो गई।

एनसीटीई कोर्स और यूजी में प्रवेश लेने का एक और मौका, आज से प्रवेश प्रक्रिया

सीटें खाली रहने और विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रहने के कारण उच्च शिक्षा विभाग ने लिया निर्णय

21 को होगा अलॉटमेंट

स्नातकोत्तर (पीजी) में प्रवेश लेने के लिए विभाग ने पंजीयन करा लिये हैं। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को 21 जुलाई को सीटों का आवंटन किया जाएगा। आवंटित कालेज में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित कालेज में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा। पीजी कोर्स में प्रवेश लेने अभी तक करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों का पंजीयन हो चुका है। दो राउंड में करीब 45 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। सीएलसी में प्रवेश के लिए करीब 55 हजार विद्यार्थियों का सत्यापन हो चुका है।

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के 1200 निजी और सरकारी कालेजों में यूजी की लाखों सीटें रिक्त हैं और प्रदेश में हजारों विद्यार्थी प्रवेश से वंचित हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा विभाग ने कालेज लेवल काउंसलिंग से एक और प्रवेश लेने की प्रक्रिया खोल दी है। एनसीटीई कोर्स में भी हजारों की संख्या में सीटें रिक्त हैं। उन्हें देखते हुए विभाग ने काउंसलिंग का एक और राउंड मंगलवार से शुरू करने का आदेश जारी कर कार्यक्रम को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। प्रदेश में एनसीटीई कोर्स बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड, अंशकालीन बीएड और राज्य शिक्षा केंद्र के बीएड की करीब 25 हजार सीटों पर प्रवेश देने मंगलवार से पंजीयन शुरू हो जाएंगे, जो 18 जुलाई त क होंगे। विद्यार्थी 19 जुलाई तक सत्यापन करा पाएंगे। विभाग 21 जुलाई को मेरिट जारी करेगा। 23 जुलाई को आवंटन किया जाएगा। एनसीटीई कोर्स में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को 23 से 25 जुलाई तक आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेज, टीसी, माइग्रेशन के साथ भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंक एनिशिएट कराना होगी विद्यार्थी 23 से 26 जुलाई तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। फीस जमा नहीं करने की दशा में विद्यार्थियों के प्रवेश को अमान्य कर दिया जाएगा। तीन राउंउ की काउंसलिंग में विभाग करीब पचास हजार विद्यार्थियों को प्रवेश दे सका है। जबकि सभी कोर्स में प्रवेश लेने के लिए करीब एक लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था।

यूजी कॉलेजों में तीन लाख से ज्यादा सीटें खाली

प्रदेश के यूजी कालेजों में तीन लाख से ज्यादा सीटें रिक्त हैं। उक्त सीटों पर प्रवेश देने के लिए विभाग बुधवार से 31 जुलाई तक सीएलसी एक और अतिरिक्त राउंड आयोजित करने जा रहा है। बुधवार से हर दिन रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। 31 जुलाई तक विद्यार्थी सीधे कालेजों में उपस्थित होकर प्रवेश ले पाएंगे। हर दिन विद्यार्थी तीन बजे तक पंजीयन कर पाएंगे और चार बजे तक हेल्प सेंटर पर पहुंचकर सत्यापन कराएंगे। शाम पांच बजे मेरिट जारी की जाएगी। मेरिट जारी करने के बाद विद्यार्थी को 24 घंटे में फीस जमा करना होगी।

एनसीटीई कालेजों की स्थिति

प्रदेश में कालेज	775
प्रदेश में कुल सीट	67 हजार
प्रथम राउंड में प्रवेश	14 हजार
दूसरे राउंड में आवंटन	12 हजार 220
तीसरे राउंड में आवंटन	36,000

कोर्स	सीट	प्रवेश
बीएड	58977	26219
बीएबीएड	3450	1199
पीबीएड	150	66
एमपीएड	325	218
बीईएलएड	100	24
एमएड	3160	724
बीपीएड	1550	570
बीएससीबीएड	2800	790
बीएड-एमएड	250	68
यूजी सीटें-		5,54,9017

यूजी-पीजी में सीटों की स्थिति

पहले राउंड में आवंटित	1,51,878
पीजी सीटें	1,94,8257
पहले राउंड में आवंटित	47,150
यूजी दूसरे राउंड में आवंटन	58000
पीजी दूसरे राउंड में आवंटन	22000
सीएलसी यूजी	1,20,000

पेशकश | 11 किलोमीटर के सफर के लिए 2.15 घंटे, जाम में फंसे माईट्रिप के सह-संस्थापक ने किया वादा

बेंगलूरु में ट्रैफिक जाम सुलझाने वाले को एक करोड़ इनाम

बेंगलूरु, जेएनएन। बेंगलुरु के ट्रैफिक में सिर्फ 11 किलोमीटर की दूरी तय करने में २.१५ घंटे से ज्यादा समय लगाने से निराश एक आईआईटीयन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए शहर में ट्रैफिक 'चोक-पॉइंट्स' की पहचान करने के लिए 1 करोड़ रुपए के ईनाम का प्रस्ताव रखा है। ईजमाईट्रिप के सह-संस्थापक प्रशांत पिट्टी ने दावा किया कि वह शहर के एक चोक-पॉइंट पर फंस गए थे और ट्रैफिक लाइटों की कमी या पुलिस की मौजूदगी को समझने में उन्होंने 100 मिनट बिताए। उन्होंने लिंक्डइन पर अपनी पोस्ट में लिखा, मैं गूगल मैप्स और एआई के जरिए बेंगलुरु के चोक-पॉइंट्स खोजने के लिए 1 करोड़ रुपए खर्च कर रहा हूं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहर के व्यस्ततम ट्रैफिक के बारे में बड़बड़ाने या मीम्स बनाने के बजाय वह एक व्यावहारिक, तकनीक-आधारित समाधान ढूंढना चाहते हैं। उन्होंने कहा, शनिवार देर रात बेंगलूरु के ट्रैफिक में 11 किमी 2.15 घंटे! मैं ओआरआर पर एक जाम वाली जगह पर फंस गया था, जहां मुझे यह समझने में 100 मिनट लग गए कि यहां कोई ट्रैफ़िक लाइट या पुलिस क्यों नहीं है! बेंगलुरु के ट्रैफ़िक को कैसे ठीक करने की उनकी योजना है? पिट्टी ने रोड मैनेजमेंट इनसाइट टूल के बारे में भी बताया, जिसे इस तकनीकी दिग्गज ने अप्रैल में लॉन्च किया था। उनका मानना है कि यह टूल ट्रैफ़िक विभाग को उन जगहों पर हस्तक्षेप करने और काम करने के लिए जाम वाली जगहों और सटीक समय का पता लगाने में मदद कर सकता है। इसके लिए वह एक या दो एआई और मशीन लर्निंग इंजीनियरों को मदद देने की योजना बना

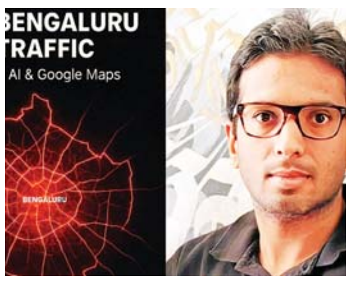

लोगों ने दी ऑनलाइन प्रतिक्रिया

पिट्टी ने जनता से भी अपने विचार का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से यातायात अधिकारियों को टैग करने, इस बारे में लोगों को बताने और एआई विशेषज्ञों को इस परियोजना में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, बेंगलूरु भारत का तकनीकी भविष्य है और कहा कि शहर में कड़ी मेहनत करने वाले लोग बेहतर सड़कों और यातायात प्रबंधन के हकदार हैं। ऑनलाइन लोगों ने बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने कहा कि वे मदद करने और इस परियोजना में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

82,253

-247

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eternal	277.75	2.75%
Titan Company	3,410.00	1.28%
IndusInd Bank	873.50	1.02%
ONGC	244.89	1.02%
Adani Enterpris	2,604.80	0.88%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Jio Financial	325.80	-2.06%
Tech Mahindra	1,602.50	-1.61%
Wipro	258.30	-1.57%
Bajaj Finance	933.50	-1.57%
Infosys	1,594.90	-1.54%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	85.98
€ यूरो	100.53
¥ येन	05.83
£ पौंड	115.94

चांदी ऑल-टाइम हाई पर सोना भी 700 रुपए चढ़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। सोना-चांदी की कीमतों में सोमवार को बढ़त दर्ज की गई। 24 कैरेट के सोने की कीमतों में 700 रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। वहीं, चांदी की कीमत एक बार फिर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 792 रुपए बढ़कर १,००,०३० रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते शुक्रवार को 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर ९१,७०० रुपए हो गई है, जो कि पहले 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 73,727 रुपए हो गया है, जो कि पहले 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम था। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी इजाफा देखने को मिला है और यह ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। चांदी की कीमत 1,13,867 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,10,290 रुपए प्रति किलो थी। चांदी की कीमत में 3,577 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, कीमत पहुंची एक करोड़ के पार

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने एक बार फिर नया रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिकी क्रिप्टो वीक की शुरुआत से ठीक पहले बिटकॉइन की कीमतों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। भारतीय बाजार में इसकी कीमत 1 करोड़ के पार पहुंच गई है। वहीं, डॉलर में यह .1,22,540.92 के ऑल टाइम हाई तक पहुंचा। यह रिकॉर्ड ऊंचाई ऐसे समय पर आई है जब दुनियाभर में डिजिटल संपत्तियों में फिर से निवेशकों की रुचि बढ़ी है और बाजार में स्थिरता की उम्मीद की जा रही है। क्वाइन मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार, यह तेजी केवल तकनीकी संकेतों की देन नहीं, बल्कि वैश्विक और राजनीतिक घटनाओं का नतीजा है। बिटकॉइन में यह उछाल ट्रंप के क्रिप्टो समर्थक रुख, क्रिप्टो ईटीएफ में मजबूत निवेश और कॉरपोरेट ट्रेजरी में बढ़ती हिस्सेदारी के चलते आई है। बिटकॉइन फिलहाल 3.68 प्रतिशत की तेजी के साथ .1,22,291.69 पर ट्रेड कर रहा है और पिछले सात दिनों में इसमें 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई है।

सिल्वर और गूगल को पीछे छोड़ा- अब बिटकॉइन सिर्फ गोल्ड, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, सऊदी अरामको और अमेज़न से पीछे है। बिटकॉइन की इस ऐतिहासिक तेजी ने इसे मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया का छठा सबसे बड़ा एसेट बना दिया है।

अमेरिका में क्रिप्टो फ्रेंडली पॉलिसी की उम्मीद- हाल ही में अमेरिकी सीनेट में स्टेबलक्वाइन रेगुलेशन बिल पेश हुआ है, जिससे निवेशकों को उम्मीद है कि क्रिप्टोकरेंसी को जल्द ही औपचारिक कानूनी पहचान मिल सकती है। इससे संस्थागत निवेश बढ़ने की संभावना है। माइकल सैलर ने भी बिटनकॉइन में बड़ा निवेश किया है। माइक्रो स्ट्रैजी के चेयरमैन माइकल सैलर ने हाल ही में करीब 50 अरब डॉलर के बिटकॉइन खरीदने की जानकारी दी है। इससे खुदरा निवेशकों के बीच भरोसा और उत्साह बढ़ा है।

डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी के समर्थन में बयान दिया है। इसके अलावा, उनकी टैरिफ नीतियों ने अमेरिकी डॉलर को मजबूत किया है, जिससे क्रिप्टो बाजार में अस्थिरता कम हुई और बिटकॉइन को फायदा मिला।

ईटीएफ की बढ़ती डिमांड- बाजार में बिटकॉइन ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। इससे निवेशकों को संस्थागत मार्ग से क्रिप्टो में निवेश करने का अवसर मिला है, जो कीमतों को स्थिरता और ऊपर की दिशा दे रहा है। इसके अतिरिक बिटकॉइन में हाल की तेजी एक शॉर्ट-टर्म करेक्शन के बाद आई है। तकनीकी चार्ट पर यह एक बुलिश ब्रेकआउट के संकेत दे रहा है, जिससे आगे की रैली की संभावना प्रबल हो गई है।

क्या बिटकॉइन 1,25,000 तक पहुंच सकता है? मार्केट्स के एनालिस्ट टोनी साइकैमोर का मानना है कि यह तेजी अब बुल मार्केट के अगले चरण में प्रवेश कर रही है। उनके अनुसार बिटकॉइन का अगला संभावित लक्ष्य .1,25,000 है। हालांकि, इसमें वोलैटिलिटी बरकरार रहेगी और निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

बिटकॉइन क्या है और यह कैसे काम करता है?

बिटकॉइन एक डिजिटल मुद्रा है, जिसे आप इंटरनेट पर लेन-देन या निवेश के लिए उपयोग कर सकते हैं। यह ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आधारित होती है, जो प्रत्येक ट्रांजेक्शन का सुरक्षित और पारदर्शी रिकॉर्ड रखती है। बिटकॉइन को कोई सरकार या बैंक नियंत्रित नहीं करता, और इसे माइनिंग प्रक्रिया के ज़रिए कंप्यूटर के नेटवर्क से उत्पन्न किया जाता है। इसकी कीमत पूरी तरह से डिमांड और सप्लाई के आधार पर तय होती है, इसलिए इसमें तेज उतार-चढ़ाव सामान्य है।

निवेश से पहले जानें ये बातें

बिटकॉइन का बाजार बेहद अस्थिर होता है, इसलिए इसमें निवेश करने से पहले जोखिम को समझना जरूरी है। यदि आप लॉन्ग टर्म निवेशक हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, तो बिटकॉइन एक आकर्षक विकल्प हो सकता है। भारत में अभी तक बिटकॉइन पर कोई स्पष्ट नियामक फ्रेमवर्क नहीं है, लेकिन टैक्सेशन की गाइडलाइंस मौजूद हैं। 2022 से भारत में क्रिप्टो से कमाई पर 30 प्रतिशत टैक्स लागू है।

जून में खुदरा मुद्रास्फीति छह साल के निचले स्तर 2.10 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली, जेएनएन। जून में खुदरा मुद्रास्फीति छह साल के निचले स्तर 2.10 प्रतिशत पर पहुंच गई। सरकार ने इससे जुड़े आंकड़े साझा किए गए। जून में खुदरा मुद्रास्फीति कई वर्षों के निम्नतम स्तर 2.1 प्रतिशत पर पहुंच गई है। खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल से अधिक के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। मुख्य कारण सब्जियों, दालों, मांस और दूध सहित खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून 2024 में 5.08 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि जून, 2024 की तुलना में जून, 2025 के लिए सीपीआई पर आधारित वर्ष-दर-वर्ष मुद्रास्फीति दर 2.1 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है, मई 2025 की तुलना में जून 2025 की हेडलाइन मुद्रास्फीति में 72 आधार अंकों की गिरावट है। यह जनवरी 2019 के बाद साल-दर-साल सबसे कम मुद्रास्फीति है। इससे पहले जनवरी 2019 में 1.97 प्रतिशत की न्यूनतम दर दर्ज की गई थी। एनएसओ ने कहा कि जून 2025 में हेडलाइन मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियों, दालों और उत्पादों, मांस और मछली, अनाज और अन्य उत्पादों, चीनी और मिष्ठान्न, दूध और उत्पादों और मसालों की कीमतों में नरमी के कारण कारण है। जून में कपड़ा,जूता चप्पल की महंगाई घटकर 2.55 फीसदी पर रही है। जून में फ्यूल और बिजली की महंगाई मई के 2.78 फीसदी से घटकर 2.55 फीसदी पर रही है। जून में दालों की महंगाई मई के -8.22 फीसदी से घटकर -11.76 फीसदी पर ही है। जून में सब्जियों की रिटेल महंगाई मई के -13.70 से घटकर -19 फीसदी पर आ गई है। जून में रिटेल महंगाई दर जनवरी 2019 के निचले स्तर पर आ गई है।

रिटेल महंगाई 2.82 फीसदी घटकर 2.10 पर आई

रिटेल महंगाई मई में 2.82 फीसदी से घटकर 2.10 फीसदी पर आई है। हालांकि इसके 2.30 फीसदी पर रहने का अनुमान किया गया था। जून खाद्य महंगाई मई के 0.99 फीसदी से घटकर -1.06 फीसदी पर रही है। वहीं, ग्रामीण महंगाई 2.59 फीसदी से घटकर 1.72 फीसदी पर रही है। शहरी महंगाई महीने दर महीने आधार पर 3.10 फीसदी से घटकर 2.56 फीसदी पर रही है। वहीं, जून में हाउसिंग महंगाई मई के 3.16 फीसदी से बढ़कर 3.24 फीसदी पर रही है।

खाद्य महंगाई 74 महीनों के निचले स्तर पर पहुंची

आज आए आंकड़ों के मुताबिक जून महीने में रिटेल खाद्य महंगाई 74 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह अप्रैल 2019 के बाद पहली बार डिफ्लेशन के जोन में प्रवेश कर गई है। खाने-पीने की चीजों की कीमतों में गिरावट में सबसे ज्यादा योगदान देने वाली चीज़ों में सब्ज़ियां शामिल हैं। सब्ज़ियां पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 19 फीसदी सस्ती हो गई है। इसके आलावा दान की रिटेल महंगाई में भी साल-दर-साल आधार पर 12 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि तेल और फलों की ऊंची कीमतों ने महंगाई में आने वाली कमी को सीमित रखा है।

व्यापार वार्ता के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। वाणिज्य मंत्रालय का दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक और दौर की वार्ता के लिए वॉशिंगटन पहुंच गया है। भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल बुधवार को दल का हिस्सा बनेंगे। चार दिन की यह वार्ता बृहस्पतिवार को संपन्न होगी। अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बीटीए के लिए भारत के उप-मुख्य वार्ताकार बीटीए के पहले चरण पर बातचीत के लिए वॉशिंगटन पहुंच गए हैं। कृषि और दुग्ध उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। दुग्ध क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अबतक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। यह यात्रा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका ने अतिरिक्त आयात शुल्क (भारत के मामले में यह 26 प्रतिशत है) को एक अगस्त तक टाल दिया है।

पुतिन पर भड़के ट्रंप, 50 दिन में युद्ध का हल नहीं तो लगेगा 100 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने साफ किया है कि अगर रूस ने 50 दिनों के भीतर यूक्रेन में चल रहे युद्ध का कोई हल नहीं निकाला, तो अमेरिका उसकी बाकी व्यापारिक साझेदारियों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा देगा। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, हम सेकेंडरी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। अगर 50 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो यह बहुत आसान है- ये टैरिफ सीधे 100 प्रतिशत होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अब सिर्फ चेतावनी नहीं, बल्कि कड़ी कार्रवाई का समय है, जिससे रूस पर आर्थिक दबाव डाला जा सके ताकि युद्ध को समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा, मैं व्यापार का उपयोग कई चीजों के लिए करता हूं, लेकिन यह जंग को खत्म करने में अच्छा साबित होगा। मैं पुतिन को हत्यारा नहीं कहना चाहता, लेकिन वे एक कठोर व्यक्ति हैं।

अमेरिका का रूस पर बढ़ता दबाव- ट्रंप के इस बयान को रूस पर अमेरिका के बढ़ते आर्थिक दबाव के रूप में देखा जा रहा है। द्वितीयक टैरिफ लगाने से रूस के साथ व्यापार करने वाले अन्य देशों और कंपनियों को भी प्रभावित किया जाएगा, जिससे रूस की अर्थव्यवस्था को झटका लग सकता है।

रात में लोगों पर बम गिराते हैं पुतिन - ट्रंप : ट्रंप ने कहा, मैं राष्ट्रपति पुतिन से निराश हूं, क्योंकि मुझे लगा था कि दो महीने पहले हम युद्ध खत्म करने का समझौता कर लेंगे। मुझे लगता था कि वो जो कहते हैं, वो करते हैं। वो इतनी खूबसूरती से बात करते हैं फिर रात में लोगों पर बम गिरा देते हैं।

चीन ने भारत में आईफोन बनाने वाले इंजीनियरों को वापस बुलाया

सरकार बोली-चुनौती का सामना कर सकते हैं, एपल के पास विकल्प तैयार

चेन्नई, जेएनएन। आईफोन मैन्यूफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा है। 2024 में कंपनी के ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में इसका हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत था। भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन से 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियर्स और टेक्नीशियंस को अचानक वापस बुलाने पर भारत सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सरकार ने कहा है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एपल के पास उत्पादन को प्रभावित किए बिना काम चलाने के लिए पर्याप्त इंजीनियर्स मौजूद है। सरकारी अधिकारी ने कहा एपल के पास विकल्प हैं और वे इस चुनौती का सामना कर सकते हैं। यह मामला मुख्य रूप से एपल और फॉक्सकॉन के बीच है। यह बयान ऐसे में आया है जब एपल भारत में आईफोन 17 बनाने की तैयारी कर रहा है। इसका ट्रायल प्रोडक्शन जुलाई में शुरू होने की संभावना है। अगस्त में मास प्रोडक्शन किया जाएगा। चीन ने भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रभावित करने के लिए इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स को वापस बुलाने के निर्देश दिए हैं।

हाई-टेक असेंबली लाइन संभालते हैं चीनी इंजीनियर- चीनी इंजीनियर फॉक्सकॉन की हाई-टेक असेंबली लाइन, फैक्ट्री डिजाइन और भारतीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहे थे। इसके लिए भारत सरकार ने चीनी इंजीनियरों के लिए वीजा सुविधा भी प्रदान की थी, ताकि उत्पादन में कोई बाधा न आए।

चीन अपना रहा टिट-फॉर-टैट की रणनीति?

सूत्रों ने कहा, चाइनीज कर्मचारियों की संख्या 1 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन ये प्रोडक्शन और क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे अहम ऑपरेशंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चीनी सरकार द्वारा अपने नागरिकों को वापस बुलाने के निर्देश से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है। बीती दिनों चीन ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई भी रोक दी थी। ऐसे में चीन के इन दोनों कदमों को भारत की मैन्युफै. रिंग सेक्टर की ग्रोथ को कमजोर करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। चीन शायद भारत के साथ टिट-फॉर-टैट की रणनीति अपना रहा है, क्योंकि उनके कॉर्पोरेट कर्मचारियों को बिजनेस वीजा हासिल करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

जांच रिपोर्ट: नहीं मिले यांत्रिक या मेंटेनेंस दोष: एआई सीईओ

अहमदाबाद/नई दिल्ली, जेएनएन। अहमदाबाद विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट में विमान या इंजन में किसी यांत्रिक या रख-रखाव संबंधी खामी का उल्लेख नहीं किया गया है। यह जानकारी एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने एक आंतरिक ईमेल में कर्मचारियों को दी। विल्सन ने बताया कि दुर्घटना की जांच कर रहे एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रीलिमिनरी रिपोर्ट ने न तो कोई दुर्घटना का कारण निर्धारित किया है और न ही किसी निर्माता या संस्तुति के खिलाफ तत्काल कोई कार्रवाई सुझाई है। रिपोर्ट में ईंधन की गुणवत्ता, टेक-ऑफ रोल और पायलटों के मेडिकल परीक्षणों से भी जुड़ी कोई असामान्यता नहीं पाई गई है। विल्सन ने लिखा, 'पायलटों ने उड़ान से पूर्व अनिवार्य ब्रेथ एनालाइज़र परीक्षण पास किया, और उनकी मेडिकल स्थिति को लेकर रिपोर्ट में कोई आपत्ति नहीं है।'

विल्सन ने कहा कि दुर्घटना के बाद सभी बोइंग 787 विमानों की तुरंत जांच कराई गई थी, जिनमें कोई दोष नहीं पाया गया। उन्होंने आगे कहा, 'जांचकर्ता पूरी तरह से निष्पक्ष और व्यापक जांच कर सकें, इसके लिए हम हर संभव सहयोग जारी रखेंगे। भविष्य में किसी भी नई जांच या संशोधन की मांग आने पर उसे भी प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा।'

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में 18 दिन गुजारने के बाद लौट रहे चार यात्री

शुभांशु का धरती की ओर सफर शुरू

फ्लोरिडा/ नई दिल्ली, जेएनएन। 41 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर भारतीय झंडा अंतरिक्ष में लहराकर लौटने वाला है। वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सोमवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से पृथ्वी के लिए रवाना हो गए हैं। अब उनका 23 घंटे लंबा वापसी सफर शुरू हो चुका है, जो मंगलवार दोपहर लगभग 3 बजे समुद्र में 'स्प्लैशडाउन' के साथ पूरा होगा। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ रहा है। शुभांशु शुक्ला न केवल आईएसएस जाने वाले पहले भारतीय हैं, बल्कि 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय भी हैं।

शुभांशु शुक्ला ने 26 जून को आईएसएस पहुंचकर 18 दिन का ऐतिहासिक प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों में भाग लिया, जिनमें भारत के 7 प्रमुख प्रयोग शामिल थे। इस दौरान शुभांशु ने स्पेस में मेथी, मूंग और माइक्रो एल्गी को उगाया। इसके साथ ही हड्डियों की सेहत, और गैस्ट्रो स्वास्थ्य समेत अन्य कई शोध किए।

धरती से संवाद और देश की पहचान

28 जून को शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से अंतरिक्ष से संवाद किया। उन्होंने बताया कि 'अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है'। पीएम के गाजर का हलवा पूछने पर बोले - 'हां, साथियों संग मिलकर खाया!' 3, 4 और 8 जुलाई को उन्होंने लखनऊ, बेंगलुरु और तिरुवनंतपुरम के 500 से अधिक छात्रों से रेडियो के जरिए संवाद किया। उनका उद्देश्य विज्ञान और तकनीक में युवाओं की रुचि बढ़ाना था। 6 जुलाई को उन्होंने इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन और वैज्ञानिकों से बातचीत की और अपने अनुभव भारत के गगनयान मिशन से जोड़ने की बात कही।

सेहत | वैज्ञानिक शोध में सामने आई शराब छोड़ने के बाद शरीर में होने वाले बदलावों की वैज्ञानिक टाइमलाइन, पहले दिन से असर हो जाता है शुरू

शराब से महज एक दिन की दूरी देगी आपकी सेहत को राहत!

सिडनी, जेएनएन। शराब छोड़ने का विचार यदि आपके मन में कभी आया है, तो अब उसे टालिए मत। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि शराब से दूरी सिर्फ एक दिन में आपके शरीर को बेहतर बनाना शुरू कर देती है। चाहे आप हल्के, मध्यम या भारी मात्रा में शराब पीते हों, जैसे ही आप इसे छोड़ते हैं, शरीर और दिमाग राहत की ओर बढ़ने लगते हैं। यह रिपोर्ट शराब छोड़ने के पहले दिन से लेकर साल भर तक के समय में शरीर में होने वाले सकारात्मक बदलावों को दर्शाती है।

इस बदलाव की टाइमलाइन को लंबे शोध के बाद बनाया गया है। इसके मुताबिक पहले दिन से ही शरीर पर शराब न पीने का असर दिखने लगता है। शोध में पाया गया कि जो हल्के शराब पीने वाले लोग शराब छोड़ देते हैं, उनमें कैंसर का जोखिम 4 फीसदी तक घटता है, जबकि भारी पीने वालों में 9 फीसदी तक कम हो जाता है। शराब छोड़ने से रक्तचाप भी नियंत्रित होता है जिससे किडनी, आंखों और यौन स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।

पहला दिन: शरीर करता है खुद को हल्का महसूस

शराब पीने के 24 घंटे के अंदर यह शरीर से बाहर निकल जाती है। इसके बाद आपका शरीर फिर से पानी को ठीक से अवशोषित करने लगता है, जिससे डिहाइड्रेशन घटती है। इसका असर आपकी पाचन क्रिया, ऊर्जा स्तर और मस्तिष्क के कार्य पर तुरंत दिखने लगता है। हालांकि, यदि आप रोजाना पीते रहे हैं तो शुरू में बेचैनी, पसीना, नींद की गड़बड़ी या मनोस्थिति में बदलाव हो सकते हैं। लेकिन यह सामान्य लक्षण हैं और अधिकतर एक सप्ताह में समाप्त हो जाते हैं।

पहला सप्ताह: नींद गहरी, ऊर्जा बढ़ी: शराब भले ही नींद लाने में मदद करती हो, लेकिन असल में यह नींद के चक्र को बिगाड़ देती है। एक सप्ताह शराब से दूर रहने के बाद आपकी नींद की गुणवत्ता सुधरती है। सुबह आप खुद को ज्यादा ऊर्जावान और ताजगी से भरा महसूस करते हैं। शराब लीवर को भी नुकसान पहुंचाती है, लेकिन लीवर के पास स्वयं को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है। हल्के नुकसान में एक हफ्ते का विराम भी वसा घटाने और ऊतक सुधारने के लिए काफी होता है।

दो हफ्ते से एक महीना: दिमाग और मूड में सुधार: कुछ दिनों में हल्के और मध्यम पीने वालों का मस्तिष्क बेहतर काम करने लगता है। भारी शराब पीने वालों के लिए भी एक महीना काफी होता है। तीन से चार सप्ताह में आप पाएंगे कि चिंता और अवसाद के लक्षण कम हुए हैं, नींद सुधरी है और समग्र रूप से आप ज्यादा संतुलित और सकारात्मक महसूस कर रहे हैं।

एक महीना: वजन, त्वचा और आत्मविश्वास में सुधार: शराब में अधिक कैलोरी होती है और हम ज्यादा या अस्वस्थ भोजन की ओर झुकते हैं। शराब छोड़ने के एक महीने के अंदर लोग वजन और चर्बी में कमी महसूस करते हैं। त्वचा की भी हालत सुधरती है और डिहाइड्रेशन और सूजन धीरे-धीरे कम हो जाता है। पेट की गड़बड़ियां जैसे गैस, अपच, जलन और डायरिया भी ठीक होने लगती हैं।

छह महीने: इम्यून सिस्टम और लीवर को नया जीवन

मध्यम शराब पीने वालों के लिए छह महीने में लीवर पूरी तरह मरम्मत कर सकता है। इस दौरान भारी पीने वाले भी महसूस करते हैं कि वे कम बीमार पड़ते हैं, उनका प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत हुआ है।

एक साल: दिल, कैंसर और जीवन के प्रति नजरिया बदलता है

शराब हृदय रोग, स्ट्रोक, टाइप 2 मधुमेह और 7 प्रकार के कैंसर के जोखिम को बढ़ाती है। लगातार शराब से दूरी बनाए रखने पर इन बीमारियों का खतरा बेहद तेजी से घटता है।

सिमी पर जारी रहेगा प्रतिबंध, याचिका खारिज

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक न्यायिक न्यायाधिकरण के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर लगाए गए प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ाए जाने की पुष्टि की गई थी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने न्यायाधिकरण के 24 जुलाई, 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार ने 29 जनवरी, 2024 को सिमी पर प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया था जिसके बाद न्यायाधिकरण का गठन गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत किया गया था।

जेरुका ग्राम के लोगों ने सड़क के लिए लगाया जाम

बनकुइयां रोड का मामला, पुलिस ने समझाइश देकर जाम खुलवाया

आंचलिक डेस्क, रीवा

बनकुइयां मार्ग पर स्थित ग्राम जेरुका के रहवासियों ने विकराल होती सड़क की समस्या से परेशान होकर सोमवार को चकाजाम कर दिया। घंटों दोनों ओर वाहन की कतारें लगी रही, चकाजाम की सूचना मिलते ही चोरहटा पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामवासियों को समझाइश देकर जाम खुलवाया।

ग्राम जेरुका के रहवासियों ने बताया कि सड़क पर कीचड़ और जलभराव के चलते लोगों का घर पहुंचना मुश्किल है। चारों ओर पानी ही पानी हो गया। पगडंडियां कीचड़ में तब्दील हो गई, खेत जाने के रास्ते बंद हो गए। परेशान ग्राम जेरुका के रहवासी छत पर डालने वाली सेंटरिंग की पटरियां लेकर सड़क पर उतर आए। प्रशासन व पुलिस को जाम की सूचना मिलने पर चोरहटा पुलिस मौके पर पहुंची, जाम लगाए लोगों को समझाइश दी, लोग मान भी गए किन्तु तभी ग्राम की महिलाएं सड़क पर उतर आईं और फिर से जाम लगा दिया। महिलाओं ने कहा कि उनके गांव में सड़क न होने से पूरा गांव परेशान है। वर्षों से ग्रामवासी सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव इधर आते ही नहीं, प्रशासनिक अधिकारी भी कभी दिखाई नहीं देते, बार-बार जाकर जिला पंचायत में, कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दे चुके, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है।

ग्रामीण विकास के लिए लाखों रुपए का आता है बजट

ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास के लिए लाखों रुपए का बजट आता है, किन्तु यह राशि सरपंच, सचिव डकार जाते हैं। कागजों में सड़क और नाली का निर्माण दिखाकर इंजीनियरों से मिली भगत कर सारी राशि चट कर जाते हैं। मप्र सरकार ने लोगों के घरों तक सड़क मार्ग पहुंचाने के लिए सीएम सुदूर सड़क ग्राम योजना शुरू की थी, जिसमें लोगों की मर्जी से भूमि लेकर सड़क निर्माण करवाया जाता था, किन्तु लोग सड़क के लिए भी जमीन नहीं देते व सड़क बनने के बाद आपत्ति लगाते हैं, इस योजना को भी सरकार ने बंद कर दिया। पुलिस ने ग्रामवासियों को काफी देर तक समझाया, तब जाकर ग्रामवासी माने और चकाजाम खत्म किया, जिसके बाद आवागमन बहाल हुआ।

कमेटी बनाकर ग्राम पंचायत बाबूपुर की जांच कराए जाने की मांग

रीवा। ग्राम सिगटी पोस्ट डगरदुआ ग्राम पंचायत बाबूपुर विकासखंड गंगेव निवासी बुद्धसेन द्विवेदी ने आयुक्त को आवेदन देकर सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत बाबूपुर द्वारा लाखों रुपए का भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इसकी जांच कमेटी बनाकर जांच कराई जाने की मांग की। शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत में फर्जी तरीके से शासकीय राशि का दुरुपयोग करते हुए एक भी निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण नहीं है, सीसी जारी कर करोड़ों रुपए का स्व लाभ आहरित यिका गया है, जिसके जिम्मेदार ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच व उपयंत्री हैं। पिछले 3 वर्षों के संपूर्ण कराए गए कार्यों की व सरपंच/सचिव द्वारा शासकीय राशि आहरित की गई जो अति भ्रष्टाचार से संबंधित गंभीर प्रकृति का प्रकरण है। समस्त निर्माण कार्य जैसे पीसीसी, आरसीसी, पुलिया निर्माण, मनरेगा योजना अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्य, पंचपरमेश्वर योजनान्तर्गत निर्माण कार्य, विधायक निधि, सांसद निधि एवं अन्य मदों से कराए गए निर्माण कार्य की माप पुस्तिका, पूर्णता प्रमाण पत्र, प्रशासनिक स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति, समस्त दस्तावेज मंगाकर विधिवत जांच कराया जाना न्यायोचित है।

अगड़ाल पंचायत में दो माह से जला ट्रांसफार्मर नहीं बदला

गढ़, नि.प्र.। गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अगड़ाल (पोस्ट अमिलिया, थाना गढ़) के वार्ड क्रमांक 7 एवं वार्ड क्रमांक 4 के निवासी विगत दो महीनों से जले हुए ट्रांसफार्मर के कारण अंधेरे में जीवन गुजारने को विवश हैं। लोगों ने संवाददाता को बताया है कि बिजली की अनुपलब्धता के चलते पेयजल संकट, संचार बाधा, सुरक्षा जोखिम और सामान्य जीवनचर्या पूरी तरह चरमरा चुकी है। ग्रामीण हैंडपंप से पानी खींच नहीं पा रहे, बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे, मोबाइल चार्ज नहीं हो रहे और पूरा गांव घुप अंधेरे में डूबा हुआ है। बरसात के इस मौसम में जब नाले-नदियाँ उफान पर हैं, हर ओर कीचड़ और पानी भरा है, ऐसे में बिजली न होना जानलेवा खतरे को आमंत्रण दे रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि अंधेरे का फायदा उठाकर सांप-बिच्छू जैसे विषैले जीव खुलेआम घूमते हैं, जिससे हर दिन जान का खतरा मंडराता है। संवाददाता को बताया गया है कि ग्रामीणों ने दर्जनों बार बिजली विभाग, पंचायत सचिव, जनपद प्रतिनिधियों और क्षेत्रीय विधायक तक गुहार लगाई है, लेकिन शिकायतें सिर्फ कागज़ों में दबी रह गईं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो वे प्रशासनिक कार्यालयों का घेराव करेंगे, हाईवे जाम करेंगे और बड़ा जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

मऊगंज जिले में अब तक 587.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

मऊगंज। मऊगंज जिले में एक जून से अब तक 587.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि एक जून से अब तक तहसील मऊगंज में 509.2 मिलीमीटर, हनुमना में 680.5 मिलीमीटर तथा नईगढ़ी में 572.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 208.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की सामान्य औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

फार्मर रजिस्ट्री में नहीं मिली प्रगति, तहसीलदारों का रुकेगा वेतन

बाढ़ प्रभावितों को एक सप्ताह में राहत राशि प्रदान करें: कलेक्टर

जागरण, रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों सहित राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि चालू माह में जारी होने वाली सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में सभी विभाग ए ग्रेड में रहना सुनिश्चित करें। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समाधानपूर्वक निराकरण करते हुए पचास दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिये। प्रसूति सहायता की राशि न मिलने अथवा कम मिलने की शिकायतों में समाधानकारक जबाव न दिये जाने पर अधीक्षक संजय गांधी अस्पताल को नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की शिकायतों के प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये ताकि रैंकिंग में सुधार हो। बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावितों को एक सप्ताह में राहत राशि की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने सेप्टिक टैंक व खुले बोरबेल में जल भराव न होने के लिये निर्देशित किया तथा मुनादी कराकर इन्हें बंद रखने के निर्देश दिये। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में क्लोरीन का छिड़काव किये जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति न होने पर आगामी आदेश तक तहसीलदारों का वेतन आहरण रोके जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा बैठक में दिये गये। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अन्तर्गत प्रतिदिवस किये जाने वाले पौधारोपण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों के भ्रमण के उपरांत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के दिये बैठक में दिये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जलमग्न होने वाले पुल और रपटों में तत्काल बैरियर लगाएं

क्षेत्र में भ्रमण कर निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें: कमिश्नर

जागरण, रीवा। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। क्षेत्र में भ्रमण करके निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करके उसे तय समय सीमा में पूरा कराएं। निर्माण कार्य में भू-अर्जन अथवा अन्य किसी तरह की बाधा को समन्वय बनाकर तत्काल दूर करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में गत तीन दिनों में भारी वर्षा हुई है। जिन सड़कों में पुल और रपटे जलमग्न हो जाते हैं उनमें तत्काल बैरियर लगाकर कर्मचारी तैनात करें। पुल में पानी आने पर दोनों ओर से आवागमन बंद कराएं। अधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों का सर्वे करके इनमें सुधार का कार्य शुरू करें।

कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम राइज स्कूल रामपुर बघेलान, उचेहरा तथा मझगवां में समस्त औपचारिकताएं पूरी करके निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं। निर्माण कार्यों में जमीन के संबंध में किसी भी तरह की कठिनाई होने पर कलेक्टर को अवगत कराएं। मैहर जिले में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 39 शासकीय आवास मंजूर हुए हैं। इनका निर्माण कार्य तत्काल शुरू करें। छात्रावास भवन के लिए भी उपयुक्त स्थल तय करके निर्माण कार्य शुरू कराएं। मैहर में ही सर्किट हाउस में अतिरिक्त कक्ष और रामगढ़ के शासकीय स्कूल भवन के निर्माण की बाधाएं दूर करके उनका कार्य शुरू करें। बैठक में रीवा बायपास के उन्नयन, सीधी-सिंगरौली हाईवे के निर्माण, मऊगंज में शासकीय आवास निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता आरके वर्मा ने सड़कों तथा अन्य निर्माण कार्यों की जिलेवार जानकारी दी। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग एसपी तिवारी, महाप्रबंधक एमपीआरडीसी विनोद तंतुवाय, कार्यपालन यंत्री नितिन पटेल, कार्यपालन यंत्री सेतु बीएस त्रिपाठी तथा सीधी, सिंगरौली, सतना जिलों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूरा कराओ सीतापुर बदवार रोड का शेष कार्य

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि सीतापुर से बदवार मार्ग में शेष बचे चार किलोमीटर का कार्य एक माह में पूरा करें। रीवा-प्रयागराज मार्ग में सोहागी घाट में सड़क में सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। सभी फोरलेन सड़कों में डिवाइडर में पौधे रोपित कराएं। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी उचित प्रबंध करें। विभागीय मद से 243 सड़कों का संभाग के विभिन्न जिलों में निर्माण किया जा रहा है। इनमें से अभी केवल 39 सड़कों का कार्य पूरा हुआ है। शेष 165 प्रगतिरत सड़कों का कार्य समय पर पूरा कराएं।

अधिवक्ता संघ मनगवां की निर्वाचन अधिसूचना जारी

16 जुलाई से नाम निर्देशन पत्र दाखिल एवं 30 जुलाई को मतदान एवं परिणाम घोषणा

मंनगवा नि. प्र.। अधिवक्ता संघ मनगवां ने बार एसोसिएशन नियमनुसार अपने निर्वाचन प्रक्रिया के तहत निर्वाचन के दो वर्ष पूरे होने पर नया निर्वाचन कराया जाता है। जिसमें अधिवक्ता संघ मनगवां का कार्य काल पूरे हो गया हैं और अब नया निर्वाचन होना चाहिए। जिसके तारतम्य में निवर्तमान अध्यक्ष/सचिव सहित कार्यकारिणी सदस्य ने बैठक कर निर्वाचन अधिकारी नियुक्ति कर अपने समस्त अधिकार एवं आवश्यक दस्तावेज नियुक्त निर्वाचन अधिकारी को सौंप दिया है। निर्वाचन अधिकारी के रूप मे वरिष्ठ अधिवक्ता एस.के. तिवारी को नियुक्त किया गया है। निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया शुरू कर मतदाता सूची का प्रकाशन कर नाम निर्देशन दाखिल करने सहित मतदान के तारीख सहित परिणाम घोषित किए जाने की तिथि की सूचना जारी कर दी है। जिसमें 16 जुलाई से 18 जुलाई तक नाम निर्देशन दाखिल किया जायेगा। 19 जुलाई नाम वापसी एवं 30 जुलाई कों मतदान शाम 5:00 बजे तक इसके उपरांत मतगणना एवं परिणाम घोषित किए जाएंगे। उक्त आशय की जानकारी अधिवक्ता संघ मंनगवा के सचिव एड पंकज मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी हैं।

सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

मऊगंज में निकली ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

हनुमना, नि.प्र.। कांग्रेस महासचिव निलेश केसरी ने संवाददाता को बताया कि सावन के पहले सोमवार को मऊगंज जिले में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि हर दिशा से सिर्फ एक ही आवाज सुनाई दी, हर-हर महादेव! शिवभक्ति में रंगे हजारों श्रद्धालुओं की टोलियां नंगे पांव कांवर उठाए जब दुबिया से मंडपहा धाम की ओर बढ़ीं, तो पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

कांवड़ यात्रा इस बार और भी ऐतिहासिक रही : श्रद्धा, उल्लास और एकता के इस संगम में कांग्रेस के पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना ने भी हर वर्ष की भांति कांवर यात्रा में सहभागिता निभाई। नंगे पांव, कांधे पर कांवर, और मुख पर भक्ति की मुस्कान, पूर्व विधायक का यह रूप श्रद्धालुओं को भावविभोर कर गया। उन्होंने यात्रा की अगुवाई करते हुए करीब 15 किलोमीटर की दूरी तय की।

शिव भक्ति में डूबा माहौल, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम

पूरे यात्रा मार्ग पर भक्तों के लिए पानी, स्वास्थ्य और भजन मंडलियों की समुचित व्यवस्था की गई थी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, शिव भक्ति के गीत और गगनभेदी जयघोषों ने वातावरण को किसी तीर्थस्थल में बदल दिया। बुजुर्ग हों या युवा, महिलाएं हों या बच्चे हर किसी ने कांवड़ यात्रा में उत्साह से हिस्सा लिया।

विशाल भंडारे में हजारों ने पाया प्रसाद

यात्रा का समापन मंडपहा धाम पर हुआ, जहां भक्तों ने गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह ने कहा — यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, एकता और जनभावना का उत्सव है। जब समाज के हर वर्ग के लोग बिना किसी भेदभाव के साथ चलें, तो वह समाज की आत्मा को मजबूत करता है।

प्रशासन रहा मुस्तैद

यात्रा को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह से सक्रिय रहा। सुरक्षा, ट्रैफिक और मेडिकल सहायता की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और समाजसेवियों ने मिलकर यात्रा को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संवाददाता को बताया गया कि यह सिर्फ एक कांवड़ यात्रा नहीं थी यह जनसामान्य की आस्था, समाज की एकता और संस्कृति की जीवंत तस्वीर थी। मऊगंज ने सावन के पहले सोमवार को जो दृश्य देखा, वह लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में गूंजता रहेगा।

शा.पूर्व.माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं आज करेंगे चक्का जाम

जवा ब्यूरो। जनपद शिक्षा केन्द्र जवा संकुल सितलहा अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुशमैदा के छात्र-छात्राएं, अभिभावक शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सचिव द्वारा विद्यालय में हुए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग को लेकर आज 15 जुलाई को सुबह 9बजे से विद्यालय के सामने जवा चिल्ला रोड पर चक्का जाम करेंगे। जिसकी पूर्व मे सूचना शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुशमैदा के प्रधानाध्यापक शिव प्रसाद वर्मा एवं शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष निर्मला द्वारा एसडीएम जवा को आवेदन देकर विद्यालय में हुए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की थी, लेकिन शासन प्रशासन द्वारा आज तक विद्यालय का अतिक्रमण नहीं हटाया गया है जिससे नाराज छात्र-छात्राओं, अभिवावकों शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा कुशमैदा विद्यालय के सामने चक्का जाम किया जायेगा। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष निर्मला का कहना है कि अतिक्रमण के चलते छात्र-छात्राओं को शैचालय तक की समुचित व्यवस्था नहीं है।

गौवंशों को आवारा छोड़ने वाले पशुपालकों पर कड़ी कार्यवाही की मांग

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज जिले में सड़कों पर आवारा गौवंशों की बढ़ती संख्या अब आम नागरिकों के लिए जानलेवा बनती जा रही है। मुख्य मार्गों से लेकर गांव की गलियों तक, हर जगह छुट्टा घूमते मवेशी हादसों की बड़ी वजह बन चुके हैं। विशेषकर रात के समय जब दृश्यता कम होती है, तब सड़क पर अचानक आ जाने वाले गौवंशों के कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है।

स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जिला प्रशासन इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा है। करोड़ों की लागत से बनी गौशालाएं केवल कागजों तक ही सीमित नजर आ रही हैं, जिनमें या तो मवेशी हैं ही नहीं या उनकी देखरेख का कोई उचित प्रबंध नहीं है। वहीं दूसरी ओर कई पशुपालक जानबूझकर अपने गौवंशों को सड़कों पर छोड़ देते हैं जिससे उनकी जिम्मेदारी भी खत्म हो जाती है और मवेशी पूरे क्षेत्र में आवारा घूमते रहते हैं। आम जनता का कहना है कि जब तक ऐसे पशुपालकों पर कड़ी कार्यवाही नहीं की जाएगी, तब तक यह समस्या जस की तस बनी रहेगी। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से लगातार शिकायतों के बावजूद भी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यदि समय रहते प्रशासन ने सख्त कार्यवाही नहीं की तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

स्थानीय समाजसेवियों और ग्रामीणों रखी मांग

प्रत्येक गांव और शहर में सक्रिय रूप से गौशालाओं को संचालित किया जाए। सड़कों पर घूमते मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाए। लापरवाह पशुपालकों पर जुर्माना और कानूनी कार्यवाही की जाए। गंभीर दुर्घटनाओं से पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाए।

दिसम्बर एवं जून में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के इंक्रीमेंट की मांग

प्रोग्रेसिव पेंशनर संगठन की मासिक बैठक सम्पन्न

मऊगंज ब्यूरो। प्रोग्रेसिव पेंशनर संगठन की मासिक बैठक वाई.एन. द्विवेदी की अध्यक्षता एवं कालिका प्रसाद मिश्र के संरक्षकत्व में श्री सिद्ध हनुमान मंदिर के प्रांगण में आयोजित की गई। जिसमें पेंशनर के डी.ए. एरियर्स जो बकाया है उसके संबंध में चर्चा की गई । साथ ही धारा 49(6) के हटाने के संबंध में चर्चा की गई। केन्द्र द्वारा पेंशनर को आठवां वेतनमान का लाभ दिया जा रहा है। अतः म.प्र. के पेंशनर को भी आठवां वेतनमान का लाभ दिया जाय। पेंशनर जो दिसम्बर एवं जून में सेवानिवृत्त हुये हैं उनको इन्क्रीमेंट देने का आदेश है किन्तु शासन अब भी जो न्यायालय से आदेश लाते हैं उन्ही को दिया जाता है। अतः न्यायालय जाने की झंझट समाप्त की जाय तथा शासन सार्वजनिक आदेश पेंशनर को इन्क्रीमेंट देने हेतु जारी करे तथा उसमें स्पष्ट उल्लेख किया जाय कि, उक्त पेंशनर को कोर्ट जाने की आवश्यकता न हो। मूल पेंशन 80 वर्ष में 20 प्रतिशत की जो बृद्धि दी जा रही है उसे क्रमशः 65, 70, 75, 80 वर्ष में मूल वेतन में 5-5 प्रतिशत की वृद्धि की जाय। उक्त सभी मांगे 02 जुलाई को प्रांतीय बैठक में रखी गई तथा शासन से मांग की गई। पेंशनरों को बैठक में पेंशन लेने हेतु लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ता है जिसमें पेंशनरों को बहुत अधिक कठिनाई जाती है अतः जिले के सभी बैंको को जहां से पेंशनर की पेंशन मिलती है उन्हे उक्त के संबंध में सुधार हेतु लिखा जाय। साथ ही पेंशनर की सदस्यता बढ़ाने एवं मासिक बैठक में उपस्थित तथा प्रगति के संबंध में जानकारी दें ऐसा सभी सदस्यों से उपेक्षा की गई है तथा संगठन के संबंध में अपने सुझाव देने के लिए कहा गया है। जिसमें अध्यक्ष कदर्म ऋषि ने सुझाव दिया कि, इस संगठन में विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, राजस्व, प्रशासन आदि विभागों में कार्य का अनुभव रखने वाले सदस्य सक्रिय हैं तथा उनसे अपेक्षा की जाती है कि, संगठित रूप से सामाजिक कार्यों में भी अपनी भागीदारी दें जिससे भ्रष्टाचार, प्रशासनिक शिथिलता को दूर करने के प्रयास कर जिले के विकास में भी गति आवे। बैठक में अध्यक्ष कर्दम ऋषि तिवारी, सूर्यमणि शुक्ला, रामलखन शर्मा, डॉ. लक्ष्मण प्रसाद शुक्ला, रामाश्रय मिश्रा, रामनिधि मिश्र, यज्ञनारायण पाण्डेय, वैदेहीं प्रसाद पाण्डेय, त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय, कालिका प्रसाद मिश्र अध्यक्ष नईगढ़ी सहित अन्य पेंशनर मौजूद रहे।

विष्णु भोग आटा मिल चौखंडी में किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

तहसीलदार जवा को ज्ञापन सौंपकर किसानों के पैसा दिलवाये जाने की मांग

जवा ब्यूरो। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं आदिवासी एकता महासभा के संयुक्त तत्वावधान में विष्णु भोग आटा मिल चौखंडी के सामने धरना प्रदर्शन कर मिल मालिक द्वारा किसानों से खरीदे गए गेहूं के भुगतान कराये जाने की मांग करते हुए तहसीलदार जवा को ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अमित सोहगौरा, सीआईटू के सम्भागीय नेता गिरिजेश सिंह, मध्यप्रदेश किसान सभा के जिला सचिव रामजीत सिंह, वरिष्ठ नेता कांति कुमार दुबे ने किया। अपने उद्बोधन में जिला सचिव अमित सोहगौरा ने कहा कि लगभग 50 किसानों ने अपना गेहूं मिल में ले जाकर के 2475 रु प्रति कुंटल की दर से बिक्री किया था जिसकी अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए के करीब है जिसका भुगतान मिल मालिक द्वारा आज तक नही किया गया जिसकी हम घोर निन्दा करते हैं सवाल यह उठता है कि क्या मिल मालिक को इतने व्यापक मात्रा में तीन से चार करोड़ की गेहूं की खरीदी कर गोदाम में रखने की शासन के द्वारा परमिशन दी गई है। यह भी एक जांच का अहम मुद्दा है। उन्होंने जिला कलेक्टर रीवा से मिल एवं गेहू खरीदी की निष्पक्ष जांच कराकर किसानों का बकाया पैसा तत्काल भुगतान कराये जाने की मांग की है। उक्त अवसर पर कामरेड शैलेश वर्मा राज नारायण सिंह, योगेंद्र तिवारी, भुसावल प्रजापति, कमलेश तिवारी, डॉक्टर मौजी लाल सिंह, शंभू सिंह, अशोक कुमार शुक्ला, छेदीलाल कोरी, कामता दिन वर्मा, छोटेलाल वर्मा, दोला बर्मा, मोहम्मद सदीक, रिंकू चिकवा सहित काफी संख्या में ग्रामीण जन किसानों ने धरना प्रदर्शन में भाग लिया।

शोक संतृप्त परिवारों से मिले गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह

गुढ़ (नि.प्र)। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेंद्र सिंह आज रगनियां निवासी श्याम लाल कोल के निधन पर उनके निवास पहुंचे और शोक संतृप्त परिवार से मुलाकात कर गहन शोक संवेदना व्यक्त की। इसके पश्चात विधायक गुढ़ वार्ड क्रमांक 10 निवासी शंकर लाल तिवारी के दुखद निधन पर तथा वार्ड क्रमांक 11 निवासी भाजपा नेता स्व. शिवदीन गुप्ता की धर्मपत्नी के निधन पर उनके घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की एवं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी मंडल गुढ़ के अध्यक्ष एड. अनंत कुमार गुप्ता, पीएसओ रविन्द्र तिवारी सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लॉर्ड्स में अंत तक लड़े जडेजा, नहीं दिला पाए भारत को जीत

तीसरा टेस्ट 22 रन से जीता इंग्लैंड, पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बनाई बढ़त, भारत के आखिरी तीन विकेटों ने 50 ओवर तक खींचा मैच

जेएनएन, लंदन

रविंद्र जडेजा के नाबाद जुझारू अर्धशतक के बावजूद भारत को लॉर्ड्स में तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को 22 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ इंग्लैंड ने पांच मैच की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड की 22 रनों की जीत लॉर्ड्स में सबसे कम रनों की टेस्ट जीत है। शोएब बशीर ने सिराज (04) को बोल्ड करके इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड के 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत चार साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे जोफ्रा आर्चर (तीन विकेट), कप्तान बेन स्टोक्स (तीन विकेट) और ब्राइडन कार्स (दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 82 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे, लेकिन जडेजा (नाबाद 61) ने नीतीश कुमार रेड्डी (13) के साथ आठवें विकेट के लिए 91 गेंद में 30, जसप्रीत बुमराह (05) के साथ नौवें विकेट के लिए 132 गेंद में 35 और सिराज के साथ अंतिम विकेट के लिए 80 गेंद में 23 रन की साझेदारी करके अप्रत्याशित जीत की उम्मीद जगाई थी, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए। सीरीज का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। भारत ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 58 रन से की। टीम को तेजी से टूटती और असमान उछाल वाली पिच पर 135 रन की और जरूरत थी। पहले घंटे के अंदर रिषभ पंत (नौ), केएल राहुल (39) और वाशिंगटन सुंदर (शून्य) के आउट होने से भारत की हार लगभग तय नजर आने लगी थी। आठ विकेट 112 रन पर गिरने के बाद लग रहा था कि यह मैच आसानी से इंग्लैंड जीत जाएगा, लेकिन यह इतना भी आसान नहीं था। बुमराह ने 54 और सिराज ने 30 गेंदों तक संघर्ष किया और जडेजा का बेहतरीन साथ दिया। जडेजा ने लगातार चौथी पारी में चौथा अर्धशतक लगाया और वह आखिरी समय तक टीम को जीत की तरफ ले जाने का प्रयास करते रहे। हालांकि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

■ जडेजा (72 व 61*) लॉर्ड्स में दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में 1952 में वीनू मांकड़ ने अर्धशतक जड़ा था।

विदेश में भारत की टेस्ट में करीबी हार

हार	विरुद्ध	स्थान	साल
16 रन	ऑस्ट्रेलिया	ब्रिसबेन	1977
22 रन	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	2025
31 रन	इंग्लैंड	बर्मिंघम	2018
38 रन	ऑस्ट्रेलिया	एडिलेड	1992
38 रन	वेस्टइंडीज	बारबाडोस	1997

भारत की टेस्ट में सबसे कम रनों से हार

हार	विरुद्ध	स्थान	साल
12 रन	पाकिस्तान	चेन्नई	1999
16 रन	ऑस्ट्रेलिया	ब्रिसबेन	1977
16 रन	पाकिस्तान	बेंगलुरु	1987
22 रन	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	2025
25 रन	न्यूजीलैंड	वानखेड़े	2024

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड पहली पारी : 387
भारत पहली पारी : 387
इंग्लैंड दूसरी पारी : 192
भारत दूसरी पारी : 170/10 (74.5 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का. स्मिथ बो. आर्चर	0	7	0	0
राहुल पगबाधा बो. स्टोक्स	39	58	6	0
नायर पगबाधा बो. कार्स	14	33	1	0
गिल पगबाधा बो. कार्स	6	9	1	0
आकाशदीप बो. स्टोक्स	1	11	0	0
रिषभ पंत बो. आर्चर	9	12	2	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	61	181	4	1
सुंदर का. एंड बो. आर्चर	0	4	0	0
नीतीश का. स्मिथ बो. वोक्स	13	53	1	0
बुमराह का. कुक बो. स्टोक्स	5	54	1	0
मोहम्मद सिराज बो. बशीर	4	30	0	0

अतिरिक्त : 18, **कुल** : 74.5 ओवर में 170 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन** : 1-5, 2-41, 3-53, 4-58, 5-71, 6-81, 7-82, 8-112, 9-147, 10-170, **गेंदबाजी** : क्रिस वोक्स 12-5-21-1, जोफ्रा आर्चर 16-1-55-3, बेन स्टोक्स 24-4-48-3, ब्राइडन कार्स 16-2-30-2, जो रूट 1-0-1-0, शोएब बशीर 5.5-1-6-1.

■ बशीर की एक अंदर आती गेंद को सिराज ने बेहतरीन ढंग से डिफेंड कर लिया था, लेकिन गेंद क्रीज में ही गिरकर लुढ़कते-लुढ़कते, बैक स्पिन होते हुए लेग स्टंप पर लग गई और भारत की जीत की उम्मीदें धराशायी हो गईं।

हार के मुख्य कारण

पहली पारी में बढ़त : पहली पारी में बढ़त मिलना भारत के लिए बहुत अहम हो सकता था। भारत लॉर्ड्स टेस्ट में तभी पीछे हो गया था, जब पहली पारी में बढ़त हासिल नहीं कर पाया। भारत ने पहली पारी में आखिरी 4 विकेट 11 रन पर गंवा दिए। लॉर्ड्स की पिच आसान नहीं थी। ऐसे में चौथी पारी में किसी भी टीम के लिए लक्ष्य आसान नहीं होता।

पंत रनआउट : पहली पारी में पंत और राहुल के बीच 141 रन की साझेदारी हुई। तीसरे दिन लंच से ठीक पहले राहुल के शतक पूरा करने के चक्कर मेंयह साझेदारी टूटी। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे पंत (74) रनआउट हो गए। स्टोक्स ने बेहतरीन थ्रो मारा। वह थोड़ी देर और बल्लेबाजी कर लेते तो भारत पहली पारी में बढ़त लेने में कामयाब होता।

स्मिथ का कैच छूटना : इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज स्मिथ ने पहली पारी में 51 रन बनाए। राहुल ने सिराज की गेंद पर स्लिप में उनका कैच छोड़ा। तब स्मिथ 1 रन पर थे। इसके बाद उन्होंने 50 रन जोड़े। वह जब आउट हुए तब इंग्लैंड का स्कोर 355 तक पहुंच गया था।

63 अतिरिक्त रन : भारत ने मैच कुल 63 अतिरिक्त रन दिए। इंग्लैंड को पहली पारी में 31 और दूसरी पारी में 32 रन अतिरिक्त मिले। जबकि इंग्लैंड ने 18 रन ही अतिरिक्त रन दिए। लेग बाय के भी एक्स्ट्रा गिनें तो भारत ने 63, जबकि इंग्लैंड ने 30 ही एक्स्ट्रा रन खर्च किए।

करुण, यशस्वी, शुभमन नहीं चले : लीड्स और बर्मिंघम टेस्ट में जहां भारत की बैटिंग शानदार रही थी, वहीं लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की बल्लेबाजी ने च्यादा निराश किया। शुरुआती 2 टेस्ट में शुभमन गिल ने 3 और यशस्वी जायसवाल ने 1 शतक लगाया था। इस बार दोनों मिलकर 39 रन ही बना सके। शुरुआती 2 टेस्ट में 1 भी फिफ्टी नहीं लगा सके करुण भी 40 और 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए। यशस्वी, शुभमन और करुण के खराब प्रदर्शन ने राहुल, पंत और जडेजा पर निर्भरता बढ़ा दी।

मैदान से हटकर

शादी के सात साल बाद अलग हुए साइना-कश्यप

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने पति पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की घोषणा की है। साइना ने इंस्टाग्राम पर अपने फैसले की घोषणा की। दोनों सहमति से अलग हुए हैं। साइना और पारुपल्ली लगभग 7 साल की शादी के बाद अलग हो गए हैं। साइना की ओर से इंस्टाग्राम पर जारी अपडेट ने खेल जगत को हैरान कर दिया है। दो बार की कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन साइना ने लिखा कि जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। बहुत सोच-विचार के बाद, कश्यप और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास का रास्ता चुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती। इस दौरान हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद। साइना और कश्यप ने दिसंबर 2018 में शादी की थी। एक साथ प्रशिक्षण लिया दोनों ने शुरुआती दिनों से ही हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद अकादमी में साथ प्रशिक्षण लिया था। साइना ओलंपिक कांस्य पदक और विश्व में नंबर एक रैंकिंग के साथ ग्लोबल आइकन बन गईं, वहीं कश्यप विश्व के शीर्ष 10 में शामिल हुए और 2014 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता। **(जेएनएन)**

चेल्सी दूसरी बार बना क्लब वर्ल्ड कप चैंपियन

जेएनएन, न्यू जर्सी

कोल पाल्मर के दो और जोआओ पेड्रो के एक गोल की मदद से चेल्सी ने यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हराकर फीफा क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। चेल्सी ने दूसरी बार क्लब ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले उसने साल 2021 में खिताब जीता था। फाइनल में पाल्मर ने शुरुआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए। मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा। इसके बाद 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। इस गोल ने चेल्सी की जीत को लगभग पक्का कर दिया। यह फाइनल मुकाबला किसी फिल्म से कम नहीं रहा, जिसमें रोमांच, ड्रामा और मारपीट सब देखने को मिला। मैच के दौरान पीएसजी और चेल्सी के खिलाड़ी और स्टाफ आपस में भिड़ गए। यह मुकाबला करीब 81 हजार दर्शकों से भरे स्टेडियम में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। ट्रंप ने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए।

अवॉर्ड

■ पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। पाल्मर ने तीन गोल के साथ दो असिस्ट भी किए। ■ चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला। ■ पीएसजी फॉरवर्ड डेसिरे डूए टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी रहे।

■ चेल्सी 17 गोल के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रही। पीएसजी की टीम इस खिताब को जीत नहीं सकी, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग कप डबल जीतना, उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही है।

■ फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया।

■ चेल्सी को करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1070 करोड़ रुपए) की इनामी राशि भी मिली।

डे नाइट टेस्टः दूसरे दिन गिरे कुल 15 विकेट, ऑस्ट्रेलिया को बढ़त

किंग्स्टन (जमैका), जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन वेस्टइंडीज को पहली पारी में 143 के स्कोर पर समेटने के बाद 82 रनों की बढ़त हासिल कर ली। इस डे नाइट टेस्ट मैच में कंगारू टीम ने दूसरी पारी में स्टंप्स तक छह विकेट पर 99 रन बना लिए हैं और कुल 181 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। खेल समाप्त होने के समय कैमरन ग्रीन 42 रन खेल रहे थे। दूसरे छोर पर कप्तान पैट कमिंस पांच रन बनाकर खेल रहे थे। रविवार को तीनों सत्र में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों के कुल 15 विकेट गिरे। दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने एक विकेट पर 16 रन से आगे खेलना शुरु किया। वेस्टइंडीज के लिए जॉन कैम्पबेल ने सर्वाधिक 36 रन बनाए, जबकि शाई होप (23) 20 रन की संख्या पार करने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड ने तीन, जबकि कमिंस और जोश हेजलवुड ने दो-दो विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ (तीन विकेट) और शेमार जोसेफ (दो विकेट) की चुनौती का सामना करना पड़ा। जोसेफ ने दूसरे ओवर में सैम कोंस्टास (00) को आउट कर दिया। 19 वर्षीय कोंस्टास ने छह पारियों में 50 रन बनाए हैं। उस्मान ख्वाजा (14) और स्टीव स्मिथ (05) दोनों नहीं चल पाए और बोल्ड होकर पवेलियन लौटे। इसके बाद जोसेफ ने 21वें ओवर में ब्यू वेबस्टर (13) और एलेक्स कैरी (00) को आउट करके ऑस्ट्रेलिया का स्कोर छह विकेट पर 69 रन कर दिया।

एडेन मार्कराम व हेली मैथ्यूज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

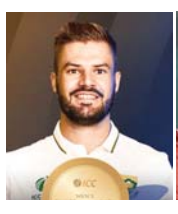

दुबई, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एडेन मार्कराम को पुरुष वर्ग और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को महिला वर्ग में आईसीसी जून 2025 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। मार्कराम ने साथी कैगिसो रबाडा और श्रीलंका के पाथुम निसांका को पछाड़कर पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीता। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 30 वर्षीय सलामी बल्लेबाज मार्कराम ने 136 रनों की पारी खेली। पांच विकेट की जीत ने दक्षिण अफ्रीका को 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहला आईसीसी खिताब जीतने में मदद की। महिला वर्ग में मैथ्यूज दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स और हमवतन एफी फ्लेचर को पछाड़ ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर के बाद चार बार यह पुरस्कार जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं।

एशियाई चैंपियन याराजी के घुटने की हुई सफल सर्जरी

नई दिल्ली, जेएनएन। एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी 100 मीटर बाधा दौड़ की एथलीट ज्योति याराजी के घुटने की सर्जरी सफल रही है। इसके कारण वह सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो जाएंगी और मौजूदा सत्र का उनके लिए अंत हो जाएगा। 25 साल की याराजी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि शुक्रवार को डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने मेरे दाएं घुटने के एसीएल की सर्जरी की जो सफल रही। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए मुश्किल रहे हैं। एसीएल की सर्जरी से उबरने में आमतौर पर कम से कम छह महीने लगते हैं।

सनराइजर्स के गेंदबाजी कोच बने आरोन

हैदराबाद, जेएनएन। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल सत्र के लिए सोमवार को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। आरोन न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने 'एक्स' पर लिखा, हमारे कोचिंग स्टाफ में एक शानदार इजाफा। आरोन का हमारे नए गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत है। आरोन ने 2011 और 2015 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और उतने ही वनडे खेले थे। 35 साल के आरोन ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का खेल था। झारखंड के इस 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने पर उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने पिछले साल चेन्नई में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में आस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्राथ के साथ एक कोच के रूप में कुछ समय के लिए काम किया था। आरोन करियर की शुरुआत में एक युवा तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बनाई थी जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को पार करने में सक्षम था।

खेल एक नजर

दिव्या और हम्पी महिला विश्व कप शतरंज के अंतिम-16 में

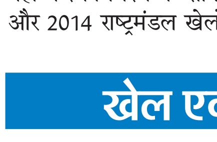

बातुमी (जॉर्जिया), जेएनएन। महिला ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और ग्रैंडमास्टर बनने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने विपरीत अंदाज में फिडे महिला विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बनाई। दिव्या को अंतिम 16 में पहुंचने के लिए आधा अंक की जरूरत थी, जो उन्होंने सर्बिया की टेओडोरा इंजाक के खिलाफ ड्रॉ खेल कर हासिल कर लिया, लेकिन हम्पी को पोलैंड की कुलोन क्लॉडिया को हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। भारत की जहां दो खिलाड़ियों ने अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है, वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी डी हरिका, वंतिका अग्रवाल और आर वैशाली भी अंतिम-16 में जगह बना सकती हैं, लेकिन यह सब टाईब्रेकर में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। ग्रैंडमास्टर हरिका ने यूनान की त्सोलाकिडोउ स्टावरौला के साथ लगातार ड्रॉ खेलकर खुद को प्री-क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनाए रखा।

जापान ओपन टूर्नामेंटः भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें फॉर्म में वापसी पर

टोक्यो, जेएनएन। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखने और खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश करेगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इसके अलावा उन्होंने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी, लेकिन इस सत्र में अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। जापान ओपन में यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत कोरिया के कांग मिन ह्युक और की डोंग जू के खिलाफ करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू 950,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में फॉर्म फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। लक्ष्य इस सत्र में कई बार पहले दौर में ही बाहर हो गए हैं। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी अपने पहले मैच में चीन के वांग झेंग जिंग का सामना करेगा। विश्व में 16वीं रैंकिंग वाली सिंधू के लिए जनवरी में इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना 2025 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पूर्व विश्व चैंपियन इस साल चार बार पहले दौर और तीन बार दूसरे दौर से बाहर हो चुकी हैं। वह कोरिया की सिम यू जिन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

एमआई न्यूयॉर्क ने तीन साल में जीती दूसरी बार एमएलसी ट्रॉफी

डलास (अमेरिका), जेएनएन। एमआई न्यूयॉर्क ने वाशिंगटन फ्रीडम को पांच रन से हराकर तीन साल में दूसरी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) ट्रॉफी जीत ली। ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में खेले गए इस फाइनल में आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के स्वामित्व वाली एमआई न्यूयॉर्क ने 20 ओवर में सात विकेट पर 180 रन बनाए। टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की 46 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों से 77 रन की पारी खेली। जवाब में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र के तेज तर्रार 70 रन (41 गेंद) और उनके हमवतन ग्लेन फिलिप्स के नाबाद 48 रन के बावजूद वाशिंगटन फ्रीडम की टीम चार विकेट पर 175 रन ही बना सकी।

■ यह मुंबई इंडियंस का विश्व स्तर पर 13वां और 2025 में तीसरा खिताब है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में एमआई केपटाउन की टीम एसए20 और मुंबई इंडियंस की महिला टीम महिला प्रीमियर लीग में चैंपियन बनी थी।

कमिश्नर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 15 जुलाई को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में ई-ऑफिस व्यवस्था, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

अवरुद्ध ईव्हीएम का निस्तारण 16 जुलाई को

रीवा। कपिध्वज सिंह बनाम नागेन्द्र सिंह के प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा प्रदाय अनुमति के अनुपालन में अवरुद्ध ईव्हीएम का निस्तारण शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर स्थित ईव्हीएम वेयर हाउस में 16 जुलाई को शाम 5 बजे किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निस्तारण के दौरान आवेदक, अनावेदक सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

तेज बारिश में कच्चा मकान गिरा, 5 महिलाएं घायल

हनुमना थाना क्षेत्र के हटा गांव की घटना

जागरण, रीवा

मऊगंज जिले के हनुमना थाना क्षेत्र अंतर्गत हटा गांव में तेज बारिश के बीच कच्चा मकान धराशायी हो गया। घटना सोमवार की शाम को उस वक्त हुई जब महिलाएं घर के अंदर खाना बना रहीं थीं। अचानक हुई घटना में यादव परिवार की पांच महिलाएं घायल हो गईं। मलबे में दबी महिलाओं को ग्रामीणों ने बाहर निकाला और आनन फानन में उन्हें हनुमना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया जहां एक की हालत नाजुक होने पर उसे संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक शाम को तेज बारिश हो रही थी। इसी बीच अचानक कच्चे मकान की दीवार गिर गई और महिलाएं मलबे के नीचे दब गईं। हादसे में दुर्गावती यादव की हालत गंभीर होने पर उसे संजय गांधी अस्पताल भिजवाया गया है वहीं घटना में श्यामकली यादव, सविता यादव, सुनीता यादव व बबिता यादव को उपचार के लिए हनुमना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बहरहाल बारिश शुरू होते ही कच्चे व जर्जर मकान गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। फिलहाल घायल महिलाओं का उपचार चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

बारिश के बीच धराशायी हुआ कच्चा मकान

रीवा। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद वार्ड क्रमांक 2 में बीते दिनों हुई बारिश के बाद जलभराव से एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। गनीमत रही की घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी नाली निर्माण नहीं होने के कारण पानी निकासी पूरी तरह से अवरुद्ध है। जिसके कारण विमला रजक का मकान ढह गया। रहवासियों ने बताया कि बैकुंठपुर नगर परिषद में इस समस्या को लेकर उनके द्वारा कई बार आवेदन दिया गया इसके बावजूद पानी निकासी के लिए नाली का निर्माण नहीं किया गया। पीड़िता के मुताबिक मकान के अंदर गेहूं, चावल सहित अनाज और गाय के लिए भूसा रखा हुआ था, साथ ही कई प्रकार की घरेलू सामग्री भी इसके चलते नष्ट हो गई।

नशे के विरुद्ध 15 दिन चलेगा जागरुकता अभियान

रीवा। नशे के विरुद्ध प्रदेश सहित रीवा जिले में भी 15 दिन पुलिस विशेष जागरूकता अभियान चलाएगी। जिसका शुभारंभ आज रैली के माध्यम से स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में सुबह 5 बजे किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत

जागरण, रीवा। गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत लालगांव पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम भौखरी में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत पर मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद मायके पक्ष वालों ने पति द्वारा पीट-पीट कर हत्या किए जाने का आरोप लगाया जिसके बाद पुलिस मर्ग कायम कर घटना की जांच रही है। घटना के संबंध में मृतका फूला देवी के भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि उसकी बहन फूला देवी अपने मर्जी से सनी नामक युवक के साथ ग्राम भौखरी चली आई थी, जहां कई वर्षों से दोनों पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे और दोनों के दो बच्चे थे। मृतका के भाई ने बताया कि कुछ महीनो तक दोनों के संबंध ठीक रहने के बाद आपसी विवाद होने लगा। पीड़ित भाई ने बताया कि पति द्वारा उसकी बहन के साथ लगातार मारपीट की जाती थी और पीट-पीट कर ही उसकी बहन की हत्या कर दी गई है। जबकि पति का कहना है कि महिला ने कोई अज्ञात जहरीला पदार्थ खाकर मौत को गले लगाया है। फिलहाल पुलिस ने महिला के शव को पीएम करवाया है, जिसके बाद मौत के कारण स्पष्ट होंगे। पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की जांच कर रहे है।

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

जागरण, रीवा। शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रतहरी में विद्युत के टूटे हुए तार को जोड़ने के दौरान एक अधेड़ व्यक्ति करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। घटना के बाद पुलिस ने मामले में मर्ग कम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम करीब 4 बजे राम बहोर पटेल निवासी रतहरी के घर का बिजली का तार टूट गया था, जिसके बाद वह बिजली के तार को जोड़ रहा था और उसी समय वह करंट की चपेट में आ गया। मृतक के भाई राम रतन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जब तक घर के अन्य सदस्यों को जानकारी हुई और मौके पर पहुंचे तो राम बहोर की जान जा चुकी थी। परिजनों ने उसे संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया था जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को मृतक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है, वहीं समान थाना पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की जांच में लगी हुई है।

स्ट्रांग रूम खोला जायेगा

रीवा। कपिध्वज सिंह विरुद्ध नागेन्द्र सिंह के प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के परिपेक्ष्य में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ की निर्वाचन याचिका में अवरुद्ध ईव्हीएम के निस्तारण हेतु विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ का स्ट्रांग रूम खोलने की अनुमति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी MBBS, MD (Dermatology & STD)
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश) परामर्श शुल्क मात्र 300/-
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

आवश्यकता है — ग्लोबल राज रॉयल पब्लिक स्कूल CBSE Pattern (English Medium) ADMISSION OPEN 2025-26
पता- सैनिक पेट्रोल पम्प के बगल में, रिंग रोड सिलपरी, जिला- रीवा (म.प्र.)
सम्पर्क सूत्र :- 07662-299656, 9752034275, 9424360064, 9685303645

रक्त विकार OPD — डॉ. निशाद धकाते MBBS, MD, DM | Consultant- Hematology & BMT
05 जुलाई शुक्रवार, 2025 समयः सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) मो.: 9399312433, 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ — डॉ. कोम्पल अग्रवाल MBBS, MD (Dermatology & STD) मो.-7247097637
सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

शिवकृपा अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर — आवश्यकता है
सिंधु भवन के सामने एस.ए.एफ. चौराहा, बिछिया रीवा (म.प्र.) संपर्क सूत्र : 07662-355419, 7000861839

महाकौशल के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ रीवा में 20 जुलाई 2025 डॉ. अखिलेश दुबे
समय - सुबह 10:00 से 3:00 बजे तक स्थान - डॉ. क्षमा विश्वकर्मा क्लिनिक

मिनर्वा द मेडिसिटी — जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी — आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
दिनांक: 18,19,20 जुलाई 2025 — 9893516364, 8770288324 टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

JESUS CHRIST HR. SEC. SCHOOL — English/Hindi Medium (CBSE Pattern) Nursery to 12th 2025-26 ADMISSION OPEN
Sharda Puram, Payasi Tola, Saman, Rewa (M.P.) Mob.: 9827520604, 9407175735

प्रसूति एवं स्त्री रोग शिविर 15 जुलाई से 25 जुलाई 2025 तक — प्रार्थना हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
संपर्क करें: 756690 8666, फोन नं. 07662-469015

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर) — डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830 — खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

ST. JOSEPH ACADEMY SAGRA, REWA — "School of Excellence" — Admission OPEN Session: 2025-26 Nursery to 12th
Sagra Gagahara Road, Rewa (M.P.) 9993204854, 9425818399 stjosephacademy2025@gmail.com

Dr. Ortho Orthopaedic Back Rest — For super comfortable experience of Sitting
Contact For Dealership 85588 07777 • dealership@divisa.in

बी.एड. प्रवेश 2025 — 100% प्रवेश गारण्टी के साथ — प्रवेश एवं जॉब कन्सलटेन्ट
मो.: 9424337730, 6261666812, 7000177901

BBS MEMORIAL HR. SEC. SCHOOL AZAD NAGAR, REWA (M.P.) — BBS KIDS ZONE 9424777617
ADMISSION OPEN For Nursery to 12th NO ADMISSION FEE

K.V.M. CONVENT HR. SEC. SCHOOL हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोदाबाग रीवा © 9425185999
आवश्यकता है कॉमर्स में एकाउंट एवं इंग्लिश टीचर्स की

CSU COLLEGE OF PHARMACY ENGINEERING — ADMISSIONS OPEN 2025-26
+91 70493 99901, 70493 99902

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com